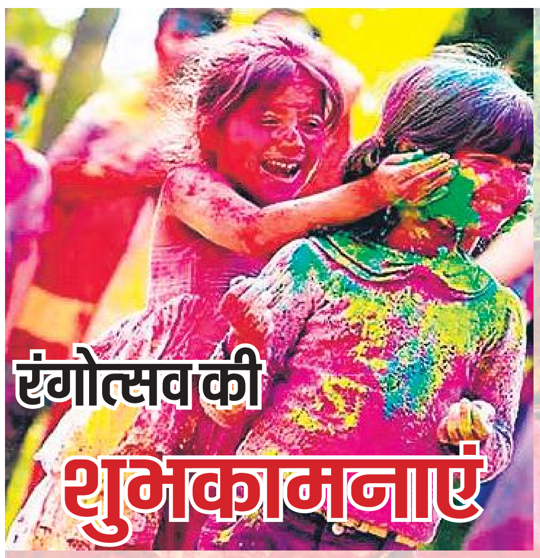

खाड़ी युद्ध : भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका एलएनजी में कटौती - 14

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण - 15

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कप्तानों की भूमिका होगी अहम - 16

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 04:49 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083 | बरेली | बुधवार, 4 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 99, पृष्ठ 18 ▪ मूल्य 6 रुपये

बढ़ते हुए बाँझपन के लिए डॉ. रितिका श्रीवास्तव ने दिए सुझाव

बढ़ते हुए बाँझपन के मामलों पर चिंता जताते हुए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. रितिका श्रीवास्तव ने जागरूकता बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने बताया कि बदलती जीवनशैली, तनाव, गलत खान-पान, बढ़ता मोटापा और देर से विवाह इसके प्रमुख कारण हैं। डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार 30-35 वर्ष की आयु के बाद महिलाओं में प्रजनन क्षमता कम होने लगती है, इसलिए समय पर गर्भधारण जरूरी है। उन्होंने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद और नशे से दूरी बनाने की सलाह दी। एक वर्ष तक प्रयास के बाद भी गर्भधारण न होने पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने की भी अपील की गई है।

होली, नवरात्रि एवं ईद की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं
भारतीय जनता पार्टी पीलीभीत से
श्री गोकुल प्रसाद मौर्य जी को
जिला अध्यक्ष नियुक्त
होने पर हार्दिक शुभकामनाएं
जितिन प्रसाद जी
मा. केन्द्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार
सांसद, 26 लोकसभा (पीलीभीत-बहेड़ी)
लेखराज भारती
जिला महामंत्री, भाजपा
पीलीभीत
गोकुल प्रसाद मौर्य
जिलाध्यक्ष
भाजपा, पीलीभीत

सभी क्षेत्रवासियों को
होली ईद-उल-फितर, नवरात्रि
की
हार्दिक शुभकामनाएं
जिला पंचायत सदस्य
वार्ड नं. 8 से
सदस्य पद हेतु सम्भावित प्रत्याशी
निवेदक - समस्त क्षेत्रवासी
यादविन्दर पाल सिंह 'सोढ़ी'
ग्राम प्रधान, कजरी निरंजनपुर
राष्ट्रीय सचिव, प्रधान संगठन
क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य भा.यु.मो. (ब्रज क्षेत्र)
पूर्व महामंत्री युवा मोर्चा भाजपा
पूर्व विधानसभा प्रभारी आई.टी.सेल भाजपा
9452877082

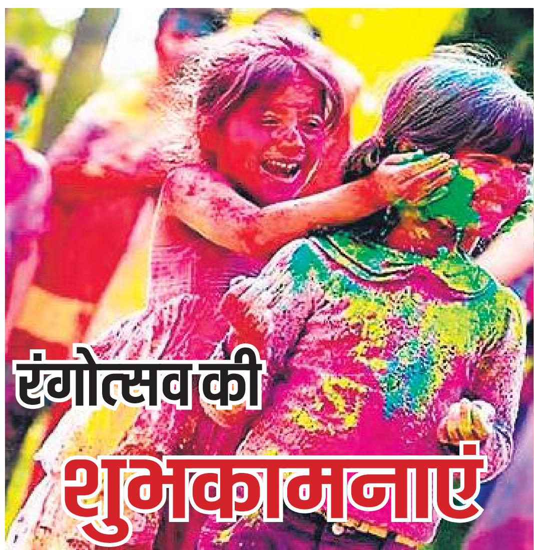

खाड़ी युद्ध : भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका एलएनजी में कटौती - 14

प्रधानमंत्री मोदी बोले- भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण - 15

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कप्तानों की भूमिका होगी अहम - 16

अमृत विचार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष प्रतिपदा 04:49 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2083 | बरेली | बुधवार, 4 मार्च 2026, वर्ष 7, अंक 99, पृष्ठ 18 ■ मूल्य 6 रुपये

रंगों से आगे... आत्मा के रंगों की होली

होली केवल एक ऐसा पर्व न बने जहाँ हम एक-दूसरे को रंग लगा भर दें। होली वह उत्सव बने, जहाँ हम अपनी आत्मा के रंगों में रंग जाएं। बचपन की होली आज भी स्मृतियों में उतनी ही ताज़ा है। त्योहार आने से 15-20 दिन पहले ही उसका उत्साह शुरू हो जाता था। स्कूल से लौटते ही हम मित्र शाम का इंतज़ार करते। फिर सब मिलकर कस्बे के बाहरी हिस्सों की ओर निकल पड़ते -हाथ में फावड़ा या कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज़, सूखी टहनियाँ और लकड़ियां इकट्ठा करने के लिए। हम सूखे पेड़ों की डालियां और लकड़ियां जमा करते और एक स्थान पर उन्हें इस प्रकार सजाते जैसे कोई गुफा बना रहे हों। पूर्णिमा की रात तक हमारी होलिका दहन की तैयारी पूरी हो जाती।

हम गोबर के उपले, ईंधन और अन्य सामग्री भी एकत्र करते और मोहल्ले के लोगों को समय की सूचना देते। पूरा आयोजन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी समन्वय, सहयोग और आनंद का उत्सव होता था। समय के साथ तरीक़े भले बदल गए हों, पर होली का उत्साह आज भी वैसा ही जीवंत है। होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों और उल्लास से कहीं अधिक गहरा है। यह नवीनीकरण, क्षमा, समानता और आनंद का पर्व है। होलिका दहन में हम अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार और कटुता को भी अग्नि को समर्पित करते हैं। इसके बाद रंगों का उत्सव जीवन की शुरुआत का प्रतीक बन जाता है जैसे अंधकार के बाद प्रकाश।

होली की सुबह एक अद्भुत दृश्य सामने आता है। घरों, गलियों और दिलों में जैसे कोई जादू उतर आता है। चेहरे रंगों से सराबोर होते हैं, हंसी संकोच की जगह ले लेती है, और वर्षों की दूरियां भी जैसे एक दिन के लिए मिट जाती हैं। यह मुक्ति केवल बाहरी नहीं, भीतर की भी होती है और यही होली का आध्यात्मिक सार है। रंग केवल सजावट नहीं, भावनाओं और संदेशों के प्रतीक हैं। लाल ऊर्जा और प्रेम का, पीला आस्था और पवित्रता का, हरा समृद्धि और नई शुरुआत का, और नीला अनंत आकाश जैसी व्यापकता का प्रतीक है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो हम शुभकामनाएं, अपनापन, सकारात्मकता भी बांटते हैं।

अमृत विचार में होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक भावना है। हमारा प्रयास सदैव यही रहता है कि हम समाज के जीवन में सकारात्मक विचारों, निष्पक्ष समाचारों और नई सोच के सुंदर रंग भर सकें। इस पावन अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरकों, सहयोगियों और समर्पित टीम के प्रत्येक सदस्य को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आइए, इस होली केवल रंग न खेलें — बल्कि मन, विचार और आत्मा को भी प्रेम, विश्वास और सद्भाव के रंगों से रंग दें। आप सभी को होली की शुभकामनाएं।

पार्थो कुनार, सीओओ

भीषण हमलों का ईरान की ओर से बेखौफ जवाब

ईरान का नतांज परमाणु स्थल क्षतिग्रस्त राष्ट्रपति कार्यालय भी बना निशाना | ईरान के दो ड्रोन हमलों के बाद रियाद में बंद किया गया अमेरिका का दूतावास | इजराइल के सैन्य ठिकानों पर भी बरसीं मिसाइलें, खाड़ी देशों पर भी हमले जारी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच युद्ध मंगलवार को चौथे दिन में प्रवेश करने के साथ और घातक हो गया। अमेरिका-इजराइल ने राजधानी तेहरान समेत ईरान के अलग-अलग हिस्सों में भीषण हवाई हमले कर तमाम इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया। इन हमलों से ईरान के नतांज परमाणु स्थल को भी क्षति पहुंची, हालांकि अभी विकिरण फैलने की आशंका को खारिज कर दिया गया है। ईरान ने इन हमलों का बेखौफ जवाब दिया। ईरानी सेना ने उसने इजराइल के सैन्य क्षेत्रों के साथ कतर स्थित अमेरिकी एयरबेस अल-उदैद पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर दो ड्रोन दागे गए जिसके दूतावास को बंद कर दिया गया है।

कतर के ऊर्जा संयंत्रों समेत खाड़ी के देश चौथे दिन भी ईरान के हमलों का निशाना बने। इससे पश्चिमी एशिया की ऊर्जा इकाइयों पर संकट के बादल छाए रहे। ईरान की सेना ने कतर में स्थित अमेरिकी एयरबेस अल उदैद को भी मिसाइल का निशाना बनाया। ओमान की बंदरगाह दुकम में मंगलवार को ड्रोन हमले के बाद एक तेल भंडारण इकाई को नुकसान पहुंचा। ईरान ने सऊदी अरब की राजधानी रियाद में अमेरिकी दूतावास पर ड्रोन से हमला किया, जिससे यहां आग लग गई और इमारत को भी नुकसान पहुंचा। इसके बाद इस दूतावास को फिलहाल बंद कर दिया गया है। अमेरिकी दूतावास ने एक्स पर एक बयान में कहा कि मंगलवार को सभी अपॉइंटमेंट रद्द कर दिए गए हैं। रियाद के साथ जेद्दा और धाहरान में भी कर्मचारियों को घर में ही रहने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर मंगलवार को भीषण हवाई हमले किए गए और तमाम सरकारी व गैरसरकारी इमारतों को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया। तेहरान में राष्ट्रपति कार्यालय के अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के भवन और ईरान के सरकारी प्रसारक कार्यालय को भी निशाना बनाने का दावा किया गया है। मिसाइल लॉन्च साइटों के भी नष्ट होने की खबरें हैं।

तेहरान में बमबारी से मलबे में तब्दील हुई एक इमारत पर लहराता ईरानी झंडा। ● एजेंसी

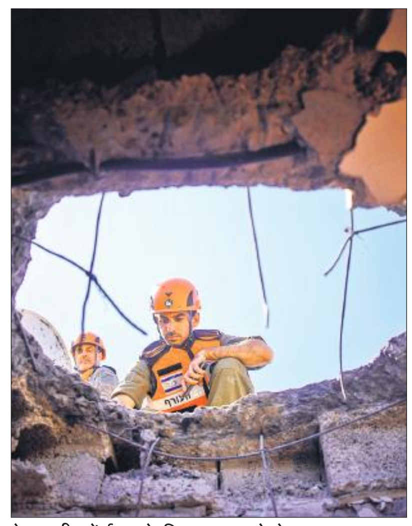

तेल अवीव में ईरान के मिसाइल हमले से ध्वस्त इमारत।

ईरान में मरने वालों की संख्या बढ़कर 787 हुई

ईरान की रेड क्रिसेंट की रिपोर्ट के अनुसार देश में अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 787 से ज्यादा हो गई है। ईरान के हमलों में इजराइल में 12 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 777 घायल हुए हैं जबकि 11 लोग लापता हैं। युद्ध में अब तक अमेरिका के भी छह सैनिकों के मारे जाने की पुष्टि की गई है। इसके अलावा 18 सैनिक घायल हुए हैं।

तीन भारतीय नाविकों की मौत, एक घायल

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में विदेशी ध्वज वाले जहाजों पर सवार तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है जबकि एक घायल है। नौवहन महानिदेशालय ने कहा, भारतीय नाविकों से जुड़ी चार घटनाओं की सूचना मिली है। महानिदेशालय ने कहा कि प्रभावित नाविकों और उनके परिवारों को आवश्यक सहायता और सहयोग प्रदान किया जा रहा है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों को खाड़ी देशों से निकलने को कहा

दुबई। ईरान के बड़े पैमाने पर हमलों के मद्देनजर अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने बहरीन, इराक, जॉर्डन, कुवैत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले अमेरिकियों से देश छोड़ने का आग्रह किया है। दुबई और अबू धाबी जैसे शहरों वाले संयुक्त अरब अमीरात को लंबे समय से पश्चिम एशिया का एक सुरक्षित क्षेत्र माना जाता रहा है लेकिन हमलों के कारण उसे भी ईरान युद्ध में घसीट लिया गया है।

सिंधु दुबई से घर लौटीं

बेंगलुरु। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने पुष्टि की है कि दुबई में फंसी रहने के बाद वह सुरक्षित रूप से अपने घर बेंगलुरु लौट आई हैं। सिंधु ने मंगलवार को एक्स पर लिखा, पिछले कुछ दिन बेहद तनावपूर्ण और अनिश्चित रहे, लेकिन अपने घर वापस आकर मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

ईरानी ड्रोन हमले के बाद कोर्ट छोड़कर भागे खिलाड़ी

अबु धाबी। एटीपी चैलेंजर इवेंट के दौरान ईरानी ड्रोन हमले से नजदीकी ऑयल टर्मिनल में आग लगने के बाद खिलाड़ी और अधिकारी कोर्ट छोड़कर भाग गए। लाइव फीड में जापान के टेनिस खिलाड़ी हयातो मात्सुओका और रूस के डेनियल ओस्टापेनकोव, अंपायर और लाइन जजों के साथ कोर्ट से छोड़कर भागते हुए दिखाई दे रहे हैं।

शुभकामनाएं/सूचना

समस्त सुधी पाठकों, अभिकर्ताओं एवं विज्ञापनदाताओं को रंगों के पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं। इस अवसर पर बुधवार 4 मार्च को कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक शुक्रवार 6 मार्च को प्रकाशित होगा। -संपादक

ब्रीफ न्यूज

एंथ्रोपिक के 'क्लाउड एआई' की सेवाएं 24 घंटे में दूसरी बार ठप

नई दिल्ली। एंथ्रोपिक के लोकप्रिय 'क्लाउड एआई' की सेवाएं मंगलवार को कुछ क्षेत्रों में ठप हो गईं। 24 घंटे के भीतर यह इस तरह का दूसरा व्यवधान था, हालांकि यह चैटबॉट जल्द ही फिर सामान्य हो गया। सेवाओं की निगरानी करने वाले मंच 'डाउनडिटेक्टर डॉट कॉम के अनुसार, जब शिकायतों की संख्या अपने उच्चतम स्तर पर थी, तब सबसे ज्यादा समस्याएं 'क्लौड चैट' में देखी गईं। इसके बाद वेबसाइट और 'क्लाउड कोड' के इस्तेमाल में भी लोगों को परेशानी हुई। डाउनडिटेक्टर के आंकड़ों के अनुसार, भारत में दोपहर से ठीक पहले 350 से अधिक उपयोगकर्ताओं ने क्लाउड एआई की सेवा ठप होने की रिपोर्ट की, लेकिन यह व्यवधान जल्द ही कम हो गया।

आसमान में अदभुत नजारा

नई दिल्ली। चंद्र ग्रहण के दौरान मंगलवार को लाख लोग आसमान में अद्भुत नजारा देखने के लिए लालायित रहे। यह चंद्र ग्रहण दोपहर 3 :20 से लेकर 18 :48 बजे तक रहा। गुवाहाटी से लेकर दिल्ली तक लोगों ने टेलिस्कोप की मदद से ब्लड मून देखा। पूर्वोत्तर राज्यों में सूर्यास्त के बाद पूर्ण चंद्र ग्रहण का स्पष्ट नजारा देखने को मिला। इससे पहले भारत में चंद्र ग्रहण सात-आठ सितंबर 2025 को दिखा था। चंद्र ग्रहण के बाद लोगों ने नदियों और सरोवरों में स्नान किया।

ईरान ने बंद किया होर्मुज, भारत की चिंता बढ़ी

तेहरान, एजेंसी

ईरान ने मंगलवार को अतिव्यस्त समुद्री मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का एलान कर दिया। साथ ही इस मार्ग से गुजरने वाले जहाजों को हमले की चेतावनी भी दी है। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग को बंद करने की घोषणा से भारत की चिंता बढ़ गई है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सिलसिले में खाड़ी देशों के नेताओं के साथ चर्चा की और चिंता जताई।

होर्मुज मार्ग से दुनिया भर में होने वाली तेल खपत का लगभग पांचवां हिस्सा इसी जलमार्ग से होकर गुजरता है। मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओमान, कुवैत और कतर के नेताओं के साथ इस नाजुक स्थिति पर चर्चा की। इस बीच भारत की ओर से संघर्ष को समाप्त करने के लिए संवाद और कूटनीति का आह्वान किया गया है।

भारतीय ध्वज लगे 37 जहाज, 1100 नाविक फंसे

नई दिल्ली। होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाला प्रमुख मार्ग बंद होने से 1100 से अधिक नाविकों समेत भारतीय ध्वज वाले 37 जहाज फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और आसपास के समुद्र में फंस गए हैं। इनमें से कुछ जहाज भारतीय बंदरगाहों की तरफ जा रहे थे। इन जहाजों में कच्चा तेल और एलएनजी है। कुछ जहाज पेट्रोलियम उत्पाद लाने के लिये खाड़ी देशों की ओर जा रहे थे।

जनता दर्शन | मुख्यमंत्री ने 150 फरियादियों की समस्याओं को सुना, अधिकारियों को दिए निर्देश

बेफिक्र कराएं इलाज, सरकार देगी आर्थिक मदद

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

जनता दर्शन में इलाज में आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आश्वस्त करते हुए कहा कि वे बेफिक्र होकर अच्छे अस्पताल में उपचार कराएं, सरकार उनकी हर संभव मदद करेगी।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिन मरीजों को आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इलाज का इस्टीमेट शीघ्र तैयार कर शासन को भेजा जाए, ताकि मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जा सके।

होलिकोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी ने मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में जनता दर्शन में करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं।

मुख्यमंत्री ने एक-एक फरियादी के पास जाकर प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण के निर्देश दिए। किडनी की बीमारी से जूझ रहे एक व्यक्ति ने आर्थिक तंगी की बात रखी। मुख्यमंत्री ने उससे आयुष्मान कार्ड के बारे में पूछा। कार्ड न होने पर उन्होंने आश्वासन दिया कि इलाज के लिए पर्याप्त आर्थिक मदद दी जाएगी और धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी।

जनता दर्शन के दौरान लोगों की फरियादें सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जनता की हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी को भी अनावश्यक परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा कि समस्याओं के समाधान में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता बरती जाए। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जाने और दबंगई के मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, जनता दर्शन में आए बच्चों को मुख्यमंत्री ने स्नेहपूर्वक आशीर्वाद दिया, चॉकलेट भेंट की और उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY HOLI

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRISHA ENTERPRISES
SAHITYANJALI FOUNDATION
SUNAYANA SAXENA
Managing Director

अब AI कोर्स JOIN करें
Free में सीखें
1. ADCA
2. ADCPA
3. CCC
4. Tally Prime With GST
5. Python Programming
6. Advance Excel
FREE COURSES
Mob:- 9837463672
SUMAN COMPUTER INSTITUTE
AI+ MACHINE LEARNING & ROBOTICS
सुमन इंस्टीट्यूट मो. सुनगढ़ी पीलीभीत

समाजवादी पार्टी
आप सभी को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
happy holi
दिव्या पी गंगवार
पूर्व प्रत्याशी 130 विधानसभा
राष्ट्रीय सचिव
समाजवादी महिला सभा (उ.प्र.)
चौ. प्रदीप सिंह पटेल
संरक्षक कुर्मी सभा मेरठ
संस्थापक
कला ईश फाउंडेशन

आप सभी नगरवासियों को
रंगो के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
किसान भाईयों से अपील
1. संतुलित उर्वरकों का प्रयोग करें
2. मिट्टी की जांच कराए
3. जल संरक्षण के प्रबंध करें
4. जैविक व प्राकृतिक खेती को अपनाएं
5. फसलों की उगाई पंक्ति में करें
ज्ञानेंद्र सिंह
जिला अधिकारी पीलीभीत
नरेन्द्र पाल
जिला कृषि अधिकारी पीलीभीत

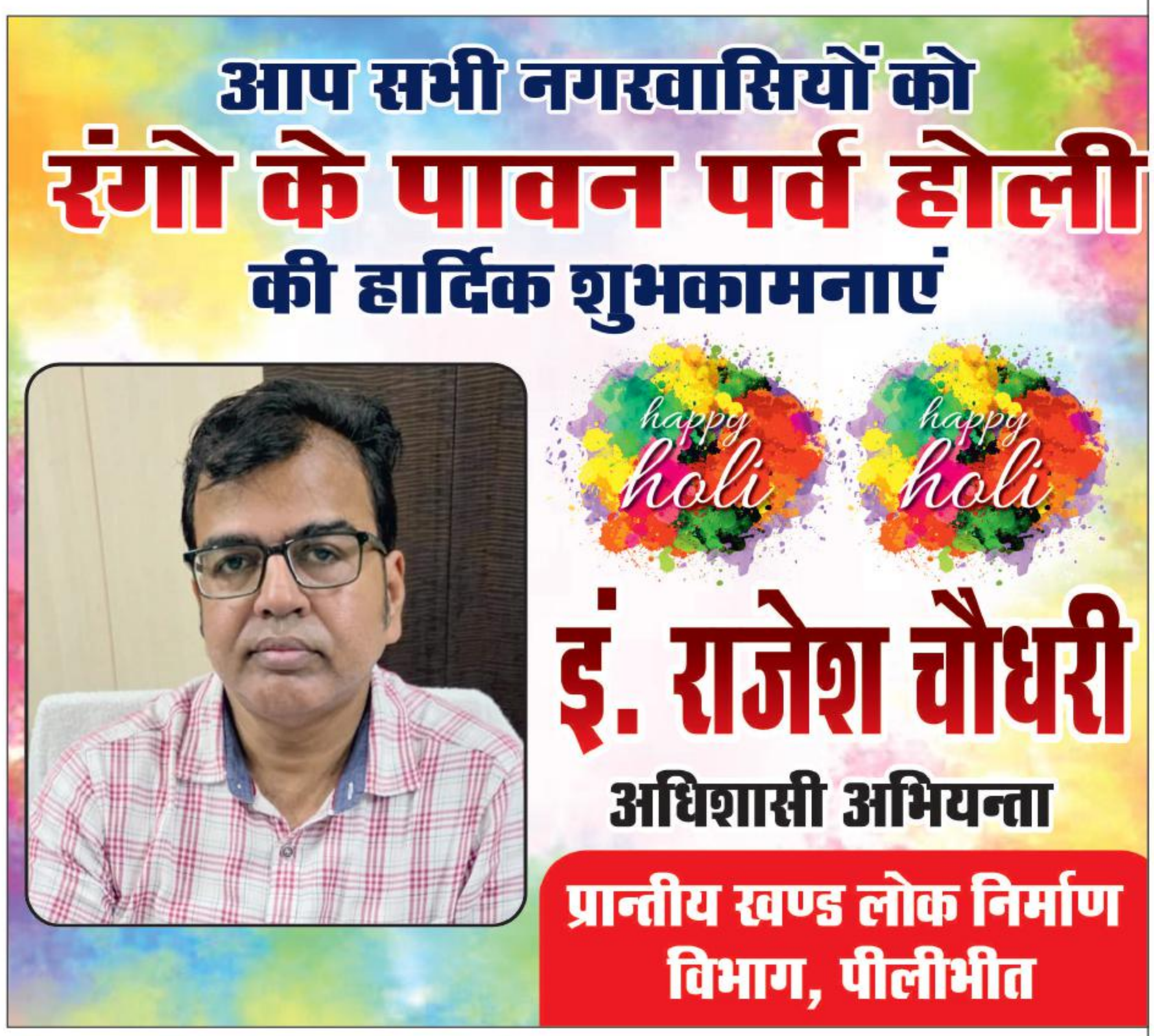
आप सभी नगरवासियों को
रंगो के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
happy holi
इं. राजेश चौधरी
अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग, पीलीभीत

आप सभी नगरवासियों को
रंगो के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
happy holi
रोशनी सिंह
जिला बेसिक अधिकारी
पीलीभीत

आप सभी नगरवासियों को
रंगो के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
happy holi
राजीव कुमार
जिला विद्यालय निरीक्षक
पीलीभीत

साप्ताहिक बंदी में मिली छूट तो गुलजार हुआ बाजार

सुबह से ही दुकानों पर ग्राहकों के पहुंचने से व्यापारी खुश, खूब की खरीदारी

होली कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ताओं संग चेयरमैन डॉ .आस्था अग्रवाल।

अभिभावक के साथ पिचकारी खरीदने पहुंचे बच्चे। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : हर कोई होली के उल्लास व उमंग में डूबा नजर आ रहा है। फिजा में होली का रंग व तराने घुल गए हैं। इस बार चंद्रग्रहण के चलते दुल्हेंड़ी चार मार्च को मनाई जाएगी। ऐसे में साप्ताहिक बंदी के चलते भी बाजार गुलजार रहा। जैसे- जैसे समय बढ़ता गया वैसे वैसे बाजार में रौनक बढ़ती चली गई। हालांकि ग्रहण के चलते कपड़ा बाजार में चहलकदमी में कम देखने को मिली। फिलहाल रंग और अन्य दुकानों पर भीड़ देखने को मिली।

बता दें कि शहर के बाजार की मंगलवार को साप्ताहिक बंदी होती है। मगर दुल्हेंडी से एक दिन पहले पड़ने वाले मंगलवार को पूरा बाजार खुला। हालांकि सराफा कारोबारियों की दुकानें बंद रही। शहर के स्टेशन रोड, गैस चौराहा, चावला चौराहा, छिपियान मस्जिद, चूड़ी वाली गली, जेपी रोड, ड्रमंडगंज चौराहा पर बनी कपड़ें की दुकाने खुलते ही ग्राहकों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। सुबह से ही खरीदारी करने वाले उमड़ने लगे। कपड़े, नमकीन, गुझिया के अलावा बेकरी की दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ दिखी। भीड़ की वजह से बाजार में जाम की स्थिति बनी रही। शहर के गल्ला मंडी, लोहा मंडी, सब्जी मंडी, ड्रमंडगंज चौराहा, लक्ष्मी टॉकीज, छिपियान मस्जिद, चूड़ी वाली गली समेत अन्य बाजार में भीड़ बनी रही। लोग खरीदारी करने में मशगूल दिखे। चंद्रग्रहण के चलते कपड़े की खरीदारी लोगों ने पहले ही कर ली थी। मगर मंगलवार को भी कुछ दुकानों पर ग्राहकों की भीड़ देखने को मिली। मगर सबसे अधिक भीड़ बाजार में मिठाई, किराना और रंग की दुकानों पर देखने को मिली। इतना ही नहीं टेलर की दुकानों पर भी कपड़े सिलाई करने के लिए लाइन लगी दिखाई दी। कपड़े के साथ खाने-पीने की वस्तुएं भी खूब खरीदी गईं। इधर, शहर के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की बाजारों में चिप्स, पापड़ और नमकीन की भी जमकर खरीदारी हुई। हर बार की तरह इस बार भी दुकानों पर रेडीमेड गुझिया की खूब डिमांड रही। वहीं घर में गुझिया बनाने के लिए लोगों ने मावा की खरीदारी भी हुई। देर रात तक बाजार में चहलकदमी देखने को मिली।इधर, पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड़ पर है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह और एसपी सुकीर्ति माधव सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लेते रहे। शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस बल की तैनाती बढ़ा दी गई है। विशेष रूप से महिलाओं की सुरक्षा और हुड़दंगियों पर लगाम लगाने के लिए सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। बाकी बाजार में प्रत्येक चौराहा पर पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई। अस्पताल में भी टीम को अलर्ट कर दिया गया है। इधर, भाजपा नेताओं ने विशाल टॉकीज के पास होली उत्सव मनाया। एक दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर नगरपालिकाध्यक्ष डा.आस्था अग्रवाल, भाजपा नगराध्यक्ष इंद्रेश सिंह चौहान, आशीर्वाद अग्रवाल, जगन्नाथ प्यारेलाल, जगदीश आदि मौजूद रहे।

रंग गुलाल की दुकानों पर लगी रही भीड़

दुल्हेंड़ी से पहले रंग खेलने की तैयारियों को लेकर जुटे हुए हैं। मंगलवार को कपड़ों की दुकानों के अलावा रंग गुलाल की दुकानों पर लोग रंग गुलाल की खरीदारी करते नजर आए। इस बार सबसे ज्यादा भगवा रंग के गुलाल, स्प्रे, सिलेंडर स्काई शॉट आदि की डिमांड अधिक रही। वहीं पिचकारी को लेकर भी खरीदारों का तांता लगा रहा। इस बार बाजार में देसी पिचकारियों की धूम रही। बच्चों के लिए स्पाइडरमैन और छोटा भीम वाली पिचकारियां आकर्षण का केंद्र बनी रही। किराना और मिठाई की दुकानों पर भी सुबह से ही लंबी कतारें देखी गईं। होली के पारंपरिक पकवानों, जैसे गुजिया, पापड़ और चिप्स बनाने के लिए मैदा, खोया और मेवों की जमकर खरीदारी हुई।

राज्यमंत्री ने परिवार संग किया पूजन

राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने परिवार के साथ होलिका पूजन किय। उन्होंने संजय रॉयल पार्क स्थित होलिका दहन स्थल पर पहुंचकर सपरिवार होली का पूजन पूजन किया। सुख समृद्धि की कामना की गई। उन्होंने कहा कि होली सौहार्द एवं सद्भावना का प्रतीक है। सभी को मिलजुल कर मनाना चाहिए। पर्व की शुभकामनाएं भी दी।

घायल फोटोग्राफर की एसोसिएशन ने की मदद, दिया चेक

चेक सौंपते फोटोग्राफर एसोसिएशन के पदाधिकारी।

पीलीभीत, अमृत विचार : फोटोग्राफर्स एसोसिएशन ने घायल फ्रीलांसर फोटोग्राफर को ग्यारह हजार रुपये की मदद की है।

बता दें कि सप्ताह भर पहले चोटिल हुए फोटोग्राफर्स एसोसिएशन पीलीभीत के सदस्य यशपाल रस्तोगी को इलाज के लिए बरेली रेफर कर दिया गया था। डिस्चार्ज होकर वह पीलीभीत अपने घर आ गए।

इसके बाद फोटोग्राफर्स एसोसिएशन की तरफ से फ्रीलांसर फोटोग्राफर यशपाल रस्तोगी को उनके घर जाकर 11 हजार का चेक प्रदान किया गया। अध्यक्ष दिलीप थापर ने संगठन के बारे में विस्तार से जानकार दी। इस मौके पर सचिव अंशुल गौड़, संगठन मंत्री मनीष भारद्वाज, पूरन प्रकाश बुधानी, प्रदीप कुमार, चंद्र प्रकाश अंशुल आदि मौजूद रहे।

पोस्टर बनाकर बाल विवाह मुक्त भारत का दिया संदेश

पीलीभीत, अमृत विचार : बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रामलुभाई साहनी महाविद्यालय के आयोजित एनएसएस कैंप में बाल विवाह मुक्त भारत एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता हुई। रैली निकालकर लोगों को बाल विवाह जैसी कुप्रथा के प्रति जागरूक किया।

शहर से सटे गांव पिपरिया में आयोजित एनएसएस कैंप में रामलुभाई साहनी महाविद्यालय की छात्राओं के बीच बाल विवाह मुक्त भारत एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ आदि पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता कराई गई एवं रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान जिला मिशन कोऑर्डिनेटर सुवर्णा पांडे ने सभी को बाल विवाह जैसी कुप्रथा के प्रति जागरूक किया गया। जेंडर स्पेशलिस्ट जय श्री सिंह ने छात्राओं को हेल्पलाइन नंबर 1098, 181 आदि के बारे में बताया। वहीं सखी वन स्टाप सेंटर की केंद्र प्रशासिका तृप्ति मिश्रा ने बस यात्रियों को बाल विवाह अभियान से जुडी विस्तृत जानकारी दी एवं यात्रियों को बाल विवाह की शपथ भी दिलाई । इसके अलावा चाइल्ड हेल्पलाइन, विशिष्ट दत्तक ग्रहण ईकाई के कर्मचारियों ने भी विभिन्न स्थानों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर बाल विवाह अभियान के प्रति लोगों को जागरूक किया।

बाजार में केमिकल युक्त रंगों की भरमार, जमकर हो रही बिक्री

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

शहर में सजी रंगों की दुकान। ● अमृत विचार

अमृत विचार: खुशियों के त्योहार होली पर रंगों के इस्तेमाल से पहले उसकी परख जरुरी है। बाजार में बिकने वाले ज्यादातर रंग रासायनिक मिलावट करके तैयार किए जाते हैं। इसमें मरकरी सल्फाइड, लेड, कॉपर सल्फेट, क्रोमियम आक्साइड, पारा, पिसा हुआ कांच आदि की मिलावट होती है। ऐसे में बाजार में बिकने वाले केमिकलयुक्त रंग होली को बदरंग भी कर सकते हैं।

होली से एक दिन पूर्व रंगों के बाजार में भारी भीड़ रही। रंगों के इस त्योहार पर सूखे रंगों समेत तमाम तरह से रंग, गुलाल आदि की जमकर बिक्री हो रही है। इन सबके बीच होली पर विशेष सावधानी बरतने की जरुरत है। वजह यह है कि बाजार में केमिकलयुक्त रंगों की भरमार है। केमिकल और मिलावटी पदार्थों से तैयार होने वाले रंग त्वचा से लेकर गुर्दे तक असर डाल सकते हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. रमाकांत सागर ने बताया कि मिलावटी पदार्थ रंग के जरिए त्वचा पर चिपककर नुकसान पहुंचाते हैं। पानी में घुलने वाले रंगों में सूखे रंगों से अधिक केमिकल होते हैं। पेंट कलर, डार्क कलर, ब्लैक ऑयल कलर अधिक खतरनाक होते हैं। यदि मुंह में रंग चला जाए तो फेफड़े और गुर्दे भी खराब हो सकते हैं।

- हर्बल रंगों का करें इस्तेमाल डॉक्टरों ने बताए बचाव के तरीके

बढ़ सकता है एलर्जी का खतरा : त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. एसपी सिंह ने बताया कि केमिकलयुक्त रंगों का सबसे बुरा प्रभाव पड़ता है। जिन्हें त्वचा संबंधी एलर्जी है, उन्हें केमिकल रंगों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। त्वचा पर लगे रंग को रगड़कर न हटाएं।

5.04 करोड़ रुपये से चार मुख्य सड़कों का होगा नवनिर्माण

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- क्षेत्र की जनता को मिलेगा लाभ जर्जर हालत में सफर था दुश्वार
- राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार ने मुख्यमंत्री का जताया आभार

अमृत विचार : जिले की चार मुख्य सड़कों की जल्द तस्वीर बदलेगी। 5.04 करोड़ रुपये की लागत से इनका पुनर्निर्माण कराया जाएगा। इन चार प्रमुख संपर्क मार्गों के नवनिर्माण की स्वीकृति को केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की दिशा में उठाया गया दूरदर्शी कदम माना जा रहा है। फिलहाल लंबे समय से जर्जर पड़ी इन सड़कों की दुर्दशा दूर होने से ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी आबादी को राहत मिल सकेगी।

बता दें कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क केवल परिवहन का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह विकास की धुरी होती है। जब गांव मुख्य मार्गों से जुड़ते हैं तो किसानों को अपनी उपज मंडियों तक पहुंचाने में आसानी होती है, विद्यार्थियों की शिक्षा निर्बाध चलती है और मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध होता है। साथ ही बेहतर सड़कों से व्यापारिक गतिविधियां बढ़ती हैं। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होते हैं। मगर कई सड़कें लंबे समय से जर्जर थी। अब उनका भी सुधार कराया जाएगा। लोक निर्माण विभाग द्वारा जिन मार्गों को स्वीकृति प्रदान की गई है, उनमें सद्दरपुर–मोहनपुर मार्ग (किमी एक से भूड़ा तक), ग्राम गोंछ से कनाकोर संपर्क मार्ग, ग्राम गौनेरा से चांदडांडी मार्ग और डंडिया भिसैड़ी शिव मंदिर से कल्याणपुर खास भट्टा मार्ग शामिल हैं। राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार ने इन सड़कों के पुनर्निर्माण की स्वीकृति को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति आभार व्यक्त किया। हालांकि किसी भी योजना की सफलता केवल स्वीकृति से नहीं, बल्कि उसके गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध क्रियान्वयन से सुनिश्चित होती है। आवश्यकता है कि निर्माण कार्य पारदर्शिता और उच्च मानकों के साथ संपन्न हों, ताकि सड़कों की स्थायित्व क्षमता दीर्घकालिक हो और जनता को बार-बार मरम्मत की समस्या से न जूझना पड़े। निश्चित ही यह पहल पीलीभीत के ग्रामीण अंचलों को विकास की नई राह पर अग्रसर करेगी।

चंद्र ग्रहण : सूतक लगने से पहले कराया यज्ञ

यज्ञ में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

दियोरियाकलां, अमृत विचार : आर्य समाज बढ़ैरा में मंगलवार सुबह सूतक लगने से पहले होली को लेकर यज्ञ कराया गया। जिसमें कई आर्यजन शामिल हुए। यज्ञ ब्रह्मा प्रदीप कुमार शास्त्री आर्य समाज शाहजहांपुर के पुरोहित ने यज्ञ सम्पन्न कराया। आनन्द प्रकाश आर्य सपत्नीक रहेंगे। प्रदीप कुमार शास्त्री, शिशुपाल शास्त्री ने पर्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी। होली पर्व की शुभकामनाएं दी गई। इस मौके पर देवपाल आर्य, नरेश कुमार शास्त्री, रामसागर आर्य, प्रांजल आर्य, गौरव कुमार आर्य, रामकृष्ण आर्य, सियाराम आर्य आदि मौजूद रहे।

गन्ना काटने के विरोध पर पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ग्राम बेहरीखेड़ा निवासी देव कुमार पुत्र होरीलाल ने थाना सुनगढ़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि 2 मार्च को रात नौ बजे गांव के लेखराज पुत्र आसाराम, विनोद पुत्र लेखराज ने उसके खेत से होली पर बेचने के लिए तीन कुंतल गन्ना काट लिया। जब उसने और उसकी भाभी धर्मवती ने गन्ना काटने का विरोध किया तो आरोपियों ने उसके और उसकी भाभी के साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने उसकी उंगली पर दरांती मार दी। जिससे वह घायल हो गया। आसपास के लोगों के एकत्र होने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

चंद्र ग्रहण के चलते बंद रहे मंदिरों के कपाट

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

पचमुखी हनुमान मंदिर के ग्रहण के चलते बंद पड़े कपाट।

- सुबह 9:01 बजे से लगा सूतक रात 8 बजे के बाद खुले कपाट
- गंगाजल से शुद्धि, विशेष आरती के बाद उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

अमृत विचार : चंद्र ग्रहण के कारण मंगलवार को शहर के मंदिरों में दिनभर सन्नाटा पसरा रहा। सूतक काल लगने के चलते सुबह से ही देवालयों के पट श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिए गए। शास्त्रों के अनुसार ग्रहण के दौरान पूजा-अर्चना और मूर्तियों का स्पर्श वर्जित होता है, इसलिए मंदिरों में नियमित पूजन नहीं हुआ।

जानकारी के अनुसार फाल्गुन पूर्णिमा के दिन यह दुर्लभ संयोग बना। पंडित आशुतोष शर्मा ने बताया कि ग्रहण का सूतक काल सुबह 9:01 बजे से शुरू हो गया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सूतक के प्रभाव में मंदिरों के कपाट खोले गए। शहर के ऐतिहासिक गौरी शंकर मंदिर के मुख्य कपाट तड़के ही बंद कर दिए गए थे। मंदिर के पुजारी ने बताया कि सूतक लगते ही भगवान को विश्राम कराया गया और गर्भगृह में पर्दा डाल दिया गया। यही स्थिति यशवंती देवी मंदिर और श्री सत्यनारायण मंदिर में भी रही। यहां आने वाले श्रद्धालु बाहर से ही माथा टेककर लौट गए। इसके अलावा नृसिंह माता मंदिर, सनातन धर्म सभा मंदिर, स्टेडियम रोड स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर, अर्द्धनारीश्वर मंदिर और दुधिया मंदिर के कपाट भी ग्रहण समाप्त होने तक बंद रहे। शाम को ग्रहण का मोक्ष होने के बाद मंदिरों में गंगाजल से शुद्धि की गई। मूर्तियों का पवित्र स्नान कराया गया और विशेष आरती उतारी गई। इसके बाद ही श्रद्धालुओं के लिए दर्शन शुरू हुए। मंदिरों के पट खुलते ही बड़ी संख्या में लोग शुद्धिकरण के दर्शन के लिए पहुंच गए और पूरे वातावरण में भक्ति का माहौल बन गया।

HAPPY HOLI
होली की हार्दिक शुभकामनाएं
HAPPY HOLI

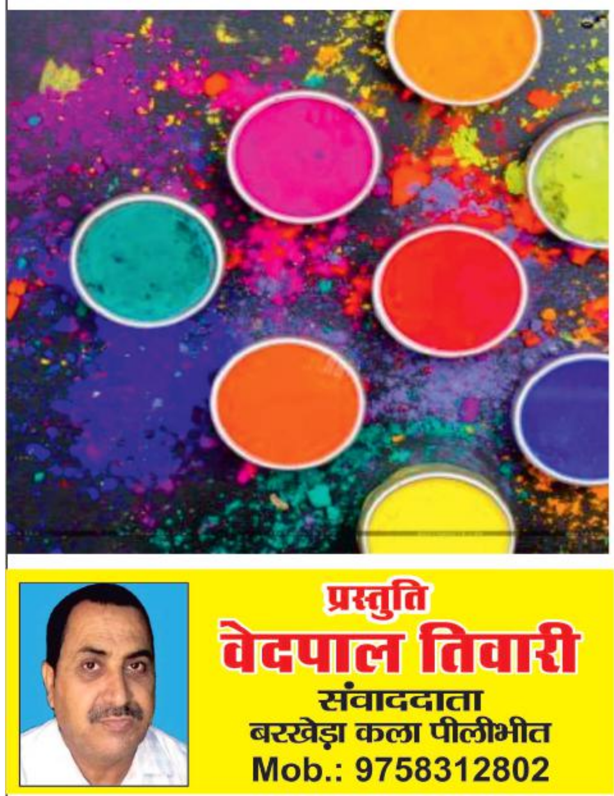
प्रस्तुति
वेदपाल तिवारी
संवाददाता
बरखेड़ा कला पीलीभीत
Mob.: 9758312802

आप सभी नगर व जनपद वासियों को
होली के पर्व एवं ईद उल फितर
की दिली मुबारकबाद
सुवुल अंसारी
(ठेकेदार)
नगर पंचायत बरखेड़ा कला
पीलीभीत
अपील:- 1-नगर को साफ व स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करें।
2-इधर-उधर कूड़ा करकट न फेंके और कूड़ादान का प्रयोग करें।
3-अपने घरों का कूड़ा करकट कूड़े ले जाने वाली गाड़ी में डालें।

समस्त जनपद वासियों को होली के पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं
स्व. डॉ. परशुराम गंगवार
पूर्व सांसद लोकसभा
पीलीभीत
जनपद पीलीभीत के नवनिर्वाचित
भाजपा जिला अध्यक्ष
श्री गोकुल प्रसाद मौर्य जी
को बहुत-बहुत बधाई
happy holi
दिनेश गंगवार
पुत्र स्व. डॉ. परशुराम गंगवार
पूर्व सांसद
मो. 8755675570
एड. नागेन्द्र प्रताप सिंह
जिला महामंत्री भाजपा
किसान मोर्चा, पीलीभीत

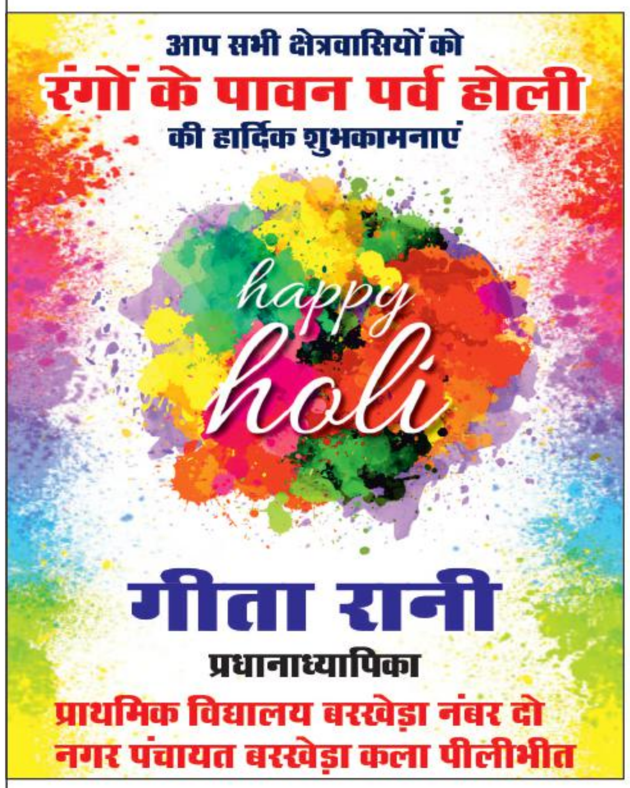
आप सभी क्षेत्रवासियों को
रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
happy holi
गीता रानी
प्रधानाध्यापिका
प्राथमिक विद्यालय बरखेड़ा नंबर दो
नगर पंचायत बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी जनपद वासियों को
रंगों के पावन पर्व होली की
बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं
हम सबका है
यही सपना
स्वच्छ हो
भारत अपना
happy holi
श्रीमती मुन्नी देवी
ग्राम प्रधान
राजा तोमर
सचिव
ग्राम पंचायत लखाखास विकास खंड बरखेड़ा कला पीलीभीत

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरखेड़ा के समस्त स्टाफ की
ओर से जनपद वासियों को होली के पर्व की बधाई
एवं हार्दिक शुभकामनाएं
happy holi
डॉ. लोकेश कुमार
प्रभारी चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र
बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
दयाशंकर राजपूत (प्रधान)
ग्राम पंचायत डडिया राझे
विकास खंड बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
शिव कुमार राठौर
निवासी ग्राम पंचायत रामनगर जगतपुर
विकास खंड बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी जनपद वासियों को होली के पर्व की बधाई
एवं हार्दिक शुभकामनाएं
जय गुरुदेव स्वीट्स हाउस एंड रेस्टोरेंट
दौलतपुर रोड कस्बा बरखेड़ा कला पीलीभीत
जय गुरुदेव स्वीट्स हाउस एंड रेस्टोरेंट
पीलीभीत बीसलपुर रोड पौटा कला पीलीभीत
देसी घी व रिफाइंड से निर्मित शुद्ध मिठाइयों के लिए संपर्क करें
प्रोपराइटर- राम गुलाम सक्सेना, सरवन सक्सेना

आप सभी जनपद वासियों को होली के पर्व की बधाई
एवं हार्दिक शुभकामनाएं
उच्च कोटि के आभूषणों के मिलने का एक विश्वसनीय स्थान
अजय ज्वैलर्स मेंन रोड बरखेड़ा कला पीलीभीत
happy holi
अजय कुमार
डॉ. सुपर्व गंगवार

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
सुखदेव
निवासी ग्राम पंचायत बुहिता
विकास खंड बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
देवकीनंदन उर्फ टीटू
गौशाला प्रभारी
नगर पंचायत बरखेड़ा कला पीलीभीत

आप सभी जनपद वासियों को होली के पर्व की बधाई
एवं हार्दिक शुभकामनाएं
उत्तम शिक्षा हेतु अपने बच्चे को प्रवेश दिलाएं
जेएल मेमोरियल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय
भैसहाग्वालपुर मोड
बरखेड़ा कला पीलीभीत
happy holi
कालीचरन गंगवार
प्रबंधक
दारा सिंह
प्रधानाचार्य

आप सभी जनपद वासियों को होली के पर्व 2026 की बधाई
एवं हार्दिक शुभकामनाएं
सर्व सुविधाओं से सुसज्जित गुणवत्ता युक्त शिक्षा का एक मात्र स्कूल
शेरवुड हायर सेकेंडरी स्कूल
पिपरा खास रोड बिजली घर के
आगे बरखेड़ा कला पीलीभीत
प्रवेश प्रारम्भ
डॉक्टर नरेंद्र कुमार गंगवार
प्रबंधक
नंदराम
प्रधानाचार्य

ਕਾਰ
ਸੇਵਾ
ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਸੰਚਾਰ
02, 03
04 ਮਾਰਚ
ਸਮਾਂ ਸਵੇਰੇ 10 ਵੱਜੇ
ਸ੍ਰੀਮਾਨ ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਤਾਰਾ ਸਿੰਘ ਜੀ
ਸਰਹਾਲੀ ਸਾਹਿਬ
ਸੰਤ ਬਾਬਾ ਘੋਲਾ ਸਿੰਘ ਜੀ
ਸਰਹਾਲੀ ਸਾਹਿਬ
ਗਿਆਨੀ ਸਰਬਜੀਤ ਸਿੰਘ ਜੀ
ਕਥਾਵਾਚਕ ਲੁਧਿਆਣਾ (ਪੰਜਾਬ)
ਗਿ: ਸਾਹਿਬ ਸਿੰਘ ਜੀ
ਕਥਾਵਾਚਕ ਕਨੇਡਾ ਵਾਲੇ
ਭਾਈ ਅਮਨਦੀਪ ਸਿੰਘ ਜੀ
ਰਾਗੀ ਜੱਥਾ ਸ੍ਰੀ ਦਰਬਾਰ ਸਾਹਿਬ Asr.
ਭਾਈ ਮਹਿਤਾਬ ਸਿੰਘ ਜੀ
ਰਾਗੀ ਜੱਥਾ ਜਲੰਧਰ (ਪੰਜਾਬ)
ਭਾਈ ਲਖਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਜੀ ਸੋਹਲ
ਢਾਡੀ ਜੱਥਾ (ਪੰਜਾਬ)
ਭਾਈ ਸੁਲੱਖਣ ਸਿੰਘ ਜੀ ਰਿਆੜ
ਕਵੀਸ਼ਰੀ ਜੱਥਾ (ਪੰਜਾਬ)
ਭਾਈ ਹੀਰਾ ਸਿੰਘ ਜੀ
ਰਾਗੀ ਜੱਥਾ ਗੁ: ਮਹਿੰਗਾਪੁਰ
ਭਾਈ ਮਹਿਤਾਬ ਸਿੰਘ ਜੀ ਭਿੰਡਰ
ਸਟੇਜ ਸੈਕਟ੍ਰੀ
ਸਲਾਨਾ
ਹੋਲੇ ਮਹੱਲੇ ਤੇ
ਵਿਸ਼ਾਲ ਗੁਰਮਤਿ ਸਮਾਗਮ
02, 03, 04 ਮਾਰਚ 2026
ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਨਾਨਕ ਪਿਆਓ ਮਹਿੰਗਾਪੁਰ
ਲਖੀਮਪੁਰ-ਖੀਰੀ (ਯੂ.ਪੀ.) ਵਿਖੇ
ਦਿਨ ਰਾਤ ਦੇ ਦੀਵਾਨ
2, 3 ਮਾਰਚ
ਸਵੇਰੇ ੧੦ ਤੋਂ ਰਾਤ ੧੧ ਵਜੇ
ਦਿਨ ਦੇ ਦੀਵਾਨ
04 ਮਾਰਚ
ਸਵੇਰੇ ੧੦ ਤੋਂ ਸ਼ਾਮ ੪ ਵਜੇ
ਕਾਰਸੇਵਾ ਵਾਲੇ ਮਹਾਪੁਰਸ਼, ਨਿਰਮਲੇ ਸੰਤ, ਨਿਹੰਗ ਸਿੰਘ ਜੱਥੇਬੰਦੀਆਂ
ਧਾਰਮਿਕ ਜੱਥੇਬੰਦੀਆਂ ਦੇ ਨੁਮਾਇੰਦੇ, ਗੁਰਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਬੰਧਕ ਕਮੇਟੀਆਂ
ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਦੇਸ਼ ਦੀਆਂ ਸੰਗਤਾਂ ਦੀਵਾਨਾਂ ਦੀਆਂ ਹਾਜ਼ਰੀਆਂ ਭਰਨਗੀਆਂ।
ਦਸਤਾਰ ਮੁਕਾਬਲਾ
02 ਮਾਰਚ
ਸਵੇਰੇ 10 ਵੱਜੇ
ਗੁਰੂ ਕਾ ਲੰਗਰ ਅਤੁੱਟ ਵਰਤੇਗਾ
सलाना होले महल्ले ते विशाल गुरमत समागम
02, 03, 04 मार्च 2026
कारसेवा गुरुद्वारा नानक प्याऊमहिंगापुर खीरी (यू.पी.) विखे
ਦਸਮੇਸ਼ ਹਸਪਤਾਲ ਅਤੇ ਵਨ ਬੀਟ ਗਰੁੱਪ ਵੱਲੋਂ
02, 03, 04 ਮਾਰਚ
ਫ੍ਰੀ ਅੱਖਾਂ ਅਤੇ ਜਰਨਲ ਚੈਕਅੱਪ
LIVE ON
CHARDIKLA TIME TV
Amrit Baani ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਬਾਣੀ
NANAK PIAO MAHINGAPUR TV
kar_sewa_mehingapur
Gurudwara Nanak Piao Mehingapur
अमृत ਗੁਰਬਾਣੀ
ਗੁਰੂ ਪੰਥ ਦਾ ਦਾਸ : ਮੁੱਖ ਸੇਵਾਦਾਰ ਜ: ਬਾਬਾ ਗੁਰਨਾਮ ਸਿੰਘ
ਕਾਰਸੇਵਾ ਸਰਹਾਲੀ ਸਾਹਿਬ, ਗੋਇੰਦਵਾਲ ਸਾਹਿਬ, ਮਹਿੰਗਾਪੁਰ (ਯੂ.ਪੀ.)
ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਕ/ਪ੍ਰਾਰਥਿਕ : ਸਮੂਹ ਜੱਥੇਦਾਰ ਅਤੇ ਦੇਸ਼ ਵਿਦੇਸ਼ ਦੀ ਸੰਗਤ
ਸੰਪ੍ਰਕ : 9838171717, 6230171717 (ਦਫ਼ਤਰ ਗੁ: ਮਹਿੰਗਾਪੁਰ)
Punjab Printers, Spn. 9839840241

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम,
होली, रमजान एवं ईद की दिली मुबारकबाद
Indian Pathology &
Diagnostic Centre
प्रो. हंजला खान
निकट बस स्टैण्ड, सम्पूर्णानगर, लखीमपुर खीरी

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत
समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई
खाने में स्वाद ही स्वाद
पंजाबी जक्शन
स्वीट्स
हमारे यहां शुद्ध मिठाईयों के साथ शादी पार्टी के
कुशल पर कुशल कारीगर उपलब्ध है।
पताः- निकट गुरुद्वारा महंगापुर-खीरी

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत
समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई
मकन पुर भारत गैस एजेंसी
मकनपुर पलिया कलां
प्रो.अमरीक सिंह बैंस
जीवन सिंह बैंस

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
जसवंत सिंह सन्धू
नि. प्रधान
बमनगर, भैंसोरी फार्म
पलिया कलां खीरी

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले व होली की
ढेर सारी
बधाई
HAPPY HOLI
मंजीत सिंह
प्रधान प्रतिनिधि
व पूर्व प्रधान
सुखदेव सिंह उर्फ़ बब्बू
प्रधान प्रतिनिधि
ग्राम पंचायत लगदहन पलिया कलां खीरी

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली
की हार्दिक शुभकामनाएं
आदित्य मिश्रा
लेखपाल
महंगापुर, पलिया कलां

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले गुरमत
समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई,
GOLDEN FLOWER SEN. SEC. SCHOOL
(ENGLISH MEDIUM CO-ED C.B.S.E. DAY & RESIDENTIAL SCHOOL, PNC TO 12TH)
• GOLDEN BHARAT RESIDENCY
• B.D.S. PROPERTY CONSULTANTS
• BLUE HORSE TRAVELS (GOLDEN MOTOR)
• RAVENNN & GOLDEN STYLE
CHAIRMAN
MR. JASMAIL SINGH
MR. AMANPREET SINGH
DIRECTOR
MRS. HARDEEP KAUR
MRS. RAMANJITKAUR
PRINCIPAL
MR. SHYAM MAHINDRU

आप सभी को होला महल्ला व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री गुरुतेग बहादुर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, महंगापुर खीरी
एफिलेटेड टू सीबीएससी, दिल्ली
प्रवेश प्रारम्भ
नर्सरी टू 12 तक
कक्षा 10 से 12 तक आइलेट क्रोर्स फ्री
NCC
संत बाबा गुरनाम सिंह (अध्यक्ष)
सर्वजीत सिंह (सहायक प्रबंधक)
संगीता जायसवाल (प्रधानाचार्या)
S.G.T.B. Sr. Sec. SCHOOL
WELCOMES YOU
प्रबंधक -तीर्थ सिंह
सदस्य-गुरदीप सिंह मांगट, जसवंत सिंह संधू
प्रधान गुरमीत सिंह, श्रवन सिंह

इफ्तार
बुधवार
सुन्नी : 6:16
शिया : 6:25

सहरी
गुरुवार
सुन्नी : 5:08
शिया : 5:00

किशोरी को ले गया उत्तराखंड का युवक

पीलीभीत, अमृत विचार : प्रेम प्रसंग में एक युवक नाबालिगा प्रेमिका को बहला फुसलाकर ले गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना न्यूरिया क्षेत्र के एक ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री को 2 मार्च को दोपहर ढाई बजे प्रेम कुमार पुत्र रामायण निवासी ग्राम सड़पुरा थाना खटीमा उधम सिंह नगर उसके घर के बाहर से बहलाफुसला कर ले गया। काफी जानकारी के बाद भी उसकी पुत्री के बारे में कोई पता नहीं चल सका है। उसने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

आबादी में डेरा जमाए तेंदुओं को किया जाएगा रेस्क्यू, लगेंगे पिंजड़े

बख्शपुर में चहलकदमी करते देखे गए थे दो तेंदुए, ठिकाना तलाश रहे वन कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : शहर से सटे आबादी क्षेत्र में चहलकदमी कर रहे तेंदुओं को जल्द ही रेस्क्यू किया जाएगा। वन एवं वन्यजीव प्रभाग द्वारा तेंदुओं की बढ़ती सक्रियता के चलते यह निर्णय लिया गया है। वनकर्मियों की टीम तेंदुओं का स्थाई ठिकाना तलाशने में जुटी हुई है। तलाश पूरी होते ही पिंजड़े लगाकर तेंदुओं को पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया जाएगा।

पीलीभीत रेंज के अंतर्गत शहर से सटे गांव वख्शपुर में बीते शनिवार रात दो तेंदुओं को चहलकदमी करते देखे गए थे। गांव निवासी महेश मौर्या के घर की बाउंड्रीवाल के नजदीक दो तेंदुए एक साथ देखे जाने से परिजनों में हड़कंप मच गया था। परिजनों के शोर-शराबे पर अन्य ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए। जिसके बाद दोनों तेंदुए खेतों की ओर भाग निकले थे।

घर के बाहर चहलकदमी करता तेंदुआ।

तेंदुओं के जाने के बाद कुछ ग्रामीणों की इसकी सूचना वन विभाग समेत पुलिस को दी। कुछ देर बाद ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई थी।

इस पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अगले दिन वन एवं वन्यजीव प्रभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से जानकारी लेकर उच्चाधिकारियों को दी थी। उच्चाधिकारियों की ओर से संबंधित क्षेत्र में निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे। जिसके बाद से वनकर्मियों की टीम लगातार संबंधित क्षेत्र में निगरानी में जुटी हुई है।

> तेंदुओं की लगातार मॉनिटरिंग को लेकर टीमें संबंधित क्षेत्र में जुटी हुई हैं। तेंदुओं के खकरा नदी के किनारे खड़े नरकुल में होने की संभावना पर वहां टीमें लगाई गई है। तेंदुओं का ठिकाना मिलते ही पिंजड़ा लगाया जाएगा। साथ ही ग्रामीणों को भी जागरूक किया जा रहा है। – **विनीत प्रकाश**, क्षेत्रीय वनाधिकारी, पीलीभीत रेंज

- **चहलकदमी करते सीसीटीवी फुटेज हुआ था वायरल**

तेंदुओं को ट्रैक करने में जुटी टीम

इधर अब आबादी क्षेत्र में तेंदुओं की बढ़ती सक्रियता के चलते दोनों तेंदुओं को रेस्क्यू करने के लिए पिंजड़ा लगाने का प्लान बनाया गया है। निगरानी में जुटी टीम लगातार तेंदुओं को ट्रैक करने में जुटी हुई हैं, मगर तेंदुओं की चहलकदमी बढ़ती जा रही है। वन अफसरों के मुताबिक बीते दिवस तेंदुओं की चहलकदमी गांव से दो किमी होने की सूचना मिली थी, लेकिन वहां तेंदुओं की कोई लोकेशन नहीं मिल सकी थी। इधर दोनों तेंदुओं के खकरा नदी के किनारे खड़े नरकुल में होने की संभावना जताई जा रही है। टीमें अब इसी क्षेत्र में निगरानी में जुटी हुई है। वन अफसरों का कहना है कि तेंदुआ का एक स्थान पर ठहराव मिलते ही पिंजड़ा लगाने की कार्यवाही की जाएगी।

होली पर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अलर्ट, शिकारियों पर रहेगी पैनी नजर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी, वन अपराधियों की गतिविधियों पर नजर**
- **डिप्टी डायरेक्टर ने वन क्षेत्राधिकारियों को जारी किए दिशा निर्देश**

अमृत विचारः होली पर्व के मद्देनजर पीलीभीत टाइगर रिजर्व में अलर्ट जारी किया गया है। कटान एवं शिकार से संबंधित संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित कर विशेष निगरानी की जा रही है। साथ ही वन अपराध में लिप्त अपराधियों की गतिविधियों पर पैनी निगाह रखी जा रही है। इसको लेकर डिप्टी डायरेक्टर ने पूर्व में ही सभी वन क्षेत्राधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए थे।

जंगलों में होली पर्व के दौरान हिरन, पाढ़ा, चीतल, जंगली सूअर आदि वन्यजीवों समेत पक्षियों के शिकार की घटनाएं अकसर बढ़ जाती हैं। होली की छुट्टियों का फायदा उठाकर शिकारी और अपराधी जंगल में घुसकर शिकार एवं अन्य अवैध गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में लग जाते हैं। इसको लेकर टाइगर रिजर्व प्रशासन द्वारा अलर्ट जारी किया गया है। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर मनीष सिंह ने बीते माह ही सभी रेंजों के वन क्षेत्राधिकारियों को दिशा निर्देश जारी किए थे। जारी आदेश के बाद सभी रेंजों में वनकर्मियों की टीमों द्वारा सामूहिक गश्त की जा रही है। अवैध कटान एवं शिकार से संबंधित संवेदनशील क्षेत्रों को चिन्हित करने के साथ उनकी विशेष निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही वन अपराध में लिप्त रहने वाले अपराधियों की गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखने का दावा किया जा रहा है। अवैध घुसपैठ रोकने के लिए भारत-नेपाल सीमा से सटे जंगल पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। डिप्टी डायरेक्टर की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि होली के दौरान कोई वन एवं वन्यजीव घटना होती है और कोई वनकर्मी अनुपस्थित पाया जाता है तो इसके लिए संबंधित वनक्षेत्राधिकारी ही जिम्मेदार होंगे।

वनकर्मियों की छुट्टियां कैंसिल

शिकारी एवं वन अपराध में लिप्त अपराधी होली की छुट्टियों का फायदा उठाकर ही शिकार आदि की घटनाओं को अंजाम देते हैं। इसको लेकर डिप्टी डायरेक्टर ने सभी वन क्षेत्राधिकारियों को होली के दौरान किसी कर्मचारी का अवकाश स्वीकृत न करने के निर्देश दिए हैं। विशेष परिस्थितियों में केवल डिप्टी डायरेक्टर द्वारा ही अवकाश स्वीकृत किया जाएगा।

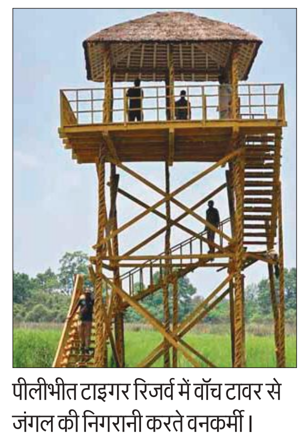

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में वॉच टावर से जंगल की निगरानी करते वनकर्मी।

> होली पर्व के मद्देनजर वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर सभी वन क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया गया है। संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर निगरानी करने के साथ वन अपराधियों की गतिविधियों पर भी निगाह रखी जा रही है। यदि कहीं कोई लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। – **भरत कुमार डीके**, प्रभारी डीएफओ, पीलीभीत टाइगर रिजर्व

फंदे से लटकने से बताई मौत, विसरा सुरक्षित

संवाददाता, बरखेड़ा

- **बरखेड़ा पुलिस ने कॉलेज में सीसीटीवी फुटेज चेक की**

अमृत विचार : पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होमगार्ड की मौत फंदे से लटकने से होना बताया गया है। साथ ही विसरा भी जांच के लिए सुरक्षित किया गया है।

बता दें कि बरखेड़ा क्षेत्र के ग्राम कोकिली के रहने वाले 55 संत कुमार तिवारी (55) होमगार्ड थे। उनकी ड्यूटी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज बरखेड़ा में लगी थी। रविवार शाम को वह कॉलेज परिसर में पड़े मिले थे। सीएचसी ले जाने पर उनको मृत घोषित कर दिया था। बरखेड़ा पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। शव पहुंचने के दौरान पोस्टमार्टम हाउस पर जब देखा गया तो गर्दन पर निशान मिला था, जबकि पुलिस ने पंचनामा में इसका जिक्र नहीं किया था। हालांकि बाद में पंचायतनामा में इस निशान को दर्ज करा दिया गया था। बताते है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदे से लटकने से मौत होने की बात कही गई है। विसरा भी सुरक्षित किया गया है। परिवार वाले भी इसे लेकर कुछ समझ नहीं पा रहे हैं। इधर, बरखेड़ा पुलिस ने कॉलेज जाकर सीसीटीवी की फुटेज भी चेक की है।

नेपाल में चुनाव को लेकर सील की गईं सीमाएं

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : नेपाल राष्ट्र में प्रस्तावित निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने के लिए सख्ती की गई है।

भारत नेपाल अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर अवैध आवागमन/अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए जनपद से सटी इंडो नेपाल सीमा को अस्थाई रूप से सील किया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ज्ञानेंद्र सिंह ने बताया कि नेपाल राष्ट्र में प्रस्तावित निर्वाचन अवधि के दौरान दो मार्च की रात्रि 12 बजे से पांच मार्च की रात 12 बजे तक भारत नेपाल सीमा की स्थित सभी अधिकृत एवं अनाधिकृत मार्गो/ पगडंडियों पर कड़ी निगरानी रखते हुए सीमा सील करते हुए एसपी, एसएसबी कमांडेंट, एसडीएम पूरनपुर, एसडीएम कलीनगर, सीओ पूरनपुर, दोनों तहसीलों के तहसीलदार आदि को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

अमेड़ी नदी किनारे मिला बारहसिंघा का शव

पीलीभीत, अमृत विचार : क्षेत्र के हटुआ बिजुलिहाई गांव में अमेड़ी नदी किनारे एक बारहसिंघा (हिरण) का शव मिला। बताते हैं कि शव को कौवे नोंचकर खा रहे थे। कुछ लोगों ने शव को देखा और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। वन विभाग से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। हालांकि काफी देर तक कोई नहीं पहुंचा। मामला चर्चा का विषय बना रहा।

बहरीन में फंसा युवक वतन वापसी की गुहार

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- **इजरायल अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध होने से फंस गया युवक**
- **किसान नेता के माध्यम से युवक की पत्नी ने केंद्रीय मंत्री को भेजा पत्र**

अमृत विचार : बहरीन देश में नौकरी कर रहे बीसलपुर के एक व्यक्ति की वतन वापसी के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद से गुहार लगाई गई है। किसान नेता के माध्यम से युवक की पत्नी ने प्रार्थना पत्र केंद्रीय मंत्री को भेजा है।

बताते हैं कि मोहल्ला पटेल नगर के जितेंद्र कुमार गंगवार पुत्र जयपाल गंगवार बहरीन में प्राइवेट नौकरी करने गए थे। वह ईरान इजरायल अमेरिका युद्ध होने से वहां फंस गए हैं। भयभीत जितेंद्र कुमार ने अपने परिजनों को बहरीन के हालात बताए। जितेंद्र कुमार की पत्नी रितु शिवांगी ने अपने पति की बहरीन देश से सकुशल वापसी के लिए केंद्रीय राज्यमंत्री एवं पीलीभीत सांसद जितिन प्रसाद से गुहार लगाई है। उन्होंने किसान नेता देव स्वरूप पटेल के माध्यम से पत्र भेजकर खुद की परेशानी से अवगत कराया है। किसान नेता एवं क्रांतिकारी विचार मंच के प्रांतीय संरक्षक देव स्वरूप पटेल ने बताया कि बहरीन देश में कार्य कर रहे जितेंद्र कुमार गंगवार जो ईरान इजरायल युद्ध के मध्य वह परेशानी महसूस कर रहे हैं। उनके वतन वापसी के लिए उनकी पत्नी ने केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के नाम संबोधित प्रार्थना पत्र उनके व्हाट्सएप पर भेज कर अवगत कराया है। इसे अविलंब केंद्रीय मंत्री को व्हाट्सएप के माध्यम से भेज कर अवगत करा दिया गया है। जितेन्द्र कुमार गंगवार की घर वापसी के लिए जो भी संभव प्रयास हैं केंद्रीय राज्य मंत्री के स्तर से किए जाएंगे।

न्यूज ब्रीफ

बीच-बचाव कराने गए युवक को पीटा

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सुनगढ़ी क्षेत्र के ईदगाह कांशीराम कॉलोनी निवासी शिवम सक्सेना ने थाना सुनगढ़ी में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि दो मार्च को रात 10 बजे पड़ोस के तुल्ला की पुत्री मुस्कान और पति भूरा निवासी नौगवां पकड़िया आपस में लड़ाई झगड़ा कर रहे थे। वह इन लोगों को बचाने लगा तो तुल्ला और भूरा ने उसके साथ लाठी डंडों से मारपीट की। जिससे वह घायल हो गया। आरोपियों ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

विवाहिता और उसके परिवार को पीटा, रिपोर्ट

पीलीभीत, अमृत विचार : थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम खांडेपुर निवासी सपना देवी पत्नी सुरेश कुमार ने थाना न्यूरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि उसकी शादी सुशील कुमार पुत्र रामपाल निवासी ग्राम न्यूरिया खुर्द थाना न्यूरिया से हुई थी। आरोप है कि उसका पति शराब पीकर उसके साथ मारपीट करता है। 2 मार्च को शाम सात बजे उसके मायके पक्ष के लोग आए हुए थे। उनके साथ ससुराल पक्ष के लोगों ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। जब उसने विरोध किया तो उसकी भी पिटाई की गई। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

हरिओम हत्याकांड : तीन महिलाओं समेत सात आरोपियों को भेजा जेल

कोतवाली दियोरियाकलां क्षेत्र के ग्राम किशनपुर में हत्यारोपियों ने की थी वारदात

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : किशनपुर गांव में जमीन के विवाद में हुई ग्रामीण की हत्या के मामले में दियोरियाकलां पुलिस ने कार्रवाई की है। एफआईआर दर्ज करने के बाद पुलिस ने तीन महिलाओं समेत सात हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इधर, दोनों पक्षों के एक ही गांव से होने पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के लिहाज से सख्ती की है। गांव में पुलिस बल की तैनाती कर हालात पर निगरानी कराई जा रही है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी को टीम लगी हुई है।

घटना दियोरियाकला कोतवाली क्षेत्र के ग्रास किशनपुर में एक मार्च को हुई थी। जमीन के पुराने विवाद में गांव के ही हरिओम की हत्या कर दी गई थी। घटना में मृतक के परिवार के कई अन्य लोग भी घायल हो गए थे। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजन के सुपुर्द कर दिया था। होली से चंद दिन पहले हुई हत्या की घटना को लेकर पुलिस ने सतर्कता बढ़ा दी थी। दियोरियाकलां कोतवाली में मृतक के पिता बनवारीलाल पुत्र कल्यानराय ने तहरीर देकर बताया था कि गांव के ही कुछ लोगों से उनकी रंजिश है। एक मार्च को उनका पुत्र हरिओम, दामाद जसवीर, अमन बाजार जा रहे थे। इस दौरान आरोपियों ने लाठी डंडे, कुल्हाड़ी, बांका से हमला कर दिया। चीख पुकार सुनकर हरिओम की पत्नी सोनी देवी समेत अन्य परिवार वाले बचाने पहुंचे तो उन पर भी हमला किया। घायलों को अस्पताल ले गए। वहां हरिओम को मृत घोषित कर दिया गय था। इस मामले में 11 नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके बाद पुलिस की गठित टीमों ने दबिश देकर सात हत्यारोपियों को धर दबोचा। पकड़े गए हत्यारोपी ग्राम किशनपुर निवासी रवि पुत्र गंगाराम, सुनील पुत्र गंगाराम, बबलू पुत्र जंग बहादुर, ज्वाला प्रसाद पुत्र दोदराम, मधु पत्नी गंगाराम, मुल्लो देवी पत्नी जंग बहादुर और अनारा देवी पत्नी गंगाराम को चालान कर कोर्ट में पेश करके मंगलवार को जेल भेज दिया गया। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश देती रही।

दियोरियाकलां कोतवाली पुलिस की गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी। ● अमृत विचार

- **चार अन्य नामजद अभियुक्तों की तलाश में जुटी टीम, पुलिस कर रही गांव में निगरानी**

> जमीन के विवाद में किशनपुर गांव के हरिओम की हत्या करने के मामले में 11 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी। इसमें तीन महिलाओं समेत सात आरोपियों की गिरफ्तारी कर जेल भेज दिया है। बकाया की जल्द धरपकड़ की जाएगी। विवेचना कराई जा रही है। – **गौतम सिंह**, एसओ दियोरियाकलां

बच्चे का गला दबाने की कोशिश विरोध पर पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार: चमन चौराहा निवासी ओमकार कश्यप ने बताया कि मंगलवार को उनका भांजा वंश कश्यप घर के पास अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। आरोप है कि मोहल्ले के कोने में रहने वाला छोटू गुप्ता नशे में था, वहां पहुंचा और बच्चे को धक्का देते हुए वहां से हट जाने को कहा। जब बच्चे ने कोई जवाब दिया तो आरोपी ने उसका गला दबाने की कोशिश की।

बच्चे की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां दौड़ती हुई मौके पर पहुंचीं और उसे आरोपी के चंगुल से छुड़ाने लगीं। आरोप है कि इस दौरान आरोपी ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की। शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य भी मौके पर पहुंचे। इस बीच महिला की बहन सीनू कश्यप भी वहां पहुंच गईं। परिवार का आरोप है कि आरोपी ने उसके साथ भी मारपीट की, जिससे सीनू कश्यप के मुंह से खून निकलने लगा और वह लहूलुहान होकर गिर पड़ीं। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोग इकट्ठा हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। घटना के समय ओमकार कश्यप मंदिर में थे। उन्होंने पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए लिखित तहरीर दी।

हाईवे पर टकराए चार ट्रक हेल्पर की मौत, दो घायल

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार : असम हाईवे पर चार ट्रकों की टक्कर हो गई। धर्मकांटे से बैक किए जा रहे ट्रक के दौरान पीछे से आ रहे तीन अन्य ट्रक भी टकरा गए। हादसे में हाईवे पर खड़ा एक ट्रक का हेल्पर चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। सभी ट्रक क्षतिग्रस्त हो गए। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसा मंगलवार सुबह करीब छह बजे के आसपास हुआ। असम हाईवे पर ग्राम गढ़ा पचपेड़ा के पास एक ट्रक धर्मकांटे से वजन कराकर बैक किया जा रहा था। इस बीच पीछे से आ रहे तीन ट्रक भी आपस में टकरा गए। इस दौरान एक ट्रक को हेल्पर जोकि सड़क पर खड़ा था, गजरौला कलां निवासी 40 वर्षीय सोहनपाल पुत्र तोताराम चपेट में आकर गंभीर रुप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर गजरौला पुलिस मौके पर पहुंची। आनन-फानन में घायल को एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज भिजवाया गया। वहां उसकी मौत हो गई।सूचना मिलने पर परिवार वाले भी पहुंच गए। उनका रोकर बुरा हाल रहा। जबकि हादसे में सोनू और राजेंद्र दो युवक घायल हुए। उनका अस्पताल में भर्ती कर इलाज शुरू कराया गया। बताते हैं कि मृतक भूसे की गाड़ी भरवाने के लिए घर से सुबह करीब चार बजे निकला था। परिवार वालों का रोकर बुरा हाल रहा। एसओ गजरौला ब्रजवीर सिंह ने बताया कि हाईवे पर चार ट्रकों की टककर हो गई थी। इसमें एक युवक की मौत हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक किसी एक ट्रक का हेल्पर था और सड़क पर खड़ा था। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

विलाप करते मृतक के परिजन।

- **थाना गजरौला क्षेत्र का मामला, शव पोस्टमार्टम को भेजा**

मायका पक्ष के लोगों को बुलाकर पति को पिटवाया

पीलीभीत, अमृत विचार : अमरिया थाना क्षेत्र के ग्राम मुडलिया गौसू निवासी साजिद खान पुत्र आशिक ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी शादी एक वर्ष पूर्व उधम सिंह नगर के थाना सितारगंज क्षेत्र के ग्राम सितारगंज पंडरी निवासी सायवा पुत्री आसिफ से हुई थी। आरोप है कि दो मार्च को उसकी और उसकी पत्नी के बीच कहासुनी हो गई। जिस पर उसकी पत्नी ने अपने मायके में फोन कर दिया। तभी वहां से उसकी पत्नी के भाई नाजिम, सोहेल, साहिल, आसिफ, दानिश और चार अज्ञात लोग उसके घर पर शाम चार बजे घुस आए। आरोपियों ने उसके और उसके माता-पिता के साथ मारपीट की। जिससे सभी लोग घायल हो गए। किसी तरह पड़ोस के लोगों ने किसी तरह उसके परिवार को बचाया। इसके बाद आरोपी उसकी पत्नी को लेकर चले गए। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी।

युवक ने आत्महत्या का किया प्रयास

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुनारा में एक युवक ने किसी बात से नाराज होकर कमरे में कुंडे से रस्सी का फंदा गले में डालकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिवार वालों ने उसे तुरंत उतार लिया और बेहोशी की हालत में जलालाबाद सीएचसी पर ले गए। डॉक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया। उसकी हालत ठीक बतायाी जाती है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खीरी के जंगल में मिला छात्रा का शव, हत्या का संदेह

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: जिले में बढ़ते जघन्य अपराधों ने लोगों को दहला दिया है। सदर कोतवाली क्षेत्र से गायब 16 वर्षीय छात्रा का शव जंगल में सातवें दिन बरामद होने से सनसनी फैल गई। मौके पर मौजूद परिस्थितजन्य साक्ष्य हत्या कर शव जंगल में डाले जाने की ओर इशारा कर रहे हैं। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल की घेराबंदी कर वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद भी सदर कोतवाली पुलिस लापरवाह रही। उसकी तलाश में कोई रुचि नहीं ली। दुष्कर्म की भी आशंका जताई जा रही है।

मृतका छात्रा मूल रूप से लहरपुर की रहने वाली थी और कक्षा 11 की छात्रा थी। वह शहर की कनौजिया कॉलोनी में रहकर पढ़ाई कर रही थी। परिजनों के अनुसार वह पढ़ाई में अच्छी थी और किसी प्रकार की परेशानी की जानकारी उन्हें नहीं थी। 24 फरवरी की शाम से वह रहस्यमय ढंग से लापता हो गई थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग न मिलने पर पुलिस को सूचना दी थी। गुमशुदगी दर्ज होने के बाद पुलिस ने खोजबीन में कोई रुचि नहीं ली। मंगलवार को गांव के बाहर जंगल में उसका शव मिलने की सूचना पर हड़कंप मच गया। सूचना पाकर पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है मामला प्रथम दृष्टया आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन हत्या से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। पुलिस दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्थिति स्पष्ट होने की बात पुलिस कह रही है। अपराध निरीक्षक दिनेश शर्मा ने बताया कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है और परिजनों से भी जानकारी ली जा रही है।

परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का लगाया आरोप

छात्रा के परिजनों ने पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि 25 फरवरी को गुमशुदगी की सूचना देने के बावजूद शुरुआत में गंभीरता से तलाश नहीं की गई। यदि समय रहते प्रभावी ढंग से खोजबीन की जाती तो शायद किशोरी को सुरक्षित बरामद किया जा सकता था। परिवार के लोगों ने मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

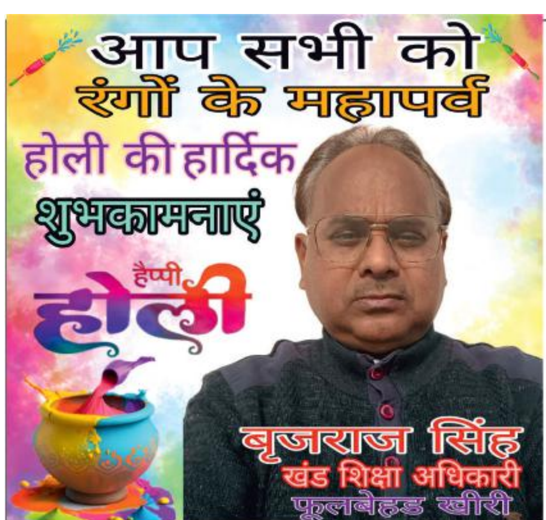

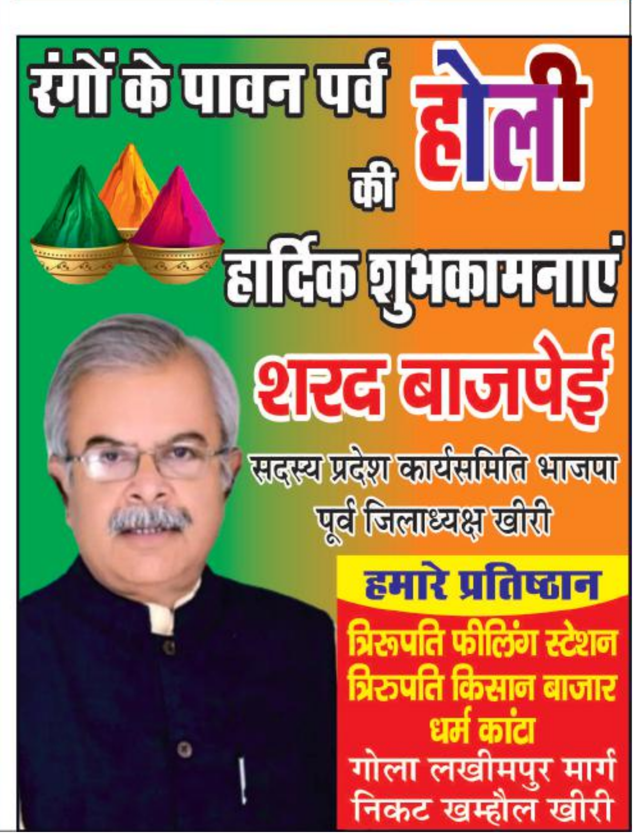

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

दरवेश बस सर्विस
प्रो. उमेन्द्र सिंह (सत्ता)
गुरपाल सिंह
हमारे यहाँ शादी पार्टी के लिये डीलक्स बसें उपलब्ध हैं।
निवास रकेहटी फार्म, बमनगर अफिस नियर बस स्टैण्ड, पलिया खीरी

प्रस्तुति
मो. वसीम
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें।
मो. 99190 97957

समस्त किसान भाईयों को होले मोहल्ले व होली पर्व की हार्दिक शुभकामनायें
किसान सहकारी चीनी मिल
संपूर्णानगर (खीरी)
कृषक भाइयों से अपील है निम्नलिखित अस्वीकृत एंव अवांछित गन्ना PB-95, CO-86032, CO-8005, PB- 93, COPK-05191, COS-91269 प्रजातियों की बुवाई कदापि न करें और अपनी चीनी मिल को साफ सुथरा, जड़, पत्ती अगौला रहित रोग मुक्त गन्ना ही पूर्ति करें।
कृपया नवीन किस्मों की ही बुवाई करें।

शादाब असलम
प्रधान प्रबंधक

उदयभान सिंह
मुख्य गन्ना अधिकारी

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई
सन्धू बस सर्विस
आफिस, नियर बस स्टैंड पलिया कलां।

हमारे यहां शादी व पार्टी के लिए डीलक्स बसे उपलब्ध है।

प्रो. बलराज सिंह उर्फ रिन्कू सन्धू
दमनप्रीत सिंह सन्धू
ऑफिस- मो. 9532100067
निवास : मंसूरी फार्म महंगापुर

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अविनाश कुमार
उपजिलाधिकारी
ज्योति वर्मा
तहसीलदार
अनिल कुमार वर्मा
लेखपाल तहसील पलिया कलां-खीरी
प्रिय किसानों आपसे अनुरोध है कि सरकारी व अन्य कृषि लाभ लेने हेतु अपनी फार्मर आईडी जल्द बनवा लें।

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई,

बृज मौर्या
प्रदेश अध्यक्ष/
संगठन प्रभारी किसान कांग्रेस उत्तर प्रदेश
निवास:- गोविन्द नगर कॉलोनी
137-विधानसभा पलिया

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
चंडीगढ़ मिष्ठान भंडार
पलिया संपूर्णानगर रोड, गुरुद्वारा नानक पियाऊं के सामने, महंगापुर खीरी।

हमारे यहां शुद्ध मिठाइयां, खोया, पनीर, दही, बूंदी आदि उचित मूल्य पर उपलब्ध है व शादी पार्टी, इंगेजमेंट, बर्थडे के लिए होटल बुक किया जाता है और कैटर्स की सुविधा उपलब्ध है।
एक बार सेवा का मौका अवश्य दें, ताकि हम आपके विश्वास को जीत सकें।
प्रो. छयलू जयसवाल
मो. 8957874219, 9565615050

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

विनय कुमार
रेंजर

शिव बाबू सरोज
डिप्टी रेंजर

राकेश कुमार पटेल
फारेस्टर वन चौकी परसपुर
आये हम सब वनों के साथ वन्य जीवों की रक्षा करें।

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले पर्व व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. अवनीश कुमार
उपजिलाधिकारी, पलिया
ज्योति वर्मा
तहसीलदार पलिया
कपिल वर्मा
लेखपाल, तहसील पलिया कलां खीरी
सभी किसानों से अनुरोध है कि वह अपनी फार्मर आईडी जल्द बनवा लें एवं अपने खेतों की पराली व गन्ने की पताई को न जलाकर उसकी खाद बनाकर शुद्ध पर्यावरण बनाये रखने में सहयोग करें।

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

दलवीर सिंह सहोता
निवास : थापड़ फार्म रोड ग्राम गदनिया

आप सभी क्षेत्रवासियों को रंगों के पावन पर्व होली की हार्दिक शुभकामनाएं
कलिंगा फाइनेन्शियल सर्विस
किसान पेट्रोल पंप के सामने संपूर्णानगर रोड पलिया कलां खीरी।
पर्सनल लोन, टू व्हीलर लोन, ओल्ड कार लोन सुविधा उपलब्ध है।
सतवंत सिंह मान

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

महेश प्रधान
नि. ब्लॉक प्रमुख
ग्राम पंचायत पलिया देहात
ब्लॉक पलिया कलां खीरी

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई।

लक्ष्मी स्वीट्स एंव पंकज कैटर्स
महंगापुर खीरी।
हमारे यहां शुद्ध मिठाइयां, खोया, पनीर उचित मूल्य पर उपलब्ध है।
शादी व पार्टी के लिए कुशल कारीगर हर समय उपलब्ध है।
प्रो. पंकज कुमार

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

बिंदर सिंह
प्रधान प्रतिनिधि,
क्षेत्र प.सदस्य
ग्राम पंचायत, विचित्रनगर सेमरी खीरी

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

न्यू सतनाम हैंडलिंग लागीवेज प्राइवेट लि.
धालीवाल फीलिंग स्टेशन
धालीवाल सोबती शुगर कैमिकल इंडस्ट्रीज
सम्पूर्णानगर रोड पलिया कलां खीरी
हरप्रीत सिंह (हैप्पी) धालीवाल

सभी जिले वासियों को होली व होले महल्ले पर्व की हार्दिक शुभकामनाए

कमलदीप सिंह
सदस्य जिला पंचायत प्रथम लखीमपुर

रामसरन
पूर्व विधायक
श्रीराम फीलिंग स्टेशन
महंगापुर खीरी।

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई।

एवन हॉस्पिटल
हमारे यहां नॉर्मल डिलीवरी के साथ सभी प्रकार के ऑपरेशन की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध है।
जमील अहमद उर्फ पप्पू
डायरेक्टर/ प्रधान दौलतपुर, खीरी
तहसीलदार आवास के सामने, निघासन रोड पलिय कला, जिला लखीमपुर खीरी

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

योगेंद्र फार्मा
सुमेरनगर मार्ग, बमनगर चौराहा खीरी
अंग्रेजी व देशी दवाओं के थोक विक्रेता
प्रो. योगेंद्र शर्मा, बजरंगी शर्मा

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले व होली की हार्दिक शुभकामनाएं

अरुण मौर्या
नि. चेयरमैन गन्ना विकास परिषद पलिया कला खीरी
पूर्व सदस्य जिला पंचायत
जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी लखीमपुर खीरी
नि. बड़ागांव, पलिया कलां, खीरी

समस्त क्षेत्रवासियों को होली व होला महल्ला, रमजान, ईद की हार्दिक शुभकानाए।
खीरी-पीलीभीत उप निवेशन सहकारी संघ लि.
संपूर्णानगर खीरी।

वीरेन्द्र कुमार शुक्ला
ब्लॉक प्रमुख
पलिया कलां खीरी।

धीरेन्द्र शुक्ला
अध्यक्ष

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई।

जितेन्द्र सिंह उर्फ़ लाडा
ग्राम प्रधान
निवास हरीनगर गदनिया
ग्राम गदनिया, ब्लॉक पलिया कलां, जिला लखीमपुर खीरी

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई
आर्थो केयर क्लीनिक
आर्थोकेयर मेडिकल
डॉ.के.के वर्मा
MBBS (DNB)
orthopedic surgeon
मैनेजिंग डायरेक्टर
अनीता मौर्या
फार्मासिस्ट
पता:- संपूर्णानगर रोड पेट्रोल पंप के सामने महंगापुर खीरी

सभी क्षेत्र वासियों को होली व होले महल्ले पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

हिमांशु वर्मा
लेखपाल
तहसील पलिया कलाँ
प्रिय किसानों आपसे अनुरोध है कि सरकारी व अन्य कृषि लाभ लेने हेतु अपनी फार्मर आईडी जल्द बनवा ले।

सभी क्षेत्रवासियों को होले महल्ले गुरमत समागम व होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं

अग्रवाल फ्रटीलाइजर्स
संपूर्णानगर रोड पलिया कलां।
प्रो. मनीष अग्रवाल

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

गुरदीप सिंह मांगट
प्रधान, बमनगर
ब्लॉक पलिया कलां खीरी।
निवास : पंजाबघाट बमनगर

सभी क्षेत्रवासियों को होला महल्ला गुरमत समागम व होली पर्व की ढेर सारी बधाई

गुरमीत सिंह
ग्राम प्रधान महंगापुर
खालसा ब्रिक फील्ड
महंगापुर पलिया कलां खीरी

सड़क हादसों में बच्ची समेत 5 की हुई मौत

बांगरमऊ कोतवाली अंतर्गत लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार लोडर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। इसमें लोडर चालक व 3 वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। वहीं पुरवा व सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में हादसों में 1 किशोर व 3 युवकों की जान गई।

संवाददाता, बांगरमऊ

अमृत विचार: अचलगंज थानाक्षेत्र के सत्तूखेड़ा गांव निवासी अशोक उर्फ मुरारी (32) पुत्र सुरेश कुमार फरीदाबाद में लोडर किराए पर चलाता था। रविवार रात वहीं पर मजदूरी करने वाले औरास थानाक्षेत्र के अरसेना गांव निवासी मोनू पुत्र कृष्णपाल, उसकी पत्नी प्रतिभा (25), बड़ी बेटी वैष्णवी, (8) व छोटी बेटी दीक्षा (3) सहित औरास के गोबरा गांव के अन्य लोग लोडर से होली मनाने गांव लौट रहे थे। मंगलवार सुबह आगरा एक्सप्रेस-वे पर गहर पुरवा गांव के पास चालक को झपकी आने से लोडर डिवाइडर पर चढ़कर रेलिंग तोड़ते हुए उसके बीच में फंस गया। इसमें चालक अशोक व दीक्षा की मौत हो गई। सूचना पर यूपीडा की रेस्क्यू टीम व पुलिस पहुंची। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया। पति की मौत से पत्नी अंकिता देवी व अन्य परिजन बेहाल हैं। कोतवाल अखिलेश चंद पांडेय ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण किया गया है। घायलों का उपचार चल रहा है। हादसे में औरास थानाक्षेत्र के अरसेना गांव निवासी मोनू (27) पुत्र कृष्णपाल, मोनू की बेटी वैष्णवी (8), मोनू की पत्नी बिट्टो उर्फ प्रतिभा (30) सहित औरास थानाक्षेत्र के गोबरा गांव निवासी रोहित (24) पुत्र रामसिंह, मुंशीलाल (50), सोनू (14) पुत्र शिशुपाल व अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मीतखेड़ा निवासी भूपेंद्र (24) पुत्र मुनेश्वर घायल हुए हैं।

हादसे के बाद क्षतिग्रस्त लोडर पिकअप।

दो बाईकों की टक्कर में एक युवक की मौत

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र के नयाखेड़ा परेन्दा गांव निवासी नरेंद्र सिंह (44) पुत्र जवाहर मंगलवार को बाइक से अजगैन कोतवाली क्षेत्र के भौली गांव गया था। लौटते समय अजगैन – मुंशीगंज मार्ग पर निवाजखेड़ा गांव के सामने दूसरी बाइक ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें नरेंद्र सहित दूसरी बाइक सवार अजगैन कोतवाली क्षेत्र के आगा खेड़ा गांव निवासी गोलू व विनय से गंभीर घायल हो गए। लोगों ने उन्हें मियागंज सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने नरेंद्र को मृत घोषित कर दिया वही दोनों घायलों का सीएचसी में जारी है।

ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

उन्नाव। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के सैदपुर गांव निवासी अजीत (22) पुत्र जगदीश सोमवार रात चचेरे भाई विकास (23) के साथ पुरवा कस्बा जा रहा था। तभी कोतवाली क्षेत्र के सोहरामऊ–पुरवा मार्ग पर जाफर खेड़ा गांव के सामने ट्रैक्टर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों भाई गंभीर घायल हो गए। लोगों ने उन्हें सीएचसी पहुंचाया। जहां से उन्हें जिला अस्पताल फिर लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। जहां जाते समय अजीत की मौत हो गई। वहीं विकास का इलाज चल रहा है।

गंगा स्नान कर लौट रहे युवक को वाहन ने मारी टक्कर, मौत

उन्नाव, अमृत विचार। माखी थाना व गांव के बलारदेव निवासी उमाशंकर (27) पुत्र अशोक मुंबई से होली मनाने बीती 24 फरवरी को घर लौटा था। पत्नी के मुताबिक ससुराल से सोमवार शाम वह गंगा स्नान करने जाने की बात कहकर निकले थे। घर नहीं लौटे। तलाश की गई तो मंगलवार भोरपहर करीब 3 बजे पता चला कि सफीपुर कोतवाली अंतर्गत बिठूर–परियर मार्ग पर देवीपुरवा गांव के पास वाहन की टक्कर से उनकी मौत हुई है। बड़े भाई धर्मपाल ने यह जानकारी दी।

सड़क हादसे में घायल किशोर की हुई मौत

उन्नाव। बिहार थाना क्षेत्र के गांव ममरेजपुर निवासी कृष्ण कुमार का बेटा रौनक (16) लोडर की टक्कर से गंभीर घायल हो गया था। डॉक्टर ने उसे सीएचसी से जिला अस्पताल भेजा था। जहां से परिजन उसे कानपुर के एक निजी अस्पताल ले गए। हालत अधिक बिगड़ी तो परिजन उसे पीजीआई ले जा रहे थे। तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई।

निराश्रित छात्रों को बांटे स्टेशनरी व फल

उन्नाव। शिक्षक प्रवीण कुमार की पुत्री प्रकृति शर्मा ने हुसैन नगर में निराश्रित बच्चों के लिए चलाए जाने वाले गुरुजी क्लासेस में पढ़ने वाले बच्चों को पोस्टर, कलर्स, ब्रश व फलों का वितरण किया। उन्होंने यह कार्य अपने जन्मदिन पर किया। एलएलबी की छात्रा प्रकृति शर्मा ने बाल अधिकार व महिला अधिकार की जानकारी देते हुए कहा कि छोटे व निराश्रित बच्चों को शिक्षा देने बहुत अच्छा कार्य है। शिक्षक ने कहा कि निराश्रित बच्चों को शिक्षा देना हर किसी के लिए संभव नहीं है। शिक्षा के द्वारा ही संस्कारों को बदलना संभव है। गुरुजी क्लासेस के अजय शंकर ने आभार जताया।

लक्ष्य से अधिक धान खरीद, किसानों को 14,886 करोड़ रुपए का भुगतान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **10.53 लाख किसानों से हुई 62.30 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद**

अमृत विचार: खरीफ क्रय सत्र 2025-26 में राज्य सरकार ने धान खरीद का लक्ष्य पार करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। इस वर्ष 60 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 62.30 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद की गई। इसके एवज में 10.53 लाख किसानों को 14,886.35 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। प्रदेश में धान खरीद की प्रक्रिया 28 फरवरी को पूरी हो गई।

प्रदेश के 4869 क्रय केंद्रों के माध्यम से किसानों से धान खरीदा गया। कॉमन धान 2369 रुपये और ग्रेड-ए धान 2389 रुपये प्रति कुंतल की दर से खरीदा गया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर किसानों को 48 घंटे के भीतर डीबीटी के माध्यम से उनके बैंक खातों में भुगतान सुनिश्चित किया गया, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और किसानों को समय पर धनराशि प्राप्त हुई।

धान बिक्री के लिए 12,82,892 किसानों ने पंजीकरण कराया था। खाद्य एवं रसद विभाग के अनुसार ओटीपी आधारित सिंगल रजिस्ट्रेशन व्यवस्था लागू की गई, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और कुछ जिलों में 31 जनवरी तक, जबकि अन्य संभागों में 28 फरवरी तक खरीद जारी रही। पिछले वर्ष 2024-25 में 57.70 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई थी और 13,370.17 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। इस बार न केवल खरीद की मात्रा बढ़ी, बल्कि भुगतान का आंकड़ा भी अधिक रहा। सरकार का दावा है कि पारदर्शी खरीद व्यवस्था और समयबद्ध भुगतान से किसानों को सीधा लाभ मिला है तथा कृषि आय को स्थिरता मिली है।

मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में यूपी बनेगा 'हरित प्रदेश'

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- **गांवों में लग रही ग्रीन चौपाल, 15 हजार से अधिक गांवों में आयोजन**

अमृत विचार। उप्र. को 'सर्वोत्तम प्रदेश' बनाने के साथ-साथ 'हरित प्रदेश' के रूप में स्थापित करने की दिशा में योगी सरकार लगातार प्रयासरत है। वर्ष 2017 से अब तक प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं। भारतीय वन स्थिति रिपोर्ट-2023 के अनुसार राज्य के वनाच्छादन में 559.19 वर्ग किमी की वृद्धि दर्ज की गई है।

पिछले वर्ष 9 जुलाई को एक ही दिन में 37.21 करोड़ पौधे लगाकर प्रदेश ने रिकॉर्ड बनाया था। वहीं, हाल ही में वाराणसी के सुजाबाद डोमरी क्षेत्र में आयोजित वृहद पौधरोपण कार्यक्रम में मात्र एक घंटे में 2,51,446 पौधे रोपे गए, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से प्रमाणित किया गया। इस उपलब्धि ने चीन के 8 वर्ष पुराने रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। योगी सरकार ने 1 से 7 जुलाई 2025 के बीच जन्मे 18,348 बच्चों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट और उनके अभिभावकों को लकड़ी, फल व सहजन आदि प्रजातियों के पौधे भी प्रदान किए। एक पेड़ मां के नाम अभियान में सराहनीय कार्य को लेकर पीएम मोदी ने भी बधाई दी थी। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2030 तक प्रदेश के हरित आवरण को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा है। इसी क्रम मंए गांवों में 'ग्रीन चौपाल' के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है।

मन में कृष्ण को बसाकर, उनके भक्त बनकर और निरस्वार्थ कर्म (पूजा) करके ही व्यक्ति आनंद और प्रेम के रंग से भर सकता है, जो होली के वास्तविक संदेश "आंतरिक शुद्धता और प्रेम" के अनुकूल है। - श्रीमद् भागवत गीता

जंग का बढ़ता दायरा

पश्चिम एशिया बारूद के ढेर पर है। इज़राइल द्वारा ईरान के सैन्य और परमाणु प्रतिष्ठानों पर व्यापक बमबारी के जवाब में ईरान की बहुस्तरीय प्रतिघात रणनीति ने संघर्ष को सीमित झड़प से क्षेत्रीय युद्ध की दिशा में धकेल दिया है। अब यह टकराव केवल दो देशों के बीच नहीं, बल्कि व्यापक त्रासदी का कारण बनता लग रहा है। दोनों पक्ष अपने-अपने नैरेटिव में आत्मरक्षा और निवारण का हवाला दे रहे हैं, किंतु परिणामस्वरूप युद्ध की परिधि बढ़ती जा रही है। यह ठीक है कि यह युद्ध किंचित लंबा चले पर रूस यूक्रेन की तरह वर्षों तक नहीं चलेगा क्योंकि ईरान की परमाणु क्षमता और उसका क्षेत्रीय प्रॉक्सी नेटवर्क-हिज्बुल्लाह, हमास, हूती पहले जितने मजबूत नहीं है पर ईरान ने तीन-चरणीय जवाबी योजना के तहत सीधे हमलों के साथ-साथ क्षेत्रीय मोर्चों को भी सक्रिय करने की जो रणनीति बनाई है वह इस बहाने के साथ कि वह 'आक्रामकता का जवाब' दे रहा है, युद्ध को व्यापक बनाएगी। उसका दावा है कि अमेरिकी ठिकाने उसके वैध लक्ष्य हैं। खाड़ी देशों की स्थिति सबसे जटिल है। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश ईरान के प्रभाव से चिंतित हैं, पर वे खुलकर युद्ध में कूदने से बचना चाहते हैं। खाड़ी सहयोग परिषद के सदस्य ऊर्जा अवसंरचना और समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं। यदि संघर्ष फारस की खाड़ी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य तक फैलता है, तो वैश्विक तेल आपूर्ति पर तात्कालिक असर पड़ेगा। खाड़ी में काम करने वाले लाखों भारतीयों की सुरक्षा और प्रेषण या रिमिटेंस भी दांव पर हैं। किसी एक पक्ष की खुली हिमायत दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती है इसलिए सभी पक्षों से संयम और संवाद की अपील करके कूटनीतिक रूप से भारत संतुलन की नीति पर चल रहा है। यह रुख इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि भारत के इजराइल, ईरान और अरब देशों-तीनों से रणनीतिक संबंध हैं।

रक्षा-सुरक्षा के स्तर पर यह युद्ध ड्रोन, मिसाइल और साइबर क्षमताओं के नए आयाम दिखा रहा है। बहुस्तरीय वायु-रक्षा प्रणालियां, सटीक-मारक मिसाइलें और समुद्री नाकेबंदी की संभावनाएं भविष्य के युद्धों की झलक देती हैं। अमेरिका की नौसैनिक मौजूदगी और इजराइल की इंटेलिजेंस-ड्रिवन स्ट्राइक क्षमता एक ओर है, दूसरी ओर ईरान की असममित रणनीति-प्रॉक्सी नेटवर्क और मिसाइल भंडार है। यदि लेबनान, इराक या यमन के मोर्चे पूरी तरह सक्रिय हुए, तो संघर्ष का दायरा और बढ़ेगा। इस बात की चर्चा जायज है कि यह 'नए विश्व-क्रम' की आहट है। संभव है कि यह टकराव क्षेत्रीय गठबंधनों को पुनर्परिभाषित करे-इजराइल और कुछ अरब देशों के बीच सामरिक समीकरण मजबूत हों, जबकि ईरान-रूस-चीन समीपता बढ़े। युद्ध की अवधि, जनमत, आर्थिक लागत और कूटनीतिक हस्तक्षेप-ये सभी कारक भविष्य में इसकी दिशा तय करेंगे। यह संघर्ष जितना सैन्य है, उतना ही मनोवैज्ञानिक और आर्थिक भी। बाजारों की घबराहट, तेल की कीमतें, शरणार्थी संकट और साइबर हमलों का जोखिम-सब मिलकर इसे वैश्विक चिंता का सबब बना रहे हैं। विश्व समुदाय के लिए चुनौती यह है कि वे संतुलित कूटनीति, ऊर्जा-विविधीकरण और नागरिक सुरक्षा की ठोस तैयारी के साथ आगे बढ़ें। क्योंकि इतिहास गवाह है युद्ध की आग सीमाओं में नहीं सिमटती।

प्रसंगवश

समाज हित में जरूरी है त्योहारों पर आत्ममंथन

भारत को उत्सवों की भूमि कहा जाता है। यहां प्रत्येक पर्व केवल आनंद का अवसर नहीं, बल्कि आध्यात्मिक संदेश का वाहक भी है। किंतु विडंबना यह है कि समय के साथ अनेक त्योहारों का स्वरूप अपने मूल उद्देश्यों से भटकता हुआ दिखाई दे रहा है। आज आवश्यकता है कि हम परंपरा और पाखंड के बीच स्पष्ट भेद करें, और स्वयं से प्रश्न पूछें—क्या हम वास्तव में धर्म का पालन कर रहे हैं या केवल सामाजिक दबाव में प्रवाहित हो रहे हैं? आज अनेक लोग यह स्वीकार करते हैं कि वे कुछ परंपराओं में केवल इसलिए भाग लेते हैं क्योंकि परिवार या समाज ऐसा करता है। "लोग क्या कहेंगे" का भय उन्हें विवश कर देता है। धर्म का आधार विवेक है, भीड़ का अनुसरण नहीं। यदि किसी आचरण में नैतिकता, मर्यादा और आत्मसम्मान का ह्रास हो रहा हो, तो उस पर पुनर्विचार आवश्यक है। साहसपूर्वक सही को स्वीकार करना और गलत का त्याग करना ही सच्ची धार्मिकता का संकेत है।

संतोष तिवारी
लेखक

प्रख्यात आध्यात्मिक चिंतक ओशो ने अपने प्रवचनों में कहा था कि उत्सव का अर्थ है चेतना का विस्तार, न कि अचेतनता में डूब जाना। उनके अनुसार, "उत्सव वह है जो आपको अधिक सजग बनाए; यदि वह आपको बेहोश और उन्मादी बना दे, तो वह धर्म नहीं, भीड़ का उन्माद है।" यह विचार हमें याद दिलाता है कि आध्यात्मिकता का सार आंतरिक जागृति है, बाहरी प्रदर्शन नहीं। सामाजिक और धार्मिक सुधार की दिशा में आर्य समाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके संस्थापक स्वामी दयानंद सरस्वती ने वेदों की ओर लौटने और अंधविश्वासों का त्याग करने का आह्वान किया। उनका स्पष्ट मत था कि धर्म का अर्थ है सत्य, संयम और समाजहित; किसी भी प्रकार का पाखंड या अनैतिक आचरण धर्म नहीं हो सकता। यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना उस समय था। यदि किसी परंपरा में विवेक का स्थान अंधानुकरण ले ले, तो सुधार की आवश्यकता स्वाभाविक हो जाती है। धर्म केवल अनुष्ठानों का समूह नहीं है। यह आचरण की शुद्धता, विचारों की पवित्रता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का नाम है। यदि त्योहार हमें हिंसा, अपमान, पर्यावरण क्षति या अतिरेक की ओर ले जाएं, तो हमें ठहरकर आत्ममंथन करना चाहिए। त्योहारों का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, तोड़ना नहीं। वे आनंद और सौहार्द का संदेश देते हैं, भय और असुविधा का नहीं।

समाधान स्पष्ट है—उत्सव का पुनरुत्थान। प्राकृतिक और सुरक्षित रंगों का प्रयोग करें। किसी की अनुमति के बिना रंग न लगाएं। नशा और अश्लीलता से दूरी रखें। होलिका दहन के समय अपने आंतरिक विकारों का प्रतीकात्मक त्याग करें। महाशिवरात्रि पर ध्यान, उपवास और आत्मसंयम का अभ्यास करें। यदि संभव हो तो इन त्योहारों में मांसाहार न करने का भी संकल्प लें, ताकि जीव हत्या से भी दूर रह सकें और करुणा की भावना विकसित हो। यह विरोध का नहीं, सुधार का मार्ग है। हमें त्योहारों का बहिष्कार नहीं करना, बल्कि उन्हें उनके मूल स्वरूप में पुनर्स्थापित करना है। धर्म का सार आत्मशुद्धि और समाजहित है। यदि हम त्योहारों को केवल बाहरी प्रदर्शन का माध्यम बना दें, तो उनका आध्यात्मिक महत्व समाप्त हो जाता है। आइए, हम यह संकल्प लें कि उत्सवों को उन्माद नहीं, उत्साह का माध्यम बनाएंगे; पाखंड नहीं, प्रामाणिकता अपनाएंगे; और बाह्य रंगों से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का प्रयास करेंगे। यही सच्ची श्रद्धा है। यही सच्चा धर्म है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

होली : जीवन और नव सृजन का मदनोत्सव

डॉ. विवेकानंद तिवारी
प्रोफेसर, शिमला

प्रारंभ में उत्सवों और पर्वों का आरंभ अत्यंत लघु बिंदु से होता है, जिसमें निरंतर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएं इनके विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं।

होली वास्तव में एक वैदिक यज्ञ है, जिसका मूल स्वरूप आज विस्मृत हो गया है। वैदिक काल में इस पर्व को 'नवान्नेष्टि' कहा गया है। इस दिन खेत के अधपके अन्न का हवन कर प्रसाद बांटने का विधान है। इस अन्न को होला कहा जाता है, इसलिए इसे होलिकोत्सव के रूप में मनाया जाता था।

इस पर्व को नवसंवत्सर का आगमन तथा वसंतागम के उपलक्ष्य में किया हुआ यज्ञ भी माना जाता है। कुछ लोग इस पर्व को अग्निदेव का पूजन मात्र मानते हैं। मनु का जन्म भी इसी दिन का माना जाता है। अतः इसे मन्वादितिथि भी कहा जाता है। पुराणों के अनुसार भगवान शंकर ने अपनी क्रोधाग्नि से कामदेव को भस्म कर दिया था, तभी से यह त्योहार मनाने का प्रचलन हुआ। हमारी संस्कृति मे 'होली' का उत्सव तामसिक वृत्तियों के मुखर होने हेतु नियत किया गया है। इस दिन हमारी मर्यादित प्रकृति भी उन्मुक्त हो जाती है। आमोद-प्रमोद निर्बंध हो जाते हैं। उत्सव की इस सम्मोहनी शक्ति को हमारे द्रष्टा महर्षियों ने समझा था। उन्होंने यज्ञों में वसंत को आज्य कहकर घोषित किया था- यत्पुरुषेण हविषा देवा यज्ञमतन्वत। वसन्तो अस्यासीदाज्यं ग्रीष्मः इध्मः शरद्धवि॥

होलिकोत्सव का वर्णन भविष्योत्तर पुराण में इस प्रकार से किया गया है "राजन्! शीतकाल का अंत है। इस फाल्गुनी पूर्णिमा के पश्चात् प्रातः मुधमास होगा। सभी को आप अभय दीजिए। सभी रंग-बिरंगे वस्त्र पहनकर चंदन, अबीर और गुलाल लगाकर पान चबाते हुए एक-दूसरे पर रंग डालने के लिए पिचकारियां लेकर निकलें, जिनके मन में जो आए सो कहें। ऐसे शब्दों से तथा हवन करने से वह पापिनी (होलिका) नष्ट हो जाती है।" होली या वसंतोत्सव का जो वर्तमान स्वरूप दिखाई पड़ता है वह हजारों वर्ष भारतवर्ष के पूर्व भाग में, जो अनेक प्रकार की उद्यान-क्रीड़ाएं प्राचीनकाल में प्रचलित थी, वे इसी होली पर्व का ही एक अंग थीं।

पाणिनि का 'प्राचांक्रीणायां (6,2,72) सूत्र इनका परिचायक है। 'वात्स्यायन ने उन्हें देश परंपरागत क्रीड़ाएं कहा है। श्रीमद्भागवत (10-75-14.15) में वर्णन इस प्रकार मिलता है-"गंध, माला, भूषण तथा वस्त्रों से अलंकृत पुरुष और स्त्रियां नदी में अवभृथ स्नान करने के लिए गईं। वहां युवतियां तेल, गोरस, सुगंधित जल, हल्दी और कुंकुम आदि से एक-दूसरे को रंगने लगी। घत्तियी (चर्मयंत्र) से अपने देवरों और प्रियजनों को भिगो रही थीं।" ये घत्तियां ही आधुनिक पिचकारियों की आदिरूप थीं। महाकवि माघ (750 ई.) ने पिचकारी का वर्णन किया है। तप्त स्वर्ण के समान उज्ज्वल केसरिया रंग का विशाल स्नानाच्छादन, वस्त्र प्रक्षालन तथा प्रियजनों का सान्निध्य नारियों के जल क्रीड़ा के साधन थे।

प्रारंभ में उत्सवों और पर्वों का आरंभ अत्यंत लघु बिंदु से होता है, जिसमें निरंतर विकास होता रहता है। सामाजिक आवश्यकताएं इनके विकास में विशेष भूमिका निभाती हैं। यही कारण है कि होली जो मूलतः एक वैदिक सोमयज्ञ के अनुष्ठान से प्रारंभ हुआ, आगे चलकर परम भागवत प्रहलाद और उनकी बुआ होलिका के आख्यान से भी जुड़ गया। गवामयन के अंतर्गत महाव्रत के इस परिवर्धित और उपबृंहित पर्व-संस्करण में 'नवशस्येष्टि (नई फसल के अनाज का सेवन करने के लिए किया गया अनुष्ठान) तथा मदनोत्सव अथवा वसंतोत्सव का समावेश भी इसी क्रम में आगे हो गया। वसंत ऋतु के आगमन के स्वागत उत्सव के कारण होली वसंतोत्सव के रूप में मनाई जाती है। मदनोत्सव के पीछे यह रहस्य है कि मानव जीवन में धर्म, अर्थ और मोक्ष के साथ काम भी एक पुरुषार्थ के रूप में प्रतिष्ठित है।

'कामस्तदाग्रे संवर्तताधि' कहकर वेदों ने सृष्टि के आदिम स्पंदन में भी काम अर्थात् सृजनात्मक इच्छा की अनिवार्यता को स्वीकार किया है। नृत्य, संगीत, चित्र, काव्य, हास-परिहास, व्यंग्य-विनोद और जीवन का समूचा उल्लास इसी तृतीय पुरुषार्थ की विविध अभिव्यक्तियां हैं। मानव-जीवन केवल तप और त्याग का नाम नहीं, उसमें रस, रंग और राग का संतुलित समावेश भी उतना ही आवश्यक है। जैसा कि भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं- हे अर्जुन! प्राणियों में जो धर्मानुकूल कामभाव है, वही मैं हूं। यहां काम का आशय उच्छृंखल भोग नहीं, बल्कि मर्यादित, सृजनशील और जीवनोन्मुख प्रवृत्ति से है, जो समाज को ऊर्जा और सौहार्द प्रदान करती है।

पुराणों में वर्णित है कि फाल्गुन कृष्णाष्टमी को शिव ने अपने तृतीय नेत्र की ज्वाला से कामदेव का दहन किया। किंतु रति की करुण प्रार्थना पर उन्होंने धुलैंडी के दिन कामदेव के प्रद्युम्न रूप में पुनर्जन्म का वर प्रदान किया। यह प्रसंग दमन नहीं, बल्कि शुद्धिकरण और पुनर्स्थापन का प्रतीक है। इसी कारण होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि संयमित कामना, पुनरुत्थान और जीवन के नव-सृजन का 'मदनोत्सव' भी है, जहां आनंद धर्म की मर्यादा में रहकर उत्सव बन जाता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आमने सामने

एसआईआर के पीछे मंशा विपक्ष के वोट को काटना और सत्ता पक्ष को जिताना है। एसआईआर में गड़बड़ियों को लेकर कोर्ट भी गए, प्रदर्शन भी हुए, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। ये (अमित शाह) जहां जाते हैं, वहां भ्रष्टाचार बढ़ जाता है। गुजरात भ्रष्टाचार को मॉडल है। जितने बैंक लुटेरे हैं ज्यादातर गुजरात में हैं। – **उदित राज**, कांग्रेस नेता

अमित शाह ने सही बयान दिया है। बंगाल की जनता बदलाव चाहती है। जैसे यूपी, बिहार विकास के रास्ते पर हैं, वैसे ही बंगाल के लोग भी विकास चाहते हैं। एसआईआर चुनाव आयोग करा रहा है। चुनाव आयोग स्वतंत्र एजेंसी है। मृतकों को सूची से हटाया जा रहा है, जो लोग गांव से शहरों में जाकर बस गए हैं उन्हें सूची से हटाया जा रहा है। –**ओमप्रकाश राजभर**, मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

बेहतर कानून व्यवस्था से निवेश की होड़

अमित नारायण
राजनीतिक विश्लेषक

प्रदेश सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए भारी भरकम बजट की व्यवस्था की है, जो भारत और जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा।

सर्वाधिक एक्सप्रेस वे वाले उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य बनाने के लक्ष्य की पूर्ति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई कवायद रंग ला रही है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में अग्रणी राज्य के रूप में पहचान बनाने वाले उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था की तारीफ अब हर कोई कर रहा है। बेहतर कानून व्यवस्था के कारण ही आज न सिर्फ भारत की बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियां निवेश के लिए आगे आ रही हैं, बल्कि विदेशी निवेशक भी निवेश के लिए तत्पर हैं। उनमें यूपी में निवेश को लेकर एक होड़ सी दिखाई दे रही है।

इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर और जापान दौरे पर मिले निवेश प्रस्ताव और किए गए एमओयू। जब ये निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतरेंगे, तो निश्चित रूप से न सिर्फ यूपी से युवाओं का पलायन रुकेगा, बल्कि गरीबी का ग्राफ गिरेगा और हमारी अर्थव्यवस्था भी समृद्ध होगी।

मुख्यमंत्री चार दिनों की सिंगापुर और जापान की यात्रा पर थे। उन्होंने प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए बड़ी कंपनियों के सीईओ से मुलाकात कर उन्हें निवेश के लिए प्रेरित किया। औद्योगिक नीति के बारे में समझाया। इन सीईओ को वे यह बताने और समझाने में कामयाब रहे कि उत्तर प्रदेश में उन्हें न सिर्फ घर जैसा माहौल मिलेगा, बल्कि उनकी मांग के अनुरूप दक्ष कार्मिक, बेहतर कानून- व्यवस्था भी मिलेगी। एक बेहतरीन रोड नेटवर्क भी मिलेगा।

मुख्यमंत्री की मौजूदगी में जापान में विभिन्न कंपनियों के साथ 90 हजार करोड़ रुपये और सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू साइन किए गए हैं। दोनों देशों से ढाई लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिलना बहुत बड़ी उपलब्धि है। इन कंपनियों को उनकी मांग के अनुरूप भूमि भी उपलब्ध कराने के लिए सरकार के औद्योगिक विकास प्राधिकरण जुट गए हैं। जापान के यामानाशी प्रांत के साथ ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक को लेकर करार कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। वहां भारतीय छात्रों को जापान में उच्चस्तरीय प्रशिक्षण मिलने का मार्ग खुल गया है।

प्रदेश सरकार ने बजट में रोबोटिक्स के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाने के लिए भारी भरकम बजट की व्यवस्था की है, जो भारत और जापान संबंधों को नई ऊंचाई तक ले जाएगा। जापान की कुबोटा कार्पोरेशन, स्पार्क मिंडा (सहयोग में टोयो डेंसो), जापान एविएशन इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री जैसी कंपनियां प्रदेश में भारी भरकम निवेश कर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी।

मुख्यमंत्री ने तो इस दौरे से लौटने के बाद खुद ही घोषणा की कि इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर आने से पांच लाख से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा और उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने का जो सपना है, उसे पूरा करने में अहम योगदान देगा। मुख्यमंत्री के दौरे पर निवेश के प्रस्ताव मिलने के साथ ही एमओयू तो हुए ही सबसे बड़ी बात टेक्नोलॉजी ट्रांसफर को लेकर हुई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रथम कार्यकाल और इस कार्यकाल में कई बड़ी कंपनियों ने औद्योगिक इकाइयां स्थापित की हैं। उन्होंने रोजगार भी खूब दिए हैं। यह वजह है कि मुख्यमंत्री ने अपने विदेश दौरे के लिए जापान और सिंगापुर को चुना। वहां उन्हें सफलता भी मिली।

उधर उप-मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने जर्मनी का दौरा किया। उनके इस दौरे के दौरान करीब 10 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए हैं। अभी वहां की कई और कंपनियां यूपी आकर एमओयू साइन करेंगी। अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, जर्मनी समेत तमाम देशों के निवेशकों में यूपी में निवेश को लेकर उत्साह है। इसीलिए वे खुद ही सरकार और अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं। उनमें उत्साह के पीछे सबसे बड़ा कारण सूबे के बुनियादी ढांचे में हो रहा तेजी से बदलाव है।

यहां न सिर्फ एक के बाद एक नए एक्सप्रेस वे का निर्माण हो रहा है, बल्कि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय भी राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा कर रहा है। परिवहन बेहतर होने से कंपनियों को अपने उत्पाद ले जाने में आसानी होगी। इसी तरह डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भी माल पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभा रहे हैं। बेहतर रोड नेटवर्क के साथ ही एक के बाद एक एयरपोर्ट की स्थापना, भूमि आवंटन से लेकर मानचित्र स्वीकृति, विभिन्न प्रकार की एनओसी निर्गत करने में प्रक्रिया के सरलीकरण ने निवेश को आकर्षित किया है। जेवर एयरपोर्ट की स्थापना, मेरठ-दिल्ली रैपिड रेल का संचालन बड़ी उपलब्धि है। प्रयागराज-मेरठ गंगा एक्सप्रेस वे मील का पत्थर साबित होगा। इन परियोजनाओं की वजह से निवेशक बड़ी तेजी से इकाई स्थापना के लिए आगे आ रहे हैं।

डिफेंस, फार्मा और सेमी कंडक्टर चिप बनाने वाली इकाइयां अब यहां तेजी से स्थापित होंगी। निवेश आकर्षित करने के लिए विभिन्न विभागों द्वारा तैयार की गई नीतियां भी कारगर साबित हो रही हैं, क्योंकि बड़े पैमाने पर निवेशकों को छूट भी मिल रही है, जिसका वे आसानी से लाभ उठा पा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बजट में जो सुविधाएं निवेशकों के लिए घोषित की हैं, वह भी निवेश बढ़ाने में अहम योगदान दे रही हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

नई दुनिया में सफलता का सूत्र है टीम वर्क

आज दुनिया में ऐसे परिवार हैं, ऐसे घर हैं, जिनमें एक ही व्यक्ति है। आइसलैंड के वीराने से लेकर बेंगलुरू की भीड़ में ऐसे लोग मौजूद हैं। यह संभव है कि व्यक्ति अकेले ही घर के सभी कार्य कर ले। वहीं दूसरी तरफ, अब ऐसे कार्यस्थल कम हैं, जहां वन-मैन-आर्मी हो। अस्पताल से लेकर नाई की दुकान तक हमें टीम मिलती है। पहले लोग एक चिकित्सक के पास जाकर मलेरिया की दवा ले लेते। उन्हीं चिकित्सक के पास हर्निया के ऑपरेशन से लेकर बच्चे का जन्म भी हो जाता। अगर आप दुनिया के आधुनिक अस्पताल पहुंचें, तो दर्जनभर चिकित्सक मिल कर एक सर्जरी की योजना बना रहे होते हैं। तमाम स्कैन चित्रों के सहयोग से एक वर्चुअल ऑपरेशन हो रहा होता है, जो वर्चुअल रियलिटी सॉफ्टवेयर के सहयोग से संभव होता है। यूं लगता है जैसे किसी अंतरिक्ष यात्रा की योजना बन रही हो। अब 'एकला चोलो रे' नहीं, बल्कि एक बेहतरीन टीम बनाकर कार्य हो रहा है।

प्रवीण झा
लेखक

टीम क्या है? जैसे 'लगान' फिल्म के किरदार भुवन को ही लें। वह अच्छे खिलाड़ी थे, मगर वह फिरकी नहीं डाल सकते थे, तेज गेंदबाजी नहीं कर सकते थे, सबसे बड़ी बात कि अकेले खेल नहीं सकते थे। उन्होंने ऐसी प्रतिभाएं ढूंढी, जिनके पास वे अलग-अलग गुण थे। सौरभ गांगुली ने अलग-अलग काबिलियत वाले युवाओं को जोड़कर टीम बनाई। हमें यह मानकर चलना होगा कि हम भले अपनी पूरी मेहनत और प्रतिभा झोंक दें, मगर हम अष्टभुज नहीं है। न ही सर्वगुण संपन्न। हमें यह पहचानना होगा कि हम क्या बेहतर कर सकते हैं, जो हम नहीं कर सकते, वह आखिर कौन बेहतर कर सकता है? अगर दोनों मिल गए तो क्या कमाल जोड़ी होगी? दो से चार। चार से आठ। आठ से बीस। अल्बर्ट आइंस्टाइन ने जब रिलेटिविटी पर शोधपत्र लिखा, तो उस पर सिर्फ उनका नाम था। वहीं, अगर मनुष्य की आनुवंशिक कुंडली निकालने के लिए बने ह्यूमन जीनोम प्रोजेक्ट का उदाहरण लें, तो उसमें सात देशों के बीस प्रयोगशालाओं के सैकड़ों वैज्ञानिक लगे थे। कोरोना का टीका कई देशों के वैज्ञानिकों ने मिलकर बनाया। हम चाहे गांव में हों या शहर में। खेती-बाड़ी करते हों या कोई अत्याधुनिक तकनीकी कार्य कर रहे हों, हमें ऐसी टीम ढूंढनी होगी, जो हमें श्रेष्ठ परिणाम दे। अगर हर सजग युवा इसी तरह अपने पूरक तलाशें, टीम बनाएं, तो सफलता का रास्ता छोटा और श्रेष्ठतर होता जाएगा। **-फेसबुक वॉल से**

सामयिकी

दुनियाभर की साजिशों का शिकार एशिया

एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य सदियों से संघर्ष, हस्तक्षेप और साजिशों से घिरा रहा है। यह महाद्वीप जनसंख्या, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से समृद्ध है, फिर भी बार-बार युद्ध, अस्थिरता और गरीबी की आग में झोंका जाता रहा है। आज ईरान-पाकिस्तान सीमा पर बढ़ता तनाव हो या कंबोडिया-थाईलैंड के बीच सीमा विवाद, ये घटनाएं केवल संयोग नहीं प्रतीत होतीं। इनके पीछे एक व्यापक वैश्विक रणनीति काम करती दिखती है, जिसमें एशिया को अशांत रखकर बाहरी शक्तियां अपने हित साधती हैं। एशिया जले और विकसित देशों की तिजोरियां भरें-यही इस राजनीति का कठोर यथार्थ है। ग्लोबल साउथ के देश संसाधनों से भरपूर हैं, पर निर्णय-शक्ति से वंचित। तेल, गैस, कोयला, दुर्लभ खनिज, उपजाऊ भूमि और युवा जनसंख्या होने के बावजूद ये देश कर्ज, बेरोजगारी और राजनीतिक अस्थिरता में उलझे रहते हैं। इसका कारण केवल आंतरिक कमजोरियां नहीं, बल्कि वह वैश्विक व्यवस्था भी है, जो इन्हें निर्भर बनाए रखने के लिए दशकों से गढ़ी गई है। औपनिवेशिक काल की लूट आज मुक्त व्यापार और मानवाधिकारों की आड़ में नए रूप में जारी है।

डॉ. सत्यवान सौरभ
शिक्षक

ईरान-पाकिस्तान तनाव इसका उदाहरण है। ईरान प्रतिबंधों की मार झेल रहा है, जबकि पाकिस्तान आर्थिक दबाव में है। ऐसे में सीमा पर उभरता तनाव व्यापक प्रभाव डाल सकता है। बलूचिस्तान जैसे क्षेत्रों में अस्थिरता दोनों देशों को आमने-सामने ला सकती है। यदि स्थिति बिगड़ती है, तो दक्षिण और पश्चिम एशिया के ऊर्जा मार्ग प्रभावित होंगे। तेल-गैस की कीमतें बढ़ेंगी और लाभ वैश्विक बाजारों को नियंत्रित करने वाली शक्तियों को मिलेगा। युद्ध एशिया में होगा, पर मुनाफा कहीं और दर्ज होगा। इतिहास गवाह है कि बाहरी ताकतें स्थानीय विवादों को हवा देकर अपने हित साधती रही हैं। वे कभी मध्यस्थ बनती हैं, तो कभी सैन्य सहायता के नाम पर ठिकाने स्थापित कर लेती हैं। अफगानिस्तान इसका उदाहरण है, जहां दशकों तक संघर्ष चला और अंततः वही देश सर्वाधिक तबाह हुआ। दक्षिण-पूर्व एशिया में कंबोडिया-थाईलैंड विवाद भी चिंताजनक है। सीमा क्षेत्रों को लेकर पुराना तनाव हाल में सैन्य रूप लेता दिखा है। यह क्षेत्र दुर्लभ खनिजों से समृद्ध है, जिनकी मांग नई तकनीक और ऊर्जा परिवर्तन के दौर में बढ़ रही है। ऐसे में बाहरी हस्तक्षेप संसाधनों तक पहुंच का माध्यम बन जाता है और नुकसान स्थानीय जनता को उठाना पड़ता है।

ग्लोबल साउथ की यह स्थिति अचानक नहीं बनी। विकसित देशों ने एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका को कच्चे माल के स्रोत और बाजार के रूप में इस्तेमाल किया। औपनिवेशिक शासन समाप्त हुआ, पर आर्थिक ढांचा नहीं बदला। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाएं कर्ज देती हैं, पर शर्तों के माध्यम से नीतिगत स्वतंत्रता सीमित कर देती हैं। समाधान आर्थिक स्वावलंबन और क्षेत्रीय सहयोग में है। संसाधनों पर नियंत्रण तभी संभव है, जब स्थानीय उद्योग मजबूत हों और मूल्यवर्धन पर जोर दिया जाए। आत्मनिर्भरता का अर्थ अलगाव नहीं, बल्कि बराबरी के आधार पर वैश्विक जुड़ाव है। अंततः एशिया का भविष्य उसके अपने हाथों में है। यदि यह महाद्वीप टकराव में उलझा रहा, तो अस्थिरता बनी रहेगी, पर यदि यह एकजुट होकर अपने संसाधनों और नीतियों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो वैश्विक शक्ति संतुलन बदल सकता है। ग्लोबल साउथ को दया नहीं, न्याय चाहिए, हस्तक्षेप नहीं, सम्मान चाहिए। यही न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था की दिशा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

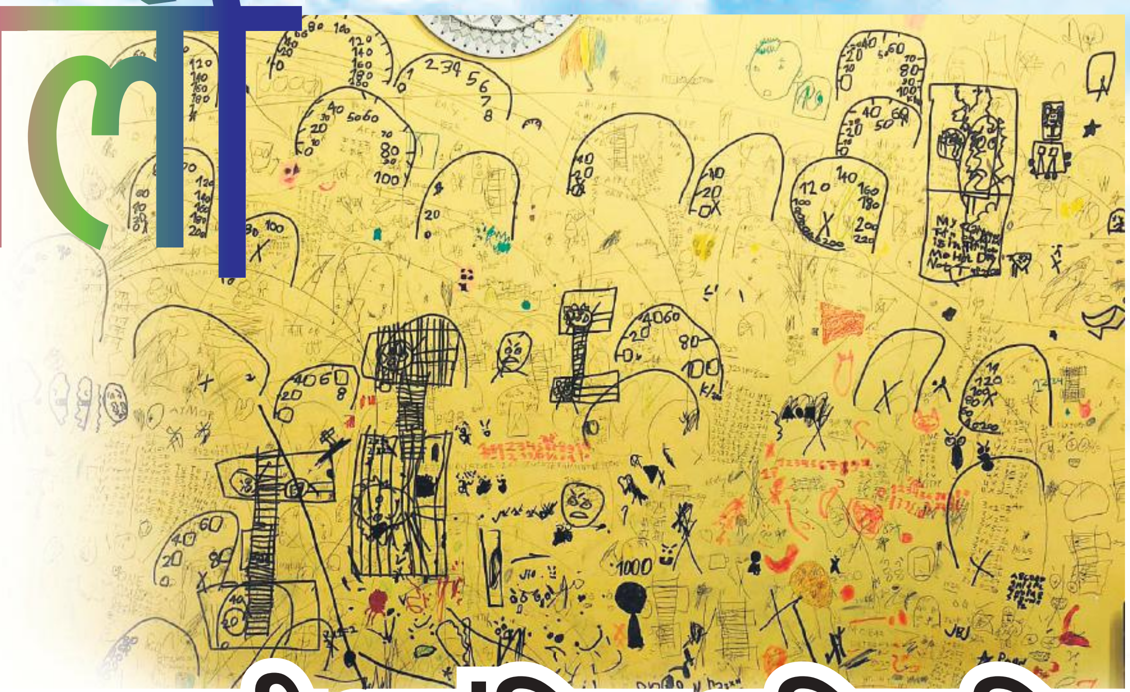

वरिष्ठ पत्रकार कुमार सौवीर की कलम का कायल हूं। पिछले दिनों उनसे मिलने कलाकार मित्र भूपेंद्र अस्थाना के साथ उनके आवास मोतीनगर, लखनऊ जाना हुआ। देर रात तक ढेरों बतकही और चर्चाओं के बीच रात्रि भोजन का दौर चला। अपनी तरह के संभवतः इकलौते मन मिजाज वाले इन जैसों से मिलना, नई जानकारियों एवं संस्मरणों का पिटारा खुलने जैसा लगता है। इन सभी बातों के बावजूद उनके इस घर ने जिस चीज से बेहद प्रभावित किया, वह था पूरे घर की दीवारों पर मौजूद चित्रकारी। पूरे घर में कोई भी ऐसी दीवार या कोना नहीं था, जो चित्रों से सजा नहीं था। वैसे इससे पहले भी हमने कई घर की दीवारों पर बच्चों द्वारा बनाए चित्र देखे हैं, किंतु पहली बार किसी ऐसे घर में था, जिसका इंच दर इंच इन चित्रों से भरा था।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

बालमन की आरंभिक अभिव्यक्ति

दीवार पर चित्रकारी

हम कलाकारों का तो मानना है कि इस तरह के बच्चों को भरपूर प्रोत्साहन मिलना चाहिए। क्योंकि घर की दीवारों को तो आप कभी भी साफ कर सकते हैं। किंतु अपने बच्चों का बचपन आप दुबारा लौटा नहीं सकते हैं। शायद इसीलिए निदा फाजली साहब ने कहा हैः बच्चों के छोटे हाथों को चांद सितारे छूने दो/चार किताबें पढ़कर ये भी हम जैसे हो जाएंगे।

बच्चों द्वारा रेखाएं खींचने या घर की दीवारों पर चित्र बनाने की इस प्रक्रिया के बारे में समझा जाता है कि इसके जरिए वे अपनी उपस्थिति दर्शाना चाहते हैं। यहां यह प्रयास कुमार सौवीर के नाती भावार्थ मिश्र की अभिव्यक्ति थी। बच्चों द्वारा इस अभिव्यक्ति पर वरिष्ठ कला इतिहासकार/समीक्षक जोनी एमएल की टिप्पणी है कि -" चित्र बनाना मनुष्य की स्वाभाविक प्रवृत्ति है। दरअसल इसके जरिए वे किसी न किसी रूप में इस संसार पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहते हैं। दीवारों पर चित्र बनाना इसी मूल प्रवृत्ति का प्रारंभिक रूप है, जो मनुष्य में बचपन से ही दिखाई देता है। बच्चे जब दीवारों पर चित्र बनाते हैं, तो वे केवल खेल नहीं कर रहे होते, बल्कि अपनी दुनिया को समझने और उसे व्यक्त करने का प्रयास कर रहे होते हैं।

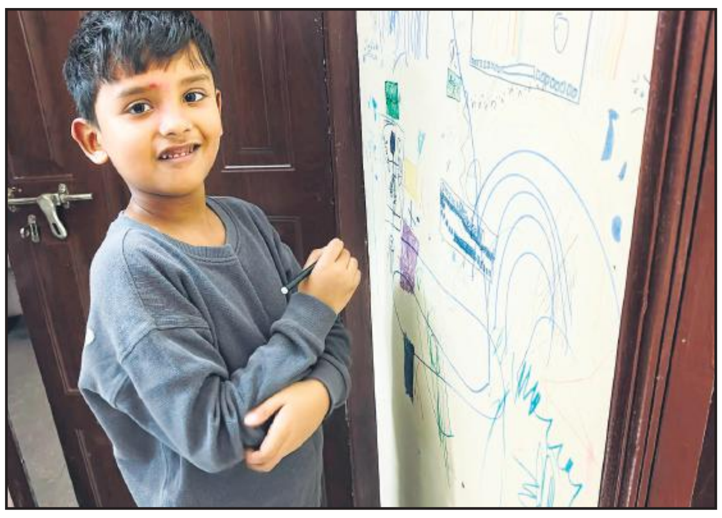

बड़ों को ये चित्र भले ही सरल, भोले या अर्थहीन प्रतीत हों, परंतु वास्तव में ये चित्र बच्चों की अपनी जटिल प्रतीकात्मक भाषा का हिस्सा होते हैं। उनके लिए यह अपने आसपास की दुनिया से संवाद और सामंजस्य बनाने की प्रक्रिया का सर्वाधिक सहज और सुलभ माध्यम है। आगे चलकर जब उन्हें अभिव्यक्ति के अन्य साधन मिल जाते हैं, तो अधिकांश लोग इस तरह के चित्र बनाना अक्सर छोड़ ही देते हैं, लेकिन कुछ लोग जो इस प्रवृत्ति को बनाए रखते हैं, वही आगे चलकर चित्रकार बनते हैं।"

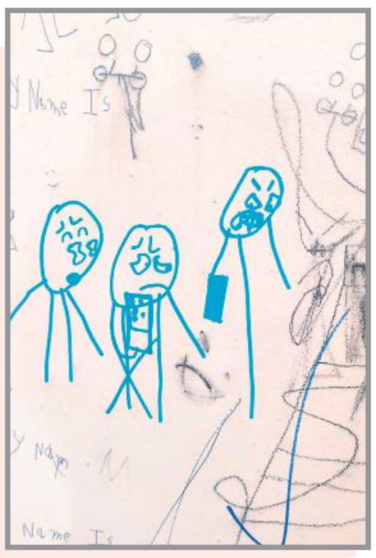

वहीं मनोविज्ञान बच्चों द्वारा घर की दीवारों पर चित्र बनाने की इस प्रवृत्ति को शरारत या अनुशासनहीनता के रूप में नहीं, बल्कि उनके स्वाभाविक विकासक्रम के एक महत्वपूर्ण चरण के रूप में देखता है। विकासात्मक मनोवैज्ञानिक जैसे जीन पियाजे का मानना है कि प्रारंभिक अवस्था में बच्चा प्रतीकों के माध्यम से संसार को समझना शुरू करता है। दीवार पर रेखाएं खींचना उसके लिए केवल आकृति बनाना नहीं, बल्कि अनुभवों को व्यवस्थित करने का प्रयास है। इसी प्रकार सिगमंड फ्रायड की मनोविश्लेषणात्मक दृष्टि से यह क्रिया दबी हुई इच्छाओं, जिज्ञासा और आत्म-अभिव्यक्ति का रूप हो सकती है। आधुनिक बाल मनोविज्ञान इसे स्किल विकास, रचनात्मकता और आत्म पहचान के निर्माण से भी जोड़ता है।

इस तरह से देखें तो दीवारों पर बने चित्र बच्चे की आंतरिक दुनिया, उसकी भावनाओं और परिवेश से उसके संवाद का दृश्य दस्तावेज माने जाते हैं। इसलिए अनुरोध है कि अब जब भी आपका बच्चा घर की दीवारों पर अपनी दुनिया उकेरने लगे तो उसे रोकिए नहीं, बल्कि प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार प्रदान करें। क्योंकि यह उस बच्चे की अपनी दुनिया रचने या सिरजने के लिए खुला आकाश दे दीजिए। मेरे लिए ऐसे तमाम माता-पिता और अभिभावक स्तुत्य हैं, जो अपने बच्चों के लिए घर की दीवारों की सफेदी की कुर्बानी देने से हिचकते नहीं हैं। वैसे तो इन बाल कलाकार का नाम है 'भावार्थ मिश्रा ', लेकिन नानाजी यानी कुमार सौवीर ने इन्हें नाम दिया है 'च्यवनप्राश'।

अनोखी परंपरा

डेनमार्क में अविवाहितों का खास दिन मसालों की होली

शादी को लेकर एक मशहूर कहावत है- "शादी का लड्डू जो खाए वो पछताए और जो न खाए वो भी पछताए।" यह कहावत भले ही मजाकिया अंदाज में कही जाती हो, लेकिन दुनिया के अलग-अलग देशों में विवाह और अविवाहित जीवन से जुड़ी अनेक रोचक परंपराएं प्रचलित हैं। ऐसी ही एक अनोखी परंपरा यूरोप के देश डेनमार्क में देखने को मिलती है, जिसके बारे में जानकर आपको हैरानी भी होगी और मुस्कान भी आ जाएगी।

डेनमार्क में यदि कोई युवक या युवती 25 वर्ष की आयु तक अविवाहित रहता है, तो उसके मित्र एक विशेष रस्म निभाते हैं। इस अवसर पर उसे किसी लैंप पोस्ट, खंभे या पेड़ से बांध दिया जाता है और फिर उस पर दालचीनी पाउडर सहित विभिन्न मसालों की वर्षा की जाती है। पूरा वातावरण मसालों की खुशबू और उड़ते पाउडर से भर उठता है। दृश्य इतना रंगीन और उत्साहपूर्ण होता है कि देखने वालों को भारत की होली की याद आ जाए। फर्क बस इतना है कि यहां रंगों की जगह गरम मसालों का प्रयोग होता है।

यह परंपरा केवल मजाक या शरारत भर नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक ऐतिहासिक पृष्ठभूमि भी बताई जाती है। पुराने समय में डेनमार्क में मसाले बेचने वाले सेल्समैन एक शहर से दूसरे शहर घूमते रहते थे। लगातार यात्राओं के कारण वे समय पर विवाह नहीं कर पाते थे। ऐसे अविवाहित पुरुषों को 'पेबरस्वेन्ड्स' और महिलाओं को 'पेबरमो' कहा जाता था। धीरे-धीरे उन्हें मसालों से सराबोर करने की परंपरा शुरू हुई, जो आज तक एक सामाजिक उत्सव के रूप में निभाई जाती है। मान्यता यह भी है कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है, वैसे-वैसे मसालों की मात्रा भी बढ़ाई जाती है। इस रस्म के दौरान दोस्त और परिजन खुले मैदान, पार्क या लॉन में एकत्र होते हैं। हंसी-ठिठोली, खाने-पीने और मस्ती के बीच अविवाहित व्यक्ति को सिर से पांव तक दालचीनी से ढक दिया जाता है। अंत में पानी डालकर मसालों को धोया जाता है। पूरा आयोजन उत्सव जैसा माहौल पैदा कर देता है। यदि भारतीय परंपराओं से इसकी तुलना करें, तो शादी से पहले होने वाली हल्दी की रस्म का स्मरण हो आता है। भारत में हल्दी लगाने को शुभ माना जाता है। मान्यता है कि यह दूल्हा-दुल्हन को नकारात्मक प्रभावों से बचाती है। कई स्थानों पर हल्दी के बाद वर-वधू को घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होती और उन्हें बुरी नजर से बचाने के लिए पवित्र धागा या ताबीज भी बांधा जाता है।

डेनमार्क की यह परंपरा भले ही हंसी-मजाक से जुड़ी हो, पर इसे वहां आज भी उत्साहपूर्वक निभाया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इसे शुभ संकेत माना जाता है और विश्वास किया जाता है कि इस रस्म के बाद अविवाहित युवक-युवतियों को शीघ्र ही उपयुक्त जीवनसाथी मिल जाता है।

आर्ट गैलरी

प्रकृति का प्रचंड रूप और शाश्वत शांति : द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा

'द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा' विश्व कला इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध कृतियों में से एक है। यह काष्ठछाप (वुडब्लॉक प्रिंट) उन्नीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में बनाई गई थी और यह 'थर्टी-सिक्स व्यूज ऑफ माउंट फूजी' श्रृंखला का हिस्सा है। चित्र में समुद्र की एक विकराल लहर अपने चरम पर उठी हुई दिखाई देती है। उसकी फेनिल धाराएं पंजों की भांति फैलकर सामने चल रही नौकाओं को अपने आगोश में लेने को तत्पर प्रतीत होती हैं। इन छोटी नौकाओं में बैठे मछुआरे प्रकृति की प्रचंड शक्ति के सामने अत्यंत क्षुद्र और असहाय नजर आते हैं।

चित्र की पृष्ठभूमि में शांत, स्थिर और दूर खड़ा फूजी पर्वत दिखाई देता है। उग्र समुद्र और अडिग पर्वत के बीच का यह विरोधाभास जीवन के गहरे दार्शनिक अर्थों को व्यक्त करता है, अस्थिरता और स्थिरता, भय और विश्वास, क्षणभंगुरता और शाश्वतता। चित्र में प्रयुक्त गहरा नीला रंग, विशेषत: 'प्रशियन ब्लू', समुद्र की गहराई और रहस्यमयता को उभारता है। यह कृति केवल एक प्राकृतिक दृश्य नहीं, बल्कि मनुष्य और प्रकृति के संबंध का सशक्त प्रतीक है।

कात्सुशिका होकुसाई के बारे में

कात्सुशिका होकुसाई (1760–1849) जापान की 'उकियो-ए' कला परंपरा के महानतम कलाकारों में गिने जाते हैं। 'उकियो-ए' का अर्थ है- "क्षणभंगुर संसार के चित्र।" इस शैली में नगर जीवन, प्रकृति, अभिनेत्रियां, योद्धा और दैनिक जीवन के विविध दृश्य अंकित किए जाते थे। होकुसाई ने अपने लंबे और सक्रिय जीवन में लगभग तीस हजार से अधिक चित्र, रेखांकन और काष्ठछाप कृतियां निर्मित कीं। वे अत्यंत प्रयोगशील और जिज्ञासु स्वभाव के कलाकार थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई बार अपना नाम बदला, जो उनके निरंतर विकसित होते कलात्मक व्यक्तित्व का संकेत था। होकुसाई का मानना था कि वे जीवन के अंतिम चरणों में जाकर ही सच्चे अर्थों में उत्कृष्ट कला रच पाएंगे। उनकी रचनाओं में प्रकृति के प्रति गहरा आकर्षण, सूक्ष्म अवलोकन और रेखाओं की अद्भुत ऊर्जा दिखाई देती है। होकुसाई का प्रभाव केवल जापान तक सीमित नहीं रहा। उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में यूरोप में 'जापोनिज्म' आंदोलन के दौरान उनकी कृतियों ने अनेक पाश्चात्य कलाकारों को प्रेरित किया। आज वे विश्व कला जगत में एक कालजयी नाम के रूप में प्रतिष्ठित हैं और 'द ग्रेट वेव ऑफ कानागावा' उनकी अमर पहचान बन चुकी है।

लोकायन

प्रेम, आस्था और संस्कारों का संगम

विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो कुलों और परंपराओं का संगम माना जाता है। इसी सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण अंग है कोहबर की परंपरा, जो आज भी पूरी आस्था और उत्साह के साथ निभाई जाती है। कोहबर परंपरा आज भी बिहार खासकर मिथिलांचल में प्रचलित है। कोहबर केवल दीवार पर बनाई गई एक आकृति भर नहीं है, बल्कि यह नवदंपति के जीवन की मंगलकामना, कुलदेवता के आशीर्वाद और पारिवारिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक है।

अरूणिमा सिंह
लेखिका

'कोहबर' शब्द का अर्थ है वह स्थान जहां विवाह के बाद वर-वधू का प्रथम मिलन होता है। जिस कक्ष में कुलदेवता की स्थापना की जाती है, उसे भी कोहबर कहा जाता है। इसे कुछ स्थानों पर 'कौतुकगार' नाम से भी जाना जाता है। विवाह के बाद जब वधू पहली बार वर का दर्शन करती है, उस पावन क्षण को भी कोहबर की संज्ञा दी जाती है।

मातृपूजन, जिसे मटकोर या भत्तवान भी कहा जाता है, उसी दिन कोहबर बनाने की शुरुआत होती है। एक ओर मंडप में पूजा-अर्चना चलती है, तो दूसरी ओर परिवार की नेगहरुवा बुआ या कोई अनुभवी महिला गोबर से दीवार पर कोहबर की रूपरेखा उकेरती हैं। सबसे पहले गोबर से आधार तैयार किया जाता है और बीच में पांच पिंडियां बनाई जाती हैं। कुलदेवता के समीप जो मुख्य कोहबर बनता है, उसमें इक्कीस पिंडियां लगाई जाती हैं, जबकि अन्य स्थानों पर पांच-पांच पिंडियां ही होती हैं।

आमतौर पर एक बड़ा कोहबर कुलदेवता के पास बनाया जाता है, दो उसी कक्ष के द्वार के दोनों ओर और दो मुख्य द्वार के दोनों तरफ। मातृपूजन के दिन कोहबर बन जाने के बाद कुलदेवता, सिल-लोढ़ा और पहरुवा प्रतीकात्मक रूप से बांध दिए जाते हैं। विवाह वाले दिन प्रातः गोबर से बने कोहबर को गेरू से सजाकर अधिक आकर्षक रूप दिया जाता है। विवाह से पूर्व इन प्रतीकों को खोलते हुए आग्रह किया जाता है कि वे भी वर-वधू को आशीर्वाद देने चलें।

विवाह उपरांत नवदंपति को कुलदेवता के समीप बने कोहबर में ले जाया जाता है। वहीं 'लपकौर' की रस्म होती है, जिसमें दही-गुड़ एक-दूसरे को खिलाया जाता है और 'बाती मिलाने' की रस्म निभाई जाती है। इसी स्थान पर अंगूठी खोजने की रस्म भी होती है। यह परंपरा दोनों पक्षों में अलग-अलग अवसरों पर संपन्न की जाती है।

नब्बे के दशक तक कई घरों में विवाह से पूर्व वर-वधू का मिलना सामान्य नहीं था। ऐसे में कोहबर ही वह अवसर बनता था, जब दोनों पहली बार एक-दूसरे से खुलकर मिलते थे। बाती मिलाने के समय दूल्हे का मुस्कराते हुए शर्त रखना- "पहले दुल्हन का मुख दिखाइए" इन पलों को और भी मधुर बना देता था। कभी-कभी कुछ क्षण अकेले में बातचीत की अनुमति भी मिल जाती थी। कोहबर में बिताए ये छोटे-छोटे पल ही नवजीवन की नींव रखते थे। इन्हीं स्मृतियों के सहारे वर-वधू विवाह और गौने के बीच के समय को मधुर प्रतीक्षा में बिताते थे। यही कारण है कि कोहबर केवल एक रस्म नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और पारिवारिक आशीर्वाद का अमिट प्रतीक है।

भारत की आदिवासी-लोक चित्रकला

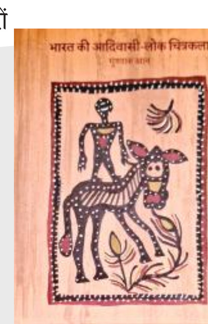

वर्तमान में ऐसे आदिवासी- लोक शिल्पियों एवं कलाकारों की संख्या बहुत ही कम रह गई है, जो अपनी कला के अतीत एवं पारंपरिक ज्ञान के बारे में बता सकते हैं। यह मेरा सौभाग्य रहा कि मैं ऐसे अनेक कलाकारों से मिल सका और उनके वर्षों के अनुभवों को लिपिबद्ध कर सका। मैंने भारत के मध्यप्रदेश क्षेत्र के लगभग सत्तर आदिवासी–लोक चित्रकारों की पहचान की, उनके साक्ष्य में विवरण जुटाए, उनके फोटोग्राफ लिए, जिनका संकलन इस पुस्तक में प्रस्तुत किया गया है।

भारत अपनी सांस्कृतिक विविधता के लिए विश्वविख्यात है। यहां प्रत्येक सांस्कृतिक अंचल की अपनी विशिष्ट आदिवासी-लोक कलाएं हैं। लोक शब्द दो शब्दों से मिलकर बना है- लोक एवं कला। लोक से आशय उन सामान्य जनों से है, जो ग्रामीण भारत में बसते हैं अथवा वहां से निकलकर नगरों में आ बसे हैं, परंतु अपनी ग्रामीण परंपराओं, लोक–रीतियों, विश्वासों और मान्यताओं से गहरे जुड़े हैं। इन्हीं सामान्य जन द्वारा किया गया कलाकर्म लोककला है। इस पुस्तक में भारत की आदिवासी- लोक चित्रकला को परिभाषित एवं व्याख्यायित कर उसके विभिन्न क्षेत्रीय रूपों के उदाहरणों को समाहित किया गया है। पुस्तक का एक अध्याय आदिवासी-लोक चित्रकला को परिभाषित करने, उसकी व्याख्या करने और उसे वर्गीकृत करने में समर्पित है, जिसके कुछ अंश यहां प्रस्तुत हैं-भारतीय लोक जीवनमान में चित्रों की मान्यताओं के सांस्कृतिक महत्व को प्राचीन काल से ही स्वीकार किया गया है। इसके माध्यम से परंपरागत एवं अलौकिक शक्तियों से संवाद स्थापित करने में प्रयासरत रहे हैं। उन्होंने सामुदायिक स्तर पर एक चित्रभाषा विकसित की जिसमें अनेक प्रतीक, अभिप्राय एवं संकेतों को विकसित कर लिया गया, जिन्हें वे अपनी पीढ़ियों को सहज ही हस्तांतरित करते चले गए। प्रत्येक पीढ़ी ने इन्हें अपने समय के अनुरूप समृद्ध किया है और आज इनमें रूपांतरित स्वरूप हमारे समक्ष है।

मुश्ताक खान
लेखक, नई दिल्ली

अपने परंपरागत स्वरूप में आदिवासी-लोक चित्रकला क्षेत्र विशेष या समुदाय विशेष के जन-सामान्य द्वारा किया गया वह कलाकर्म है, जिसके मूल में शुभ और विवेक होता है और अवसर विशेष से जुड़े अनुष्ठान एवं मान्यताओं को संपन्न करने हेतु किया जाता है। मूलतः यह कलाकर्म आर्थिक लाभ हेतु नहीं, बल्कि अपने जीवन की कठिनाइयों और समस्याओं से उबरने हेतु, सुख एवं शांति पाने हेतु पारंपरिक श्रद्धाओं से आशीर्वाद प्राप्ति के लिए किया जाता है। यह चित्र प्रार्थनाएं हैं, जिनके माध्यम से वे लोक एवं परलोक के मध्य संवाद स्थापित करते हैं, अपने इष्ट देवी-देवताओं को आह्वान करते हैं, उन्हें मनाते हैं, उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हैं और उनकी अपेक्षाएं रखते हैं। यह चित्र मात्र सजावटी वस्तु नहीं, आदिवासी-लोक जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। यह आदिवासी-लोक कलाकारों के विश्वदृष्टि एवं सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं का ही है, जो उनकी कला में व्यक्त होती हैं। नगर कला जहां मानव का मानव को संबोधन है, वहीं पारंपरिक आदिवासी-लोक चित्रकला मानव का मानव के साथ देवताओं को संबोधन भी है। लोक एवं परलोक के मध्य इस संवाद के अर्थ वहीं उन चित्रों के साथ आदिवासी-लोक कलाकारों की विश्वदृष्टि एवं सामाजिक-धार्मिक मान्यताओं में निहित हैं। इन्हें समझे बिना पारंपरिक आदिवासी लोक चित्रकला को समझना भी संभव नहीं है।

रंग तरंग

होली जैसे मैंने देखी

बरेली में होली अनोखे ढंग से मनाई जाती रही है। पिछले लगभग 80 वर्षों में मैंने इसके स्वरूप में अनेक परिवर्तन होते देखे हैं। पहले होली की तैयारी पंद्रह दिन पहले ही शुरू हो जाती थी और एक सप्ताह पूर्व से ही रंगबाजी प्रारंभ हो जाती थी। मोहल्लों के लड़के गलियों के बाहर, नुक्कड़ों पर झुंड बनाकर खड़े हो जाते थे और राह चलते लोगों पर पानी और रंग डालते थे। इस दौरान झगड़ा भी हो जाता था, और ऊंची आवाज में हुड़दंग करते दिखाई देते थे। लड़कों को इसमें बड़ा आनंद आता था। होली के एक दिन पहले बड़े-बड़े कड़ावों और ड्रमों में रंग घोलकर तैयारियां की जाती थीं। हैंडपंपों से रंगों के मोर्चे लगते थे और एक-दूसरे के चेहरे पर रंगों की बौछार की जाती थी। जिसका मुंह पहले पलट जाता, उसे हारा हुआ माना जाता था। इन रंगीले मुकाबलों के बाद सब एक-दूसरे को रंग लगाते और हुरियारे मिलकर होली के नारे लगाते थे। साथ ही बमनपुरी से होली की राम बारात निकलती थी, जो आज भी परंपरा के रूप में निकलती है।

अब समय बदल गया है और होली के उत्सव में भी बड़ा परिवर्तन आया है। आज होली केवल एक या आधे दिन का उत्सव बनकर रह गई है। पहले जैसे हुरियारों के बड़े झुंड दिखाई नहीं देते। लड़ाई-झगड़े लगभग समाप्त हो गए हैं। आज होली अपेक्षाकृत शालीनता और प्रेम के साथ मनाई जाती है। दोपहर के बाद लोग नए कपड़े पहनकर होली मिलाप मेले में पहुंचते हैं। वहां एक-दूसरे से गले मिलते हैं, बधाइयां देते हैं। छोटे-बड़े सभी आपसी सम्मान के साथ मिलते हैं और छोटे, बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं।

-महेंद्र कुमार सक्सेना, चित्रकार

इफ्तार बुधवार
सुन्नी : 6:11
शिया : 6:13

सहरी गुरुवार
सुन्नी : 5:02
शिया : 5:04

न्यूज ब्रीफ

गर्भवती महिला के साथ की गई मारपीट

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना खीरी क्षेत्र के गांव गोपालापुर निवासी ज्ञान देवी ने बताया कि वह वर्तमान में गर्भवती हैं। आरोप है कि सोमवार दोपहर करीब 3 बजे मातादीन का पुत्र धर्मेन्द्र सार्वजनिक नल पर जानवर बांधकर नहला रहा था। इसी दौरान उनकी पुत्री रुची देवी पानी भरने पहुंची तो धर्मेन्द्र ने गाली-गलौज शुरू कर दी। जब उन्होंने इस पर आपत्ति जताई तो धर्मेन्द्र और उग्र हो गया। आरोप है कि इसके बाद धर्मेन्द्र, उसके पिता मातादीन, मातादीन की पत्नी, पुत्री रेशमा तथा परिवार के अन्य सदस्य एक साथ उनके घर व दुकान पर पहुंचे और मारपीट करने लगे। शिकायत के अनुसार धर्मेन्द्र ने ज्ञान देवी के पेट पर लात मार दी। पीड़ित ने बताया कि पूर्व में भी उक्त परिवार ने उन पर धारदार हथियार से हमला किया था, जिसका मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन है। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

महिला पर चाकू से हमला, तीन नामजद

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना फूलबेहड़ क्षेत्र के गांव सुथरी मजरा सरवा में गांव सुथरी मजरा सरवा निवासी गायत्री ने बताया कि सोमवार को गांव के अवधेश आदि से कहासुनी हो गई थी। इससे नाराज अवधेश अपने परिवार के अजय व सचिन उनके घर आए और बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे। शिकायत के अनुसार जब उन्होंने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों और चाकू से हमला कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उन्हें बचाया। जाते समय आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच एसआई सोबरन सिंह को सौंपी है। पुलिस ने महिला को अस्पताल भेजा है।

पशु बांधने के विवाद में मां-बेटी को पीटा

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र के ग्राम जंगल नंबर-7 इमलिया फार्म निवासी कन्यावती ने बताया कि उनके पशु घर के पास बंधे थे। आरोप है कि गांव के रामविलास, विकास व दीपांशु वहां पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध पर लाठी-डंडों से मारपीट की। बीच-बचाव करने पहुंची उसकी मां कमला देवी को भी पीटा। दोनों घायल हो गईं। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर घायलों को परीक्षण के लिए भेजा है।

दहेज हत्या में दंपती समेत तीन गिरफ्तार

लखीमपुर खीरी, अमृत विचार : थाना नीमगांव पुलिस ने दहेज हत्या में गांव पकरिया निवासी दीपक कुमार, उसके पिता ज्ञान प्रकाश और मां ज्ञान देवी को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान भेजा है।

चंद्रग्रहण के चलते टला रंगोत्सव, आज उढ़ेगा रंग और गुलाल

अग्नि प्रज्ज्वलित होते ही लोगों ने होली की परिक्रमा करते हुए आखत डाले, अबीर-गुलाल उड़ाकर एक-दूसरे को दीं शुभकामनाएं

- बाजारों में रौनक, पिचकारियों की दुकानों पर रही भीड़
- चंद्रग्रहण के कारण लगे सूतक के चलते रंगोत्सव नहीं मनाया गया

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः जिले में इस बार होली का उत्साह दो दिनों तक देखने को मिला। सोमवार की आधी रात के बाद विधि-विधान से होलिका दहन किया गया। जगह-जगह होली में अग्नि प्रज्ज्वलित होते ही लोगों ने परंपरागत रूप से परिक्रमा की और आखत डाले। अबीर-गुलाल उड़ाकर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं। बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा था।

हालांकि, इस बार पूर्णिमा तिथि और चंद्रग्रहण के कारण लगे सूतक की वजह से मंगलवार को रंगोत्सव नहीं मनाया गया। आमतौर पर होलिका दहन के अगले दिन रंगों की होली खेली जाती है, लेकिन शुभ मुहूर्त दोपहर बाद तक न होने के कारण लोगों ने रंग खेलने से परहेज किया।

ज्योतिषाचार्य पंडित रामदेव मिश्र शास्त्री के अनुसार, सूतक काल में शुभ कार्य वर्जित माने जाते हैं, इसलिए लोगों ने परंपरा का पालन करते हुए रंग खेलने का कार्यक्रम बुधवार के लिए टाल दिया। रंगोत्सव टलने का असर बाजारों में साफ दिखाई दिया। मंगलवार को शहर के मुख्य बाजार, मॉल और गली-मोहल्लों की दुकानें रोज की तरह खुलीं रहीं और दिनभर खरीदारी का दौर चलता रहा।

पिचकारियों, रंगों और गुलाल की दुकानों पर बच्चों और अभिभावकों की भीड़ उमड़ी रही। तरह-तरह की आकर्षक पिचकारियां, हर्बल रंग और डिजाइनर गुलाल लोगों को खूब लुभाते रहे। इसके साथ ही गुझिया, नमकीन, मिठाई और अन्य पारंपरिक पकवानों की दुकानों पर भी ग्राहकों की अच्छी-खासी भीड़ रही। कई लोगों ने घर पर मेहमानों के स्वागत की तैयारी के लिए सजावटी सामान, मिठाइयां और खान-पान की सामग्री खरीदी।

श्रीराम चौराहे पर नमकीन की दुकान पर खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

शहर में पिचकारी की दुकान पर हो रही खरीदारी। ● अमृत विचार

होली मिलन की तैयारी, नए कपड़ों की खरीद

होली मिलन कार्यक्रमों को लेकर भी लोगों में खास उत्साह दिखा। नए कपड़े पहनने की परंपरा को ध्यान में रखते हुए मॉल और कपड़ों की दुकानों पर देर रात तक चहल-पहल रही। युवाओं और महिलाओं ने नए परिधानों की खरीदारी की, जबकि बच्चों ने रंग-बिरंगी टोपी और होली स्पेशल एक्सेसरीज़ खरीदीं।

सामग्री-	करोबार
गुझिया-	पांच करोड़
ड्राई फ्रूट-	तीन करोड़
कपड़ा-	25 करोड़
मावा-	10 करोड़
दूध-	पांच करोड़
नमकीन-	दो करोड़
रंग गुलाल-	तीन करोड़
पिचकारी-	दो करोड़
गिफ्ट पैक व मिठाई-	तीन करोड़
कचरी, पापड़ व अन्य-	सात करोड़

शहर में एक दुकान पर अबीर-गुलाल खरीदते लोग। ● अमृत विचार

शहर में होलिका दहन के बाद आखत डालते लोग। ● अमृत विचार

होलिका दहन के समय रात्रि में ही अबीर-गुलाल से सराबोर लोग। ● अमृत विचार

होलिका दहन के समय रात्रि में ही अबीर-गुलाल से सराबोर लोग। ● अमृत विचार

65 करोड़ का हुआ कारोबार, गुझिया, रंग की रही बंपर मांग

लखीमपुर खीरी। होली पर रविवार, सोमवार और मंगलवार को जिले भर में 65 करोड़ से ज्यादा का कारोबार होने का अनुमान है। गुझिया, रंग-गुलाल, पिचकारी, नमकीन के अलावा होली के रंग में रंगी टी-शर्ट, विग, मुखौटा आदि की बंपर मांग रही। रविवार और सोमवार के अलावा इस बार होलिका दहन के बाद भी मंगलवार को बाजार खुले, जिससे रंगोत्सव से एक दिन पहले सुबह से देर रात तक बाजार गुलजार रहा। खपरैला बाजार से लेकर मॉल आदि में दिन भर खरीदार पहुंचते रहे। गुझिया, मिठाई, नमकीन, ड्राई फ्रूट, कपड़े आदि की बंपर बिक्री हुई। जबकि गुलाल से लेकर सिलिंडर, प्रेशरगन, पिट्ठू, पाइप पिचकारी की सबसे ज्यादा मांग रही। दुकानदार राकेश कश्यप ने बताया कि इस बार हर ग्राहक गुलाल की मांग कर रहा है। जिले 100 टन से ज्यादा का गुलाल और रंग के बिक्री होने का अनुमान है। इसके अलावा होली पर नए कपड़े पहने की परंपरा है। इसके लिए देर रात तक खपरैला बाजार की रेडीमेड दुकानों से लेकर शोरूम और मॉल में लोगों की आवाजाही होती रही।

खूब बिकी गुझिया

होली का त्योहार गुझियों का है, इसलिए बाजार में गुझियों की मांग सबसे ज्यादा रहा। सादी गुझिया जहां 350 से लेकर 450 रुपये तक बिकीं तो वहीं देशी घी की सूखी एवं चाशनी वाली 650 से 680 रुपये किलों में बिकी। आलम यह रहा है कि खरीदारी की भीड़ उमड़ने से गुझिया कम पड़ गई। ऐसे में दुकानदार दो से तीन बार तक गुझिया बनवाकर बेंचते रहे।

बुधवार को शुभ मुहूर्त में रंगों की बौछार

अब बुधवार को शुभ मुहूर्त में जिले भर में रंगोत्सव की धूम रहेगी। प्रशासन की ओर से शांति और सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। लोगों ने भी आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ होली मनाने का संकल्प लिया है।

होली पर वृद्धाश्रम में डीएम ने भेजी मिठाई

मिष्ठान आदि वितरित करते तहसीलदार मुकेश कुमार। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः होली के अवसर पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्रशासनिक टीम के माध्यम से वृद्धाश्रम में गुजिया, मिष्ठान और फल भिजवाकर बुजुर्गों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। इससे वृद्धजनों के चेहरों पर मुस्कान दिखी।

तहसीलदार मुकेश कुमार के नेतृत्व में पहुंची टीम ने डीएम की ओर से भेजा गया शुभकामना संदेश भी बुजुर्गों को पढ़कर सुनाया। संदेश में कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं, बल्कि स्नेह, सम्मान और अपनत्व का प्रतीक है। प्रशासन सदैव बुजुर्गों के साथ है और उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा व सुख-समृद्धि को प्राथमिकता देता है। डीएम की ओर से भेजी गई मिठाइयों, गुजिया और फलों का वितरण करते समय टीम ने बुजुर्गों का हालचाल भी जाना। बुजुर्गों ने इस आत्मीय पहल के लिए डीएम को आशीर्वाद दिया और कहा कि त्योहार पर मिला यह स्नेह उनके लिए सबसे बड़ा उपहार है। इस दौरान नायब तहसीलदार सुनील कुमार, प्रचार सहायक लोकेश कुमार गुप्ता, राजस्व निरीक्षक और संबंधित लेखपाल भी मौजूद रहे।

शिक्षामित्र ने खुद को लगाई आग

- महिला की हालत गंभीर, जिला अस्पताल में भर्ती, चार साल से मायके में रह रही शिक्षामित्र

संवाददाता, बेहजम

अमृत विचारः नीमगांव थाना क्षेत्र के अतरौली गांव में मंगलवार को एक महिला शिक्षामित्र पुआल के ढेर में घुस गई और आग लगाकर आत्मदाह करने की कोशिश की। ग्रामीणों ने किसी तरह से आग बुझाकर महिला को बाहर निकाला। गंभीर रूप से झुलसी महिला को सीएचसी लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

अतरौली गांव निवासी सविता देवी मूल रूप से लखीमपुर शहर के मोहल्ला हाथीपुर कोठार की रहने वाली हैं, लगभग चार वर्षों से मायके में रह रही हैं। उनके पिता सदन लाल गांव में ही रहते हैं। सविता देवी स्थानीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षामित्र हैं। उनका एक छह वर्षीय पुत्र भी है, जो इस समय परिजनों के पास है। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे के आसपास वह घर के बाहर रखे पुआल के ढेर के पास गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कुछ ही देर में पुआल से धुआं उठने लगा और देखते ही देखते आग फैल गई। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग दौड़ पड़े। ग्रामीणों ने बाल्टियों से पानी डालकर और पुआल हटाकर आग बुझाने की कोशिश की। काफी मशक्कत के बाद महिला को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक वह गंभीर रूप से झुलस चुकी थी। परिजन तत्काल उन्हें बेहजम सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के मुताबिक शरीर का बड़ा हिस्सा झुलसने के कारण स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

परिजनों का कहना है कि महिला और उसके पति शशि भूषण वाजपेयी के बीच लंबे समय से वैवाहिक विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि पति द्वारा दूसरी शादी किए जाने को लेकर मामला न्यायालय में विचाराधीन है। करीब एक सप्ताह पूर्व वह पति के पास गई थीं, जहां किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद से वह तनाव में थीं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि आलोक अवस्थी ने बताया कि पति-पत्नी के बीच मतभेद लंबे समय से चले आ रहे थे। घटना के बाद गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल में भर्ती झुलसी महिला शिक्षामित्र। ● अमृत विचार

दुबई के मरीना में फंसा रसूलपुर का इंजीनियर

- फ्लाइट रद होने से स्वदेश वापसी टली, माता-पिता की आंखें बेटे की राह देख रहीं

संवाददाता, पसगवां

अमृत विचारः अंतर्राष्ट्रीय तनाव की आंच अब गांवों तक महसूस की जा रही है। पसगवां थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर तफज्जलु हुसैन निवासी युवा इंजीनियर पुनीत त्रिपाठी इन दिनों दुबई के चर्चित इलाके दुबई मरीना में फंसे हुए हैं। ईरान और इजरायल के बीच जारी युद्ध के कारण हवाई सेवाएं प्रभावित होने से उनकी फ्लाइट रद्द हो गई है, जिससे परिवार की चिंता बढ़ गई है।

पुनीत के पिता कमलेश त्रिपाठी ने बताया कि पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच चल रहे भीषण संघर्ष का असर अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों पर पड़ा है। उनका बेटा दुबई में एक कंपनी में इंजीनियर के पद पर कार्यरत है, लेकिन मौजूदा हालात के चलते वह वहीं रुकने को मजबूर है। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि बेटे की सुरक्षा ही उनके लिए सबसे बड़ी चिंता है। बस वह सकुशल अपने वतन लौट आए, यही हमारी प्रार्थना है। उन्होंने बताया कि परिवार की पुनीत से लगातार बातचीत हो रही है। पुनीत ने बताया कि वह सुरक्षित है और भारत सरकार विदेशों में फंसे नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए प्रयास कर रही है। जैसे ही हालात सामान्य होंगे और उड़ानें शुरू होंगी, वह वापस लौटने की कोशिश करेगा।

गांव में भी इस खबर के बाद चर्चा का माहौल है। ग्रामीण परिवार को सांत्वना दे रहे हैं और पुनीत की सुरक्षित वापसी की दुआ कर रहे हैं।

पुनीत त्रिपाठी।

पेट्रोल पंप कर्मी की ट्रक से कुचलकर मौत

- ट्रक को साइड में खड़ा करवा रहा था कर्मचारी

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः कोतवाली मोहम्मदी के शंकरपुर निवासी एक पेट्रोल कर्मी की मंगलवार को ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वह ट्रक को एक साइड में खड़ा करवा रहा था। हादसे से उसके परिवार में कोहराम मच गया। होली की खुशियां पल भर में मातम में बदल गईं। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

शंकरपुर निवासी प्रेमकांत राठौर (30) बागबाही स्थित एक पेट्रोल पंप पर कार्यरत थे। बताते हैं कि मंगलवार की दोपहर वह एक ट्रक को साइड में खड़ा करवा रहे थे। इस बीच ट्रक का संतुलन बिगड़ गया। इससे वह ट्रक के पिछले हिस्से में दब गए। हादसे के बाद मौके पर तमाम लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने किसी तरह से उन्हें बाहर निकाला। इसी बीच सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। घायल प्रेमकांत को आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए।

पति की मौत से पत्नी कांती देवी का रो-रोकर हाल बेहाल है। मृतक अपने पीछे पत्नी के अलावा चीन छोटे बच्चे देव कुमार (8), अभय (6) और काव्या (4) को छोड़ गया। सूचना पाकर विधायक लोकेंद्र प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और बिलख रही पत्नी और बच्चों को ढांढस बंधाया। उन्हें हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। पेट्रोलकर्मी की मौत से मोहल्ले में सन्नाटा पसरा है।

रोते-बिलखते मृतक प्रेमकांतराठौर के परिजन। ● अमृत विचार

कार की टक्कर लगने से युवक घायल

भानपुर, अमृत विचार : थाना भीरा क्षेत्र के बोझवा गांव निवासी शंकर मंगलवार सुबह खेत देखने के लिए गए थे। इस दौरान बोझवा हाईवे पर भीरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे शंकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें पास के एक निजी अस्पताल पहुंचाया गया। वहां से उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस जांच कर रही है।

पत्नी को लेने पहुंचे दामाद पक्ष के लोगों ने की मारपीट

- दोनों पक्षों की तहरीर पर एक-दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः खीरी के मोहल्ला सैयदबाड़ा में दामाद पक्ष पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट में महिला पक्ष के दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मोहल्ला सैय्यदबाड़ा निवासी मोहम्मद आलम ने बताया कि उनकी बहन किस्तिया का निकाह शाहिबे आलम निवासी बरौरा थाना ठाकुरगंज जिला लखनऊ के साथ हुआ था। किस्तिया करीब दो माह की गर्भवती है और बीमार होने के कारण एक माह पूर्व इलाज के लिए मायके लाई गई थी।

आरोप है कि सोमवार शाम शाहिबे आलम अपने भाई फैज, शहनबाज आलम व मोहम्मद कलाम निवासी मोहल्ला डीहपुर थाना खीरी के साथ किस्तिया को ले जाने पहुंचे। बीमार होने के कारण परिजनों के मना करने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि आरोपियों ने मिलकर उनके भाई मंसूर आलम और मोहम्मद अफताब के साथ मारपीट की। शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्र होने लगे तो आरोपी कार मौके पर छोड़कर जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। उधर, महिला के पति साहिबे आलम का कहना है कि वह पत्नी किस्तिया को लेने आया था। उनके साथ भाई शाहनबाज, फैज और नियाज भी थे।

आरोप है कि ससुराल पक्ष के मकसूद आलम, मक्सूर आलम, मोहम्मद आलम और इरशाद आलम ने पत्नी के इलाज के मुद्दे को लेकर विवाद शुरू कर दिया। कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। इसमें उनके भाई फैज और शाहनबाज को गंभीर चोटें आईं। एसओ निराला तिवारी ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर पर कुल आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। घायलों का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

दुर्घटना में एक की मौत, नौ घायल

- टायर फटने से अनियंत्रित कार सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा और टेंपो से टकराई

संवाददाता, उचौलिया

अमृत विचारः लखनऊ-दिल्ली नेशनल हाईवे पर उचौलिया और जंगबहादुरगंज के बीच मोहद्दियापुर गांव के पास मंगलवार सुबह करीब आठ बजे गाजियाबाद से सीतापुर जा रही ईको कार का टायर अचानक फट गया, जिससे वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा और टेंपो से टकरा गई। हादसे में सीतापुर जिले के एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि नौ लोग घायल हो गए।

बताया जा रहा है कि ईको कार सीतापुर जिले के तंबौर थाना क्षेत्र के गांव खेरी पट्टी जा रही थी। कार में गांव खेरी पट्टी निवासी पंकज मिश्रा पुत्र बालकराम मिश्रा, प्रभात मिश्रा पुत्र माया प्रकाश, चालक सुभाष शुक्ला पुत्र शत्रुघ्न शुक्ला, रामनरेश शुक्ला पुत्र शत्रुघ्न शुक्ला, चंद्रशेखर शुक्ला पुत्र शत्रुघ्न शुक्ला और मनीष शुक्ला पुत्र उमेश शुक्ला सवार थे। मोहद्दियापुर गांव के पास टायर फटने से कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ई-रिक्शा और टेंपो से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। हादसे में 55 वर्षीय चंद्रशेखर शुक्ला की मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक सहित अन्य पांच सवार घायल हो गए।

इसके अलावा ई-रिक्शा चालक मनोज पुत्र शिवकुमार निवासी मोहनपुर बंगाली कॉलोनी थाना उचौलिया, मोहद्दियापुर निवासी 45 वर्षीय विक्रम पुत्र उजागर, 25 वर्षीय धर्मवीर पुत्र उमाशंकर तथा 15 वर्षीय अभिषेक पुत्र अनिल वर्मा भी घायल हो गए। सूचना पर एनएचएआई की टीम, सेवा का जुनून टीम और उचौलिया पुलिस मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। आठ घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पसगवां भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से घायल पंकज मिश्रा को जिला अस्पताल शाहजहांपुर रेफर किया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को हटवाकर हाईवे पर यातायात सुचारू कराया।

मौके पर लगी लोगों की भीड़। ● अमृत विचार

बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch., Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क, रीढ़ एवं नस रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
समय - प्रातः 10 से 12:30 बजे तक एवं सायं 6 से 8:30 बजे तक
अब डॉ. मोहित गुप्ता रविवार को भी मिलेंगे प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक
सुविधायें
ब्रेन हैमरेज | स्लिप डिस्क
ब्रेन ट्यूमर | मिर्गी का दौरा
गर्दन दर्द (सर्वाइकल)
रीढ़ की चोट, टी.बी
सिर दर्द, माइग्रेन
कमर दर्द, कंधों में दर्द
पीठ दर्द, रीढ़ की गांठ
सिर की चोट (हेड इंजरी)
हाथ पैरों में झनझनाहट
फालिज (लकवा)
नसों का दर्द
सियाटिका (कमर में पैरों का दर्द)
दिमागी में पानी व खून जमना
दिमाग, रीढ़ एवं नस सम्बन्धित सभी बीमारियों का इलाज एवं ऑपरेशन
Bareilly Neuro and Spine Super Speciality Centre
Google Maps Location
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
7417389433, 7017678157
9897287601, 8191879754

तेंदुए के हमले में किशोर की मौत, खेत में मिला शव

किशोर की गर्दन और चेहरे पर गहरे जख्म और नाखूनों के निशान, सोमवार को घर से निकला था राज कमल

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचारः सोमवार को घर से निकले कोतवाली तिकुनिया क्षेत्र के गांव जसनगर निवासी 14 वर्षीय किशोर पर तेंदुए ने हमला कर दिया। उसका शव मंगलवार को गांव से करीब दो किलोमीटर दूर एक खेत में बरामद हुआ है। शव की गर्दन और चेहरे पर गहरे जख्म और नाखूनों के निशान हैं। घटना की सूचना पर वन टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

आक्रोशित ग्रामीणों को समझाते पुलिस व वन विभाग के अधिकारी।

गांव जसनगर निवासी गुरचरन सिंह का पुत्र राज कमल सोमवार को घर से बाहर घूमने के लिए निकला था, लेकिन वह देर शाम तक वापस नहीं लौटा। इस पर परिवार वालों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन राजकमल का कोई पता नहीं चल सका। मंगलवार को पड़ोसी गांव खैरटिया के पास घर से करीब 2 किमी दूर खेत में उसका शव बरामद हुआ। शव पड़े होने की सूचना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के मुताबिक राजकल की गर्दन को तेंदुए ने नोचा। उसकी गर्दन और शरीर पर कई जगहों पर नाखूनों के निशान मिले हैं।

शव मिलते ही परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना पर एसडीएम राजीव निगम, सीओ शिवम कुमार, उत्तर निघासन रेंज बेलरायां के वन क्षेत्राधिकारी भूपेंद्र सिंह और प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। वन क्षेत्राधिकारी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। उधर घटना से गुस्साए ग्रामीणों और परिजन मुआवजा और वन विभाग के उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़ गए। उनका कहना था कि जब तक मुआवजा नहीं मिल जाता तब तक वह शव पुलिस को नहीं सौंपेंगे।

ग्रामीणों ने फ्रीजर मंगवाकर शव को रख दिया। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में आए दिन बाघ और तेंदुए के हमलों में लोगों की जान जा रही है, लेकिन वन विभाग कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। एसडीएम राजीव निगम और वन क्षेत्राधिकारी ने ग्रामीणों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन देते हुए समझा बुझाकर किसी तरह शांत कराया। तब जाकर लोग शांत हुए और शव पुलिस को सौंपा। प्रभारी निरीक्षक पुष्पराज कुशवाहा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

कई दिनों से देखा जा रहा था तेंदुआ

ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ क्षेत्र में कई दिनों से देखा जा रहा था, जिसकी सूचना भी वन विभाग को दी गई थी। इसके बावजूद वन विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया। यदि समय रहते वन विभाग की टीम कार्रवाई करती और तेंदुए को पकड़ने के प्रयास करती तो शायद राजकमल की जान न जाती। घटना के बाद पूरे इलाके में तेंदुए की दहशत व्याप्त हो गई थी। बताते हैं कि तेंदुए के हमले में मारा गया राजकमल अपने पिता का इकलौता सहारा था। पिता गुरचरन सिंह भी बीमार रहते हैं।

तेंदुए के हमले में बच्चे की मौत हुई है। तेंदुए की निगरानी के लिए टीम लगाई गई है। जल्द ही पिंजरा लगाकर उसे पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद पहुंचाने की कार्रवाई की जा रही है।

–**भूपेंद्र सिंह**, वन क्षेत्राधिकारी उत्तर निघासन रेंज बेलरायां।

होला महल्ला समागम में भक्ति रस में डूबी संगत

संवाददाता, महंगापुर

अमृत विचारः गुरुद्वारा नानक पियाऊ महंगापुर में सचखंडवासी संत बाबा तारा सिंह कार सेवा सरहाली साहिब वालों के चरण सेवक संत बाबा घोला सिंह की सरपरस्ती तथा जत्थेदार संत बाबा गुरनाम सिंह की अगुवाई में देश-विदेश और क्षेत्र की संगत के सहयोग से आयोजित तीन दिवसीय होला महल्ला का विशाल गुरमत समागम श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत अरदास के साथ हुई। फूलों की वर्षा करते हुए गुरु ग्रंथ साहिब को पंडाल में सुशोभित किया गया। दरबार साहिब में अखंड पाठ साहिब के भोग के उपरांत अरदास कर दीवान सजाए गए।

तीन दिवसीय समागम में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका सहित विभिन्न देशों तथा दिल्ली, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तराखंड आदि स्थानों से धर्मगुरु और जत्थे पहुंचे। इसके अलावा शाहजहांपुर, बरेली, रामपुर, पीलीभीत, बहराइच, सीतापुर, लखीमपुर, गोला, मोहम्मदी, उच्चौलिया आदि क्षेत्रों से सैकड़ों छोटे-बड़े वाहनों से भारी संख्या में महिला-पुरुष संगत ने पहुंचकर गुरु घर में मत्था टेका, सेवा की और गुरु के अटूट लंगर का प्रसाद ग्रहण किया।

होला महल्ला में समागम में गुरुवाणी का पाठ करते रागी जत्थे के सदस्य।

गुरु ग्रंथ साहब के साथ मौजूद संत बाबा गुरनाम सिंह। ● अमृत विचार

● **संगत ने गुरु ग्रंथ साहिब के सामने मत्था टेका, सेवा की और गुरु के लंगर में प्रसाद ग्रहण किया**

संत तारा गुरनाम सिंह ने संगत से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर सेवा में भाग लेने की अपील की। समागम में रागी जत्था भाई हीरा सिंह महंगापुर, अमनदीप सिंह हरमिंदर साहिब (पंजाब), रागी महताब सिंह जालंधर (पंजाब), ढाढी जत्था लखविंदर सिंह सोहल (पंजाब), कविशरी जत्था सुलख्खन सिंह रियाड़ (पंजाब), कथावाचक साहब सिंह (कनाडा) तथा सर्वजीत सिंह (लुधियाना, पंजाब) ने गुरुवाणी कीर्तन, कथा और गुरु इतिहास का रसपान कराकर संगत को निहाल किया। कार्यक्रम का संचालन स्टेज सेक्रेटरी भाई महताब सिंह भिंडर ने किया।

इस अवसर पर मुख्य सेवादार भाई गुरप्रीत सिंह भिंडर, गुरुद्वारा मैनेजर गुरविंदर सिंह, प्रधान तीर्थ सिंह, प्रधान गुरमीत सिंह, प्रधान जितेंद्र सिंह लाडा, प्रधान गुरदीप सिंह, पूर्व प्रधान मंजीत सिंह, जसवंत सिंह संधू, सुखविंदर सिंह, मंदीप सिंह, बंटी, वनबीट ग्रुप के चेयरमैन सरदार बहादुर सिंह, गोल्डन फ्लॉवर स्कूल के चेयरमैन जसमेल सिंह मांगट, हरप्रीत सिंह हैप्पी, श्रवण सिंह बाठ, सुरेंद्र सिंह गिल, मैनेजर सर्वजीत सिंह, सतवीर सिंह, दलवीर सिंह सहोता सहित अनेक कारसेवकों ने बढ़-चढ़कर सेवा निभाई।

महंगापुर होला महल्ला समागम में मौजूद संगत। ● अमृत विचार

होला महल्ला गुरमत समागम में संपूर्णानगर थाना प्रभारी कृष्ण कुमार स्थानीय व जिला पुलिस बल के साथ लगातार गश्त कर रहे हैं।

मालगाड़ी के सामने कूदा युवक, हाथ कटा

केशवापुर, अमृत विचारः पूर्वोत्तर रेलवे के गोला-राजगंज रेलखंड पर गेट संख्या 148सी के निकट सोमवार शाम एक युवक ने गोला से लखीमपुर की ओर जा रही मालगाड़ी के सामने अचानक छलांग लगा दी। ट्रेन की चपेट में आने से उसका दाहिना हाथ कटकर अलग हो गया और वह करीब 20 मीटर दूर जा गिरा।

घटना केशवापुर-सिसंवा कला मार्ग के पश्चिम स्थित रेलवे ट्रैक पर शाम 4:33 बजे हुई। घायल युवक ने अपना नाम मुकेश कुमार पुत्र बालकराम निवासी बसही थाना फरधान बताया है। हालांकि उसने ट्रेन के सामने कूदने का कारण स्पष्ट नहीं किया। गेटमैन दिलीप यादव के अनुसार युवक पहले सड़क से लगभग 100 मीटर अंदर रेलवे ट्रैक की ओर गया और कुछ देर तक वहीं खड़ा रहा। जैसे ही गोला की ओर से मालगाड़ी आई, वह अचानक ट्रैक पर कूद पड़ा।

चालक ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकने का प्रयास किया, लेकिन तब तक युवक गंभीर रूप से घायल हो चुका था। घटना के बाद मालगाड़ी करीब 15 मिनट तक मौके पर खड़ी रही। सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों को अवगत कराया गया। हैदराबाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को रेलवे ट्रैक से स्ट्रेचर पर लादकर एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाया। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। मामले की जांच की जा रही है।

होला महल्ला पर निकला नगर कीर्तन

संवाददाता, संपूर्णानगर

अमृत विचारः गुरुद्वारा नानकमत्ता साहिब से होला मोहल्ला के उपलक्ष्य में निकली नगर कीर्तन यात्रा मंगलवार देर शाम सम्पूर्णानगर पहुंची। यहां गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा की नवनिर्वाचित प्रबंध कमेटी और साध संगत ने यात्रा का भव्य स्वागत किया।

नानकमत्ता से आई नगर कीर्तन यात्रा का सम्पूर्णानगर गुरुद्वारा समिति ने किया स्वागत।

नगर कीर्तन के स्वागत में गुरुद्वारा परिसर के बाहर विशेष स्टॉल लगाए गए, जहां संगत के लिए पानी, चाय और सूक्ष्म जलपान की व्यवस्था की गई। यात्रा में शामिल पंच प्यारों को सरोपा भेंट कर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। स्वागत सत्कार से नानकमत्ता से आई साध संगत अभिभूत नजर आई। यह नगर कीर्तन यात्रा महंगापुर गुरुद्वारा में आयोजित हो रहे होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अग्रसर है। धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के माहौल में संगत ने कीर्तन का आनंद लिया।

इस अवसर पर मुख्य ग्रंथी बाबा हरजीत सिंह जी, परविंदर सिंह, हरजीत सिंह जुनेजा, सतविंदर सिंह, सिमरप्रीत सिंह, सुरेंद्र सिंह बग्गा, दर्शन सिंह बग्गा, दर्शन सिंह गिल, गगनपाल, संतोष सिंह, निशान सिंह, सुखवीर सिंह सहित क्षेत्र की समूह संगत मौजूद रही। सभी ने मिलकर नगर कीर्तन का गर्मजोशी से स्वागत किया।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार : संसारपुर। चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह यादव ने बताया कि पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में फरार चल रहे गांव किशुनपुर निवासी बृजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मंगलवार को आरोपी का चालान भेजा है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान
नि : शुल्क परामर्श
कैम्प में समस्त ब्लड जाँचें, ई.सी.जी., एक्स-रे 50% के छूट पर किये जायेंगे।
रजिस्ट्रेशन शुल्क 20/-
प्रेमलोक हॉस्पिटल
नरियावल अड्डा,
शाहजहाँपुर रोड, बरेली।
महीने के प्रत्येक रविवार को
समय : सुबह 10 से 5 बजे तक
डॉ. दीपक माहेश्वरी
MBBS., MD, Consultant Physucuan & Critical Care Specialist
ब्लड प्रेशर, हृदय रोग
श्वांस रोग, गम्भीर रोग विशेषज्ञ
9084307201, 9412244430
डॉ. नितिन अग्रवाल हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

सात से 15 वर्ष के बच्चों का आधार में बायोमेट्रिक अपडेट मुफ्त

नयी दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने छह महीने के भीतर देशभर के एक लाख से अधिक स्कूलों में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट का अभियान पूरा कर लिया है। इस अभियान से करीब 1.2 करोड़ स्कूली बच्चे लाभांवित हुए हैं। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस अभियान के तहत सात से 15 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आधार में फिंगरप्रिंट एवं आंखों की पुतलियों के स्कैन को अद्यतन करने की सुविधा अक्टूबर, 2025 से एक वर्ष की अवधि के लिए मुफ्त रखी गई है।

अमृत विचार
बरेली, बुधवार, 4 मार्च 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

ब्रिटानिया को 6.37 करोड़ का जीएसटी मांग का नोटिस

नयी दिल्ली। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज को 6.37 करोड़ रुपये का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) मांग का नोटिस जारी किया है। कंपनी ने कहा कि वह इस आदेश के खिलाफ उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार कर रही है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि यह आदेश केंद्रीय माल एवं सेवा कर (सीजीएसटी) और केंद्रीय उत्पाद शुल्क आयुक्त, ठाणे कार्यालय की ओर से जारी किया गया है। यह मामला वित्त वर्ष 2020-21 से 2023-24 के बीच का है। विभाग ने कंपनी से 2.12 करोड़ रुपये कर और 4.24 करोड़ रुपये जुर्माना जमा करने को कहा है। इस तरह कुल 6.37 करोड़ रुपये की मांग की गई है।

बिग एफएम का रियल एस्टेट में प्रवेश, 4,000 करोड़ राजस्व का लक्ष्य

नयी दिल्ली। रेडियो नेटवर्क बिग एफएम ने रियल एस्टेट कारोबार में कदम रखने की घोषणा की है। कंपनी ने बिग एफएम रियल्टी ब्रांड नाम से इस क्षेत्र में कदम रखते हुए अगले तीन साल में 3,500 से 4,000 करोड़ रुपये के कुल राजस्व का लक्ष्य रखा है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि अपनी पहली प्रमुख परियोजना के तहत कंपनी ने उत्तर प्रदेश के बहराइच में लखनऊ-बहराइच रोड पर लगभग 300 करोड़ रुपये में 80 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है। इस परियोजना से करीब 1,200 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने का अनुमान है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के अध्यक्ष बने डैन बेली

नई दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड ने मंगलवार को डैन बेली को अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबारी पहल का नेतृत्व करने के लिए अध्यक्ष के पद पर नियुक्त करने की घोषणा की। डैन बेली जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के चेयरमैन आकाश अंबानी को रिपोर्ट करेंगे। बेली के पास परामर्श और निवेश बैंकिंग में 35 साल से अधिक का अनुभव है।

भारत के पास आठ सप्ताह का कच्चा तेल भंडार

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष और तनाव के बीच भारत सरकार के शीर्ष सूत्रों ने आश्वस्त किया है कि देश के पास पेट्रोल, डीजल और अन्य ईंधनों की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए छह से आठ सप्ताह का पर्याप्त भंडार मौजूद है। भारत के कच्चे तेल और एलपीजी आयात का लगभग आधा हिस्सा 'होर्मुज जलडमरूमध्य' से होकर गुजरता है। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही में रुकावट आई है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि सरकार निरंतर स्थिति की निगरानी कर रही है और इस संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। देश के पास वर्तमान में लगभग 25 दिन की खपत के बराबर कच्चे तेल और इतनी ही अवधि के लिए तैयार ईंधन का भंडार उपलब्ध है। हालांकि, तत्काल कमी की संभावना नहीं है, लेकिन कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में उछाल और परिवहन लागत में वृद्धि से भारत के आयात बिल और मुद्रास्फीति पर प्रभाव पड़ सकता है। मंत्रालय ने एक अलग बयान में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने वर्तमान परिस्थितियों में देश की तैयारियों पर मीडिया को जानकारी दी है।

जमशेदपुर में टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा को श्रद्धांजलि देते टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन।

187वीं जयंती पर जेएन टाटा को दी श्रद्धांजलि

जमशेदपुर, एजेंसी

उद्योगपति और परोपकारी जमशेदजी नसरवानजी टाटा की 187वीं जयंती मंगलवार को झारखंड के जमशेदपुर में मनाई गई। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये इस अवसर पर जे एन टाटा को याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा, 'राष्ट्र को औद्योगिक प्रगति की राह दिखाने वाले टाटा समूह के संस्थापक जमशेदजी टाटा की जयंती पर मैं उन्हें शत-शत नमन करता हूं।'

उन्होंने कहा कि जमशेदजी टाटा ने जिस आधुनिक, समृद्ध और मजबूत औद्योगिक प्रणाली की कल्पना की थी, वह आज देश की विकास यात्रा की मजबूत नींव बन गई है। झारखंड से शुरू हुई टाटा समूह की यह यात्रा निरंतर और मजबूती के साथ आगे बढ़ती रहे।

इस अवसर पर टाटा स्टील द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और उनके परिवार के अलावा टाटा स्टील व टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन शामिल हुए।

कार्यक्रम में टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन और निदेशक मंडल के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

खाड़ी युद्ध: भारत के ऊर्जा क्षेत्र को झटका, एलएनजी में कटौती

बढ़ रही परिवहन लागत, संघर्ष लंबा चला तो 100 डॉलर प्रति बैरल पहुंचेंगे कच्चे तेल के दाम

- कतर ने बंद की रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित एलएनजी सुविधाएं
- तेल की बढ़ती आयात लागत से महंगा हो सकता भारत में घरेलू ईंधन

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत और विश्व ऊर्जा बाजार पर पश्चिम एशिया के तनाव का प्रभाव साफ नजर आने लगा है, क्योंकि ईरान और अमेरिका-इजरायल संघर्ष ने तेल, गैस और शिपिंग की आपूर्ति में बड़े व्यवधान पैदा किये हैं। देश की ऊर्जा कंपनियां अब तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति में कटौती और कीमतों में वृद्धि के लिए तैयार हैं, जो भारी मशीनरी, उर्वरक और पेट्रो केमिकल प्लांट सहित कई उद्योगों में ईंधन का काम आती है। इस बीच खाड़ी में स्थिति के कारण समुद्री मार्गों पर भी गंभीर व्यवधान आ रहे हैं।

भारत के एलएनजी आपूर्ति के बड़े स्रोत कतर ने रास लाफान इंडस्ट्रियल सिटी स्थित अपनी प्रमुख

एलएनजी सुविधाओं को बंद कर दिया है। कतर की यह बंदी विश्व के सबसे बड़े एलएनजी निर्यातक के उत्पादन को रोक देती है और गैस की कीमतों को तेजी से बढ़ा सकती है। यह फैसले ईरान के ड्रोन हमलों के बाद लिये गये हैं, जिनके कारण रास लाफान और मेसाइद औद्योगिक क्षेत्रों की उत्पादन गतिविधियां रुक गयी हैं। भारत जैसे बड़े एलएनजी आयातक देश पर इसका सीधा असर दिख रहा है।

कतर तथा संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे खाड़ी देशों से एलएनजी आयात पर निर्भरता के कारण उपयोगकर्ता कंपनियों को आपूर्ति में कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण गैस आपूर्ति में कटौती कर दी गयी है और पेट्रोनेट एलएनजी तथा अन्य आयातक कम्पनियों ने ग्राहक इकाइयों को सीमित आपूर्ति की सूचना दी है। साथ ही, संकट की दूसरी बड़ी वजह तेल की कीमतों में उछाल है।

खाड़ी के तनाव के बीच ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गयी हैति पर द और कुछ बाजारों में यह 82 डॉलर तक पहुंच चुकी है। इससे तेल की बढ़ती आयात लागत से भारत के घरेलू ईंधन की कीमतों एवं मुद्रास्फीति दबाव बढ़ सकता है। महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज़ जलडमरूमध्य से व्यापार की वस्तुओं का एक बड़ा हिस्सा गुजरता है।

दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल एवं गैस तो इस मार्ग से आती ही है, साथ ही भारत का करीब 60 प्रतिशत एलएनजी तथा लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। इससे होने वाले व्यवधान से पोतवहन, लागत, बीमा प्रीमियम और परिवहन दरों में तेज बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, जो ऊर्जा आपूर्ति की लागत को और बढ़ा सकती है। विश्लेषक चेतावनी दे रहे हैं कि अगर संघर्ष लंबा रहा, तो तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ सकती हैं।

अधिक जोखिम वाले इलाकों से गुजरने पर जहाजों को देना होगा अधिक प्रीमियम

नयी दिल्ली,एजेंसी

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच मालवाहक जहाजों के लिए युद्ध जोखिम से जुड़ा बीमा प्रीमियम बढ़ने की आशंका जताते हुए विशेषज्ञों ने मंगलवार को कहा कि अधिक जोखिम वाले इलाकों से गुजरने वाले जहाजों को अब अतिरिक्त प्रीमियम चुकाना होगा।

पॉलिसीबाजार के प्रमुख (समुद्री बीमा) बालसुंदरम आर. ने कहा कि कच्चे तेल और एलएनजी के परिवहन में शामिल शिपिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एससीआई) के जहाजों की लाल सागर जैसे संवेदनशील समुद्री क्षेत्रों से गुजरने पर युद्ध जोखिम कवरेज हासिल करने पर लागत बढ़ सकती है। बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों का कहना है कि युद्ध जोखिम और हड़ताल, दंगे तथा नागरिक अशांति कवर के लिए बीमा कंपनियां आमतौर पर तीन से सात दिन के नोटिस पर कवरेज रद्द कर सकती हैं।

प्रूडेंट इंश्योरेंस ब्रोकर्स के समुद्री विशेषज्ञता प्रमुख गौरव अग्रवाल ने कहा कि हाल ही में जहाज पर युद्ध कवरेज रद्द करने का नोटिस जारी किया गया है और मालवाहक बीमा पर भी ऐसा कदम जल्द उठाया जा सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बीमा कवरेज रद्द होने के बाद नया युद्ध जोखिम कवर उपलब्ध भी होता है, तो उसकी कीमत काफी अधिक हो सकती है।

इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (आईबीएआई) के हरि राधाकृष्णन ने कहा कि कुछ मामलों में प्रीमियम दर 0.25-0.5 प्रतिशत से बढ़कर लगभग एक प्रतिशत तक पहुंच गई हैं। इससे ढुलाई लागत में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और वैश्विक व्यापार प्रवाह पर असर पड़ेगा। बीमा सलाहकारों का मानना है कि संघर्ष लंबा चलने की स्थिति में जहाज खेप की लागत, ढुलाई खर्च और जोखिम प्रीमियम दोनों बढ़ जाएंगे।

एएआई ने अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परिचालकों से ईंधन भंडार का विवरण मांगा

नयी दिल्ली/मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट के मद्देनजर देश के सभी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा संचालकों से उपलब्ध ईंधन भंडार और अगले सात दिन के लिए अनुमानित आवश्यकता का विवरण देने को कहा है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह निर्देश पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष की पृष्ठभूमि में आया है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित होने का खतरा है। सूत्र ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर ईंधन आपूर्ति की स्थिति को स्पष्ट रूप से समझने के लिए एहतियाती उपाय के तौर पर ये विवरण मांगे गए हैं। भारत में दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सहित 33 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे हैं। मंत्रालय के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, दो मार्च को देश के हवाई अड्डों से 355 उड़ानें रवाना हुईं और 344 उड़ानें आईं।

कृषि खाद्य क्षेत्र में संबंधों को मजबूत करेंगे भारत-कनाडा

- दोनों देशों के संस्थानों ने सहमति पत्र पर किये हस्ताक्षर

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने कृषि खाद्य क्षेत्र में आपसी सहयोग को और मजबूत किया है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान-कुंडली (निफ्टेम-के) और (यूनिवर्सिटी ऑफ़ सस्केचेवान यू-सास्क) के बीच पांच साल के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए गए।

एक सरकारी बयान के मुताबिक, इस समझौते पर निफ्टेम-के के निदेशक हरिंदर सिंह ओबेरॉय और यू-सास्क के उपाध्यक्ष (शोध) बलजीत सिंह ने सस्केचेवान के प्रीमियर स्कॉट मोए और भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा दाल प्रोटीन में एक साझा समर्थित उत्कृष्टता केन्द्र की घोषणा के बाद हुई है, जिसे निफ्टेम-के और यू-सास्क नेतृत्व करेंगे। सहमति पत्र में साझा शोध परियोजनाओं, ऑनलाइन शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षक और छात्रों के आदान-प्रदान, खाद्य प्रसंस्करण प्रौद्योगिकी में एकीकृत डिग्री प्रोग्राम और उद्योग-उन्मुख अल्पावधिक पाठ्यक्रम शामिल हैं।

इसमें नवाचार, टिकाऊ खाद्य प्रणाली, खाद्य सुरक्षा और मूल्य श्रृंखला विकास को आगे बढ़ाने के मकसद से मिलकर वित्तपोषण प्रस्ताव, सेमिनार और वर्कशॉप की भी बात है। अधिकारियों ने कहा कि इस सहयोग से शोध से चलने वाले औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलने और कृषि खाद्य क्षेत्र में भारत-कनाडा सहयोग को और मज़बूती मिलने की उम्मीद है।

साथ ही खाद्य प्रौद्योगिकी और उद्यमशीलता में निफ्टेम-के का वैश्विक जुड़ाव बढ़ेगा।

अंतर-मंत्रालयीय समूह रखेगा पश्चिम एशिया पर नजर

नयी दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर करीबी नजर रखने के लिए एक अंतर-मंत्रालयीय समूह का गठन किया है। निर्यातकों ने आशंका जताई है कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर संयुक्त हमलों के कारण पश्चिम एशिया क्षेत्र में बढ़ते तनाव का भारत के व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

बजट के बाद आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए गोयल ने कह कि हमने एक अंतर-मंत्रालयीय समूह का गठन किया है जो प्रतिदिन बैठक कर रहा है और पश्चिम एशिया में हो रहे घटनाक्रमों पर बारीकी से नजर रख रहा है ताकि हमारे पोत परिवहन, लॉजिस्टिक, निर्यात या यहां तक कि महत्वपूर्ण आयात में किसी भी तरह की कमजोर रुख का आकलन किया जा सके।

चीन से आयातित पीवीसी रेजिन के खिलाफ प्रतिपूर्ति शुल्क जांच शुरू

नयी दिल्ली,एजेंसी

घरेलू कंपनियों की शिकायतों के बाद भारत ने चीन से आयातित पीवीसी (पॉलीविनाइल क्लोराइड) रेजिन के खिलाफ प्रतिपूर्ति शुल्क जांच शुरू कर दी है। इस उत्पाद का उपयोग पाइप, बोतल और केबल सहित कई क्षेत्रों में किया जाता है।

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने केम्प्लास्ट कुड्डालोर विनाइल्स, डीसीएम श्रीराम और डीसीडब्ल्यू लिमिटेड द्वारा दायर एक आवेदन के बाद यह जांच शुरू की है। आवेदकों ने आरोप लगाया है कि चीन अपने पीवीसी सस्पेंशन रेजिन निर्माताओं को सब्सिडी दे रहा है और वे कंपनियां भारतीय बाजारों में सस्ते दामों पर माल 'डंप' कर रही हैं, जिससे घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए पुख्ता आवेदन और सब्सिडी की मौजूदगी एवं उससे होने वाली क्षति के प्रथम दृष्टया साक्ष्यों से संतुष्ट होने के बाद प्राधिकरण इसके द्वारा सब्सिडी-रोधी जांच शुरू करता है। महानिदेशालय कथित सब्सिडी की मौजूदगी, सीमा और प्रभाव का निर्धारण करेगा।

इसके बाद वह प्रतिपूर्ति शुल्क की उस राशि की सिफारिश करेगा, जो लागू होने पर घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी। आवेदकों का आरोप है कि चीन के उत्पादकों और निर्यातकों को वहां की सरकार द्वारा विभिन्न स्तरों पर दी जाने वाली सब्सिडी का लाभ मिला है।

समय सीमा बढ़ी, 19 मार्च तक दें एनईपी के मसौदे पर सुझाव

नयी दिल्ली,एजेंसी। बिजली मंत्रालय ने राष्ट्रीय विद्युत नीति-2026 के मसौदे पर संबंधित पक्षों से सुझाव आमंत्रित करने की समयसीमा एक माह बढ़ाकर 19 मार्च तक कर दी है।

मंत्रालय ने 25 फरवरी को जारी एक अधिसूचना में कहा कि कई पक्षों ने विद्युत नीति के मसौदे के प्रावधानों पर गौर करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा था। उनके अनुरोध पर यह समयसीमा बढ़ाई गई है। इससे पहले, टिप्पणियां और सुझाव देने की अंतिम तिथि 19 फरवरी थी। राष्ट्रीय विद्युत नीति (एनईपी) 2026 का उद्देश्य वितरण कंपनियों के उच्च घाटे और ऋण, शुल्क के लागत के अनुरूप न होने और एक की कीमत पर दूसरे को सब्सिडी जैसी समस्याओं का समाधान करना है। मंत्रालय ने पहले कहा था कि 2005 से कई उपलब्धियां हासिल करने के बावजूद यह सुधार किया जा रहा है।

मुआवजे में देरी: नियोक्ता को ही भरना होगा जुर्माना

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-बीमा कंपनी की जिम्मेदारी केवल मूल मुआवजा और ब्याज तक सीमित

नयी दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कर्मचारी मुआवजा अधिनियम को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि कार्यस्थल पर दुर्घटना के शिकार कर्मचारी को मुआवजा देने में देरी होने पर लगने वाला जुर्माना केवल नियोक्ता को ही भरना होगा। इसे बीमा कंपनी के मत्थे नहीं मढ़ा जा सकता। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक पुराने आदेश को पलटते हुए यह व्यवस्था दी। कोर्ट ने कहा कि बीमा कंपनी की जिम्मेदारी केवल मूल मुआवजा और ब्याज तक सीमित है। चूंकि देरी नियोक्ता की व्यक्तिगत लापरवाही का परिणाम है, इसलिए इसके दंड का बोझ भी उसी को उठाना होगा। अदालत ने कहा कि 1995 में कानून में किए गए बदलावों का उद्देश्य ही यह था कि मुआवजे और जुर्माने को अलग-अलग रखा जाए। यह एक 'सामाजिक कल्याण कानून' है, जिसका मकसद पीड़ित कर्मचारी या उसके परिवार को तुरंत राहत पहुंचाना है। यदि नियोक्ता एक महीने के भीतर भुगतान नहीं करता, तो उस पर मुआवजे की राशि का 50 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है।

क्या था पूरा मामला?

यह मामला 2017 में एक कमर्शियल ड्राइवर की मौत से जुड़ा है। लेबर कमिश्नर ने करीब 7.36 लाख रुपये मुआवजा और 50% जुर्माना तय किया था। हाईकोर्ट ने बीमा कंपनी को पूरा पैसा देने को कहा था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि बीमा कंपनी एम्प्लॉयर की निजी गलती (देरी) के लिए उत्तरदायी नहीं है। अब नियोक्ता को 2.57 लाख रुपये का जुर्माना अपनी जेब से देना होगा।

एआई और आईटी क्षेत्र में सुधार से 12 फीसदी बढ़ीं नियुक्तियां

मुंबई, एजेंसी

कृत्रिम मेधा (एआई) को अपनाए जाने और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में सुधार के चलते देश में दफ्तर में बैठकर काम करने वाले पेशेवरों (व्हाइट कॉलर) की नियुक्तियों में इस साल फरवरी में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। 'नौकरी जॉबस्पीक इंडेक्स' के अनुसार, व्हाइट-कॉलर नौकरियों के बाजार ने हाल के वर्षों में फरवरी महीने का अपना सबसे शानदार प्रदर्शन किया है। इंडेक्स फरवरी, 2025 के 2,890 अंक के मुकाबले 12 प्रतिशत बढ़कर फरवरी, 2026 में 3,233 अंक पर पहुंच गया।

रिपोर्ट के मुताबिक, जनवरी की तुलना में फरवरी में नियुक्तियों की रफ्तार में 23 प्रतिशत की तेजी देखी गई, जो सामान्य तौर पर देखी जाने वाली 13-16 प्रतिशत की वृद्धि से काफी अधिक है।

फरवरी में आईटी क्षेत्र में नियुक्तियों में सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस क्षेत्र में नए लोगों (फ्रेशर्स) की भर्ती में आठ प्रतिशत का इजाफा हुआ। रिपोर्ट कहती है कि भारत स्थित बहुराष्ट्रीय आईटी कंपनियां इसकी मुख्य चालक रहीं, जहां नियुक्तियों में 55 प्रतिशत का उछाल देखा गया।

आईटी क्षेत्र के भीतर एआई-मशीन लर्निंग' से जुड़ी नियुक्तियों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह दर्शाता है कि फरवरी का प्रदर्शन उच्च-कौशल और उच्च-मूल्य वाले प्रतिभा क्षेत्रों पर केंद्रित रहा।

रिपोर्ट के अनुसार, नए लोगों की भर्ती में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि 20 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक के वेतन पैकेज वाले पदों की मांग में 23 प्रतिशत का इजाफा हुआ। वहीं, गैर-आईटी क्षेत्रों ने भी नियुक्ति की गति को बनाए रखा। इसमें बीमा क्षेत्र 28 प्रतिशत की वृद्धि के साथ सबसे आगे रहा।

जरूरी बात — एचडीएफसी बैंक पहली अप्रैल से बढ़ा रहा है अपने सेवा शुल्क

महंगा होगा लॉकर, बदल जाएंगे एटीएम-यूपीआई के नियम

- लॉकर के उपयोग पर 184 फीसदी तक अधिक शुल्क देना होगा
- पांच मुफ्त ट्रांजैक्शन के बाद यूपीआई से आहरण पर भी देना होगा शुल्क

नयी दिल्ली, एजेंसी

एचडीएफी बैंक के करोड़ों ग्राहकों के लिए खबर बहुत जरूरी है। पहली अप्रैल से बैंक ने अपने सेवा शुल्कों में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। बैंक ने जो फैसला किया है उससे आपकी जेब पर खासा असर पड़ने वाला है।

नए वित्त वर्ष की शुरुआत से ही बैंक ने अपने लॉकर किराये में 184% तक की भारी बढ़ोत्तरी करने का निर्णय किया है। साथ ही एटीएम से कैश निकालने के नियमों को भी सख्त कर दिया है। आइये जानते हैं कि आने वाले महीने के साथ एचडीएफसी बैंक ग्राहकों के लिए क्या-क्या बदलने वाला है...

लॉकर किराया: 184% तक की जबरदस्त बढ़ोत्तरी : बैंक ने लॉकर के वार्षिक किराये को बदला है. सबसे ज्यादा असर एक्सट्रा मीडियम और छोटे आकार के लॉकर लेने वाले ग्राहकों पर पड़ेगा। मेट्रो शहरों में एक्सट्रा मीडियम लॉकर का किराया 4400 रुपये से सीधे बढ़कर 12500 हो जाएगा, अर्थात पूरे 184% की वृद्धि की गयी है। वहीं एक्सट्रा स्माल लॉकर का किराया 1350 रुपये से बढ़कर 3300 रुपये किया गया है। अर्थात 144% की वृद्धि की गयी है।

बैंक ने एक नई प्रीमियम कैटेगरी मेट्रो प्लस शुरू की है, जहां चार्ज और भी ज्यादा होंगे। यहां एक्सट्रा लार्ज लॉकर के लिए आपको सालाना 40000 रुपये तक चुकाने पड़ सकते हैं। इतना ही नहीं अब लॉकर को एक्सेस करने के लिए आधार आधारित बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन अनिवार्य हो जाएगा।

इसके अलावा अब एटीएम से कैशन निकालना भी महंगा होने वाला है। अभी तक तक कई ग्राहक एटीएम से बिना कार्ड के यूपीआई के जरिए कैश निकाल लेते थे, लेकिन पहली अप्रैल 2026 से इसका गणित बदल जाएगा। अब यूपीआई के जरिए किए गए कैश विड्रॉल को आपकी मासिक फ्री एटीएम ट्रांजेक्शन लिमिट में गिना जाएगा। अगर आप एचडीएफसी बैंक के एटीएम पर अपनी 5 फ्री ट्रांजेक्शन की सीमा पार कर लेते हैं, यूपीआई से पैसा आहरण करने पर भी आपको 23 रुपये प्लस जीएसटी अतिरिक्त देना होगा।

बैंक के अनुसार उसका उद्देश्य कैश ट्रांजेक्शन के बजाय डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देना और एटीएम के बढ़ते रखरखाव खर्च को कवर करना है।

बता दें कि धीरे-धीरे बैंकिंग अधिक डिजिटल और महंगी होती जा रही है। अन्य बैंक भी एचडीएफसी बैंक के इस कदम से प्रेरित होकर अपने सेवा शुल्कों में बदलाव कर सकते हैं। इसलिए अपनी बैंकिंग आदतों को बदल लीजिए।

पाकिस्तान में 16 जगहों पर हमले, जवाबी कार्रवाई में 67 अफगान तालिबान मारे गए

● पाकिस्तानी वायुसेना ने रात भर चलाया सीमा क्षेत्र में अभियान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने मंगलवार तड़के दक्षिण-पश्चिमी सीमा पर 16 स्थानों पर हुए हमलों को नाकाम कर दिया और रातभर जारी अभियानों में अफगान तालिबान के 67 और लड़ाकों को मार गिराया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने अफगान तालिबान के हमलों के जवाब में 26 फरवरी को शुरू किए गए ऑपरेशन 'गजब-लिल-हक' के बारे में जानकारी दी। तरार ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से सटे सीमावर्ती क्षेत्र में रात भर चले अभियानों में अफगान तालिबान के 40 लड़ाके मारे गए।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर किये गए एक पोस्ट में बताया कि एक स्थान पर शारीरिक हमला करने का प्रयास किया गया, जबकि 12 स्थानों पर गोलीबारी की गई, जिन्हें बिना किसी जानमाल के नुकसान के नाकाम कर दिया गया। अफगान तालिबान ने उत्तरी बलूचिस्तान के किला सैफुल्लाह, नोश्की और चमन जिलों में 16 स्थानों पर सीमा पार से शारीरिक हमला किया, जबकि पाकिस्तानी सैनिकों ने 25 स्थानों पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि सभी ठिकानों पर हुए हमलों को नाकाम कर दिया गया, जिसमें अफगान तालिबान के 27 लड़ाके मारे गए और कई घायल हुए। मंत्री ने यह भी बताया कि उत्तरी बलूचिस्तान में तैनात अर्धसैनिक बल फ्रंटियर कोर (एफसी) का एक जवान शहीद हो गया, जबकि पांच जवान घायल हो गए। सोमवार को मंत्री ने कहा था कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने 435 अफगान तालिबान लड़ाकों को मार गिराया और 630 अन्य घायल हो गए।

परमाणु पर प्रहार या तेल का खेल

अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी, 2026 को ईरान पर किए गए सैन्य हमलों ने दुनिया को हिला दिया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में शुरू हुए इस अभियान का आधिकारिक उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना बताया गया है, लेकिन इसके पीछे की भू-राजनीतिक परतें कहीं अधिक गहरी हैं। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या और प्रमुख परमाणु केंद्रों पर हमलों ने खाड़ी क्षेत्र को एक भीषण युद्ध की ओर धकेल दिया है। फरवरी महीने के अंतिम दिनों में शुरू हुआ यह हमला केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि दशकों से चल रहे अमेरिका-ईरान तनाव का चरम बिंदु है। अमेरिका का तर्क है कि ईरान ने परमाणु बम बनाने के समय को घटाकर एक हफ्ते से भी कम कर दिया था, जिससे वैश्विक सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया। हालांकि, आलोचक इसे तेल का खेल और सत्ता परिवर्तन की चाल मान रहे हैं।

अमेरिका-ईरान जंग

हमले की अमेरिकी वजह

● परमाणु संवर्धन : अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण (आईएईए) की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने यूरेनियम को 60% से अधिक शुद्धता तक संवर्धित कर लिया था, जो सैन्य ग्रेड के बहुत करीब है।

● मिसाइल कार्यक्रम : अमेरिका का दावा है कि ईरान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित कर रहा था जो यूरोप और अमेरिकी मुख्य भूमि तक पहुंच सकती हैं जिससे उनकी सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया था।

● सत्ता परिवर्तन : राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरानी जनता से सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया है। ईरान में आम लोग खामेनेई के शासन के खिलाफ हैं।

क्या है यह तेल का खेल

● ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले के आधिकारिक कारणों में तेल का जिक्र नहीं है, लेकिन होर्मुज जलडमरूमध्य पर ईरान का नियंत्रण वैश्विक तेल आपूर्ति का 20% हिस्सा तय करता है। रणनीतिकारों का मानना है कि ईरान की क्षेत्रीय शक्ति को कुचलकर अमेरिका ऊर्जा मार्गों पर अपना वर्चस्व बनाए रखना चाहता है। आलोचकों का कहना है कि मध्य पूर्व में सऊदी अरब के अलावा इराक, यूएई, कुवैत और ईरान कच्चे तेल के बड़े उत्पादक हैं।

● ईरान पर हमले के पीछे भी वेनेजुएला की तरह तेल की बू आती है। अमेरिका तेल उत्पादन और उसके परिवहन में अपना दबदबा कायम करना चाहता है। ईरान पर हमले के पीछे यह भी बड़ी वजह हो सकती है। पिछने दिनों अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला बोलकर वहां के राष्ट्रपति मादुरो को गिरफ्तार कर लिया था। जिसकी दुनिया भर में निंदा की गई थी। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है लेकिन उत्पादन कम।

मध्य पूर्व के बड़े तेल उत्पादक

● बड़े खिलाड़ी : सऊदी अरब के अलावा इराक, यूएई, कुवैत और ईरान तेल के बड़े खिलाड़ी हैं। ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद वह भारी मात्रा में उत्पादन कर रहा है।

● सऊदी अरब : यह क्षेत्र का सबसे बड़ा और दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। 2024 में इसका उत्पादन लगभग 10 .87 मिलियन बैरल प्रतिदिन था।

● ईरान : भारी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान का उत्पादन बढ़ा है। 2024 में यह लगभग 4 .62 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन के साथ क्षेत्र का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक था।

● इराक : यह लगभग 4 .50 मिलियन बैरल प्रतिदिन उत्पादन के साथ प्रमुख खिलाड़ी है।

वर्ल्ड ब्रीफ

दक्षिण अफ्रीका में इमारत ढही, नौ मरे

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के जोहानिसबर्ग शहर में एक इमारत ढहने से मरने वालों की संख्या मंगलवार को बढ़कर नौ हो गई। आपातकालीन सेवाओं और शहर के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकार इमारत को अवैध बताते हुए उसे ध्वस्त करने की तैयारी कर रही है। जोहानिसबर्ग आपातकालीन प्रबंधन सेवाओं की प्रवक्ता जोलिले खुमाओलो ने कहा कि दो और शव बरामद किए गए हैं जबकि एक अन्य शव मलबे में पड़ा दिखा है। बचाव टीम शवों को कंक्रीट के मलबे से बाहर निकालने में व्यस्त हैं। जोहानिसबर्ग के सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारी म्गिनी त्शवाकू ने पुष्टि की।

रजा पहलवी का समान अधिकारों का वादा

वॉशिंगटन। ईरान से निर्वासित पूर्व शाह के बेटे रजा पहलवी ने देश के जातीय समुदायों से एकजुट रहने का आह्वान किया है। उन्होंने अपने बयान में कहा, भविष्य में धर्म और राज्य की अलग-अलग व्यवस्था पर आधारित शासन में जनता को किसी भी भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ेगा। पहलवी ने कहा कि हम इस शासन के पतन की कगार पर हैं। उन्होंने स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करने वाली अवसरवादी ताकतों से सतर्क रहने का आग्रह किया और संकल्प लिया कि इस्लामिक गणराज्य के बाद के ईरान में सभी समुदाय कानून के शासन और समान नागरिकता अधिकारों के तहत रहेंगे।

ईरान के गेराश में 4.3 तीव्रता का भूकंप

तेहरान। दक्षिणी ईरान के गेराश शहर के निकट मंगलवार को 4 .3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गयी है। भूकंप का केंद्र भूमि की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। विशेषज्ञों के अनुसार, इतनी कम गहराई वाले भूकंप सामान्यत: प्राकृतिक टेक्टोनिक गतिविधियों से जुड़े होते हैं और इस भूगर्भीय रूप से सक्रिय क्षेत्र में ऐसे झटके असामान्य नहीं माने जाते।

चुनौतियों के बीच चीन में होगी वार्षिक संसद

बीजिंग। रियल एस्टेट क्षेत्र की सुस्ती, छोटे व्यवसायों की मुश्किलें और युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी चीन की रफ्तार को थाम रही हैं। चीनी नेता शी जिनपिंग की उच्च प्रौद्योगिकी और एआई पर आधारित महत्वाकांक्षाओं और धीमी पड़ती आर्थिक वृद्धि की कठोर वास्तविकताओं के बीच संसद नेशनल पीपुल्स कांग्रेस की वार्षिक बैठक गुरुवार से शुरू हो रही है।

भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी अर्थव्यवस्था में तीव्र वृद्धि विकसित भारत की मजबूत नींव

● बजट 2026-27 पर राष्ट्रीय वेबिनार का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव के आज के दौर में भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था विश्व के लिए आशा की किरण बन गई है इसकी तीव्र वृद्धि विकसित भारत की मजबूत नींव है।

प्रधानमंत्री ने बजट 2026-27 पर राष्ट्रीय वेबिनार की इस वर्ष की श्रृंखला की दूसरी कड़ी के उद्घाटन संबोधन में कहा कि इस बार के बजट में अर्थव्यवस्था के उन स्तंभों और क्षेत्रों को मजबूत करने के ठोस कदम उठाए गए हैं जो वैश्विक परिवर्तनों को देखते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुनिया इस समय विनिर्माण के लिए मजबूत भागीदारों की तलाश में है और भारत ने हाल में विभिन्न देशों और समूहों से जो मुक्त व्यापार समझौते किये हैं उससे देश के उद्योग-व्यवसाय जगत के लिए अवसरों का एक बड़ा द्वार खुला है। इसका फायदा उद्योग जगत को ही उठाना है और इसके लिए उसे अनुसंधान, बाजारों के अध्ययन और नवाचार पर समय तथा साधन खर्च करने होंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योगों को अवसरों का पूरा लाभ उठाना है तो उन्हें गुणवत्ता को अपना महामंत्र बनाना होगा। प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य की प्रति के लिए सभी हितधारकों के बीच सामूहिक हिस्सेदारी की आवश्यकता को रेखांकित किया। आर्थिक वृद्धि की निरंतरता बनाए रखने और रफ्तार तेज करने के विषय पर आयोजित इस वेबिनार में प्रधानमंत्री ने अधिक निर्माण करो, अधिक उत्पादन करो, अधिक संपर्क स्थापित करो और अधिक निर्यात करो के मूल मंत्रों को दोहराया।

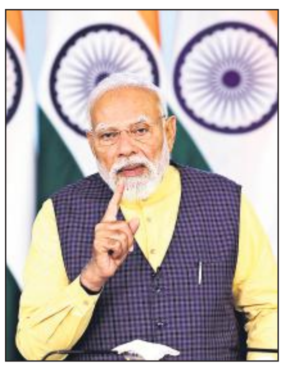

बाधाओं को दूर करने को सरकार अग्रसर

प्रधानमंत्री ने विनिर्माण क्षेत्र में प्रमुख क्षमताओं को मजबूत करने और मौजूदा बाधाओं को दूर करने के लिए सरकार के प्रयासों का उल्लेख किया। मोदी ने जोर देते हुए कहा, दुर्लभ खनिज तत्वों के लिए समर्पित रेयर अर्थ कॉरिडोर और कंटेनर विनिर्माण जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य व्यापार के लिए अनुकूल परिवेश को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री ने बजट में घोषित 'बायोफार्मा शक्ति मिशन' का भी उल्लेख किया जिसका उद्देश्य भारत को जैविक औषधियों और अगली पीढ़ी की उपचार प्रणालियों के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। कहा, हम उन्नत बायोफार्मा अनुसंधान और विनिर्माण में नेतृत्व की ओर बढ़ना चाहते हैं। मोदी ने वैश्विक परिस्थितियों में हो रहे बदलावों के संदर्भ में कहा कि दुनिया विश्वसनीय और मजबूत विनिर्माण साझेदारों की तलाश में है।

चर्चाएं और उससे निकलने वाले सुझावों की होगी महत्वपूर्ण भूमिका

प्रधानमंत्री ने प्रतिभागियों से कहा, निश्चित रूप से, आज आप लोगों के बीच होने वाली चर्चाएं और उनसे निकलने वाले सुझाव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों के बीच तालमेल के संबंध में बोलते हुए यह स्पष्ट किया कि विनिर्माण, संचालन व्यवस्था, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) और शहरी केंद्र अलग-अलग इकाइयां नहीं हैं बल्कि एक ही आर्थिक संरचना के परस्पर जुड़े हुए स्तंभ हैं। उन्होंने विस्तार से बताया कि किस प्रकार विनिर्माण निर्यात को बढ़ावा देता है जबकि प्रतिस्पर्धी एमएसएमई लचीलेपन और नवाचार को प्रोत्साहित करते हैं। मोदी ने कहा, इस वर्ष के बजट ने इन सभी स्तंभों को बहुत मजबूती प्रदान की है। उन्होंने कहा कि उद्योग, वित्तीय संस्थानों और राज्य सरकारों की सक्रिय भागीदारी के बिना केवल नीतिगत दिशा-निर्देशों से ही परिणाम प्राप्त नहीं होंगे। उन्होंने हितधारकों से विनिर्माण और उत्पादन बढ़ाने तथा लागत संरचना को अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने पर चर्चा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

पश्चिम एशिया संघर्ष : मोदी ने ओमान के सुल्तान व कुवैत के प्रिंस से की बात

● बातचीत के दौरान दोनों देशों पर किए गए हमलों पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से बात की और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई।

अधिकारियों के मुताबिक टेलीफोन पर हुई बातचीत में, प्रधानमंत्री मोदी ने इन नेताओं से वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर भी चर्चा की। एक अधिकारी ने बताया कि प्रधानमंत्री ने मंगलवार दोपहर बाद खाड़ी क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण नेताओं से बातचीत की।

प्रधानमंत्री ने ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक, कुवैत के युवराज शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से फोन पर बातचीत की। मोदी ने इन नेताओं से बातचीत के दौरान, उनके देश पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई और वहां रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों के कल्याण और सुरक्षा पर चर्चा की। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए संयुक्त हमले के बाद फोन पर यह बातचीत हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले दो दिन में बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से बात की तथा दोनों देशों पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा की। मोदी ने कहा कि भारत इस कठिन घड़ी में उनके साथ एकजुटता से खड़ा है। प्रधानमंत्री ने जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से भी बात की है और क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति पर चिंता व्यक्त की। मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की है। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग 90 लाख भारतीय रहते हैं। इनमें से लगभग 10,000 भारतीय नागरिक ईरान में हैं, जबकि 40,000 से अधिक लोग इजराइल में रहते हैं। पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र अभी लगभग बंद है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण उड़ानों के बाधित होने से सैकड़ों भारतीय दुबई, दोहा और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं।

हमला नहीं करते तो ईरान कुछ महीनों में प्राप्त कर लेता परमाणु प्रतिरोधक क्षमता : नेतन्याहू

यरूशलम। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को कहा कि इजराइल और अमेरिका ने ईरान पर हमला इसलिए किया क्योंकि तेहरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू कर दिया था और वह कुछ ही महीनों में परमाणु प्रतिरक्षा प्राप्त कर लेता। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान पर हमला करना बेहद जरूरी था क्योंकि तेहरान अपने मिसाइल एवं परमाणु कार्यक्रमों को हमलों से बचाने के लिए नए भूमिगत ठिकाने बना रहा था। उन्होंने कहा, ईरान ने नए ठिकाने, नए स्थल, भूमिगत बंकर बनाना शुरू कर दिया, जो उसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु बम कार्यक्रम को कुछ ही महीनों में सुरक्षित कर देते। अभी कोई कार्रवाई नहीं की जाती तो भविष्य में भी कोई कार्रवाई नहीं हो पाती। इजराइली प्रधानमंत्री ने कहा, हमें अभी कार्रवाई करनी पड़ी, इसका कारण यह है कि पिछले साल जून में हुए 12 दिवसीय युद्ध में उनके परमाणु ठिकानों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर हमला करने के बाद उन्होंने नए ठिकाने और भूमिगत बंकर बनाने शुरू कर दिए, जो कुछ ही महीनों में उनके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और परमाणु बम कार्यक्रम को सुरक्षित कर देते।

कोर्ट के आदेशों के खिलाफ अपील प्रवृत्ति पर लगे रोक

● विधि अधिकारियों ने ऐसे मामलों को बताया बड़ी चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी

अदालती आदेशों के खिलाफ केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों द्वारा बिना सोचे-समझे अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति को सरकार से जुड़े मुकदमों पर अंकुश लगाने के लिए एक प्रमुख चुनौती बताया गया है।

सरकारी मुकदमों के प्रभावी और कुशल प्रबंधन पर हाल ही में आयोजित एक सम्मेलन में, दो दर्जन से अधिक केंद्रीय सचिवों और शीर्ष विधि अधिकारियों ने सेवा और अन्य मामलों में अपीलों के लिए स्पष्ट मानदंड, मुकदमों के समन्वित निपटान के लिए प्रत्येक विभाग में एक विशिष्ट अधिकारी की नियुक्ति और अदालती फैसलों के समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए तंत्र की सिफारिश की ताकि अवमानना संबंधी मुकदमों को कम किया जा सके। केंद्रीय विधि मंत्रालय द्वारा शनिवार को आयोजित सम्मेलन में, सेवा संबंधी मुकदमों, जवाबी हलफनामा दाखिल करने से पहले उचित परामर्श का अभाव, विभिन्न मंत्रालयों द्वारा अपनाए गए भिन्न रुख, विभागों और पैनल वकीलों के बीच समन्वय की कमी तथा सुविचारित नीतिगत निर्णय के बजाय बिना किसी सोच-विचार के अपील दाखिल करने की प्रवृत्ति जैसी प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया। अधिकारियों और मंत्रालय द्वारा विभिन्न मामलों से संबंधित विवरण साझा किए गए।

मेलानिया ट्रंप ने की संरा सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता

संयुक्त राष्ट्र। अमेरिका की प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक की अध्यक्षता की। यह बैठक संघर्षरत क्षेत्रों में बच्चों के मुद्दे पर केंद्रित थी, जो उनके प्रमुख अभियानों में से एक रहा है।

यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका, इजराइल के साथ मिलकर ईरान पर हमले कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि वह वैश्विक संस्था के सबसे शक्तिशाली निकाय में अध्यक्ष का पद संभालने वाली पहली महिला हैं जो दुनिया के किसी राष्ट्र प्रमुख की पत्नी हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी को यह अवसर इसलिए दिया गया है क्योंकि अमेरिका मार्च के लिए परिषद की अध्यक्षता संभाल रहा है।

टीडीबी के पूर्व अध्यक्ष वासु से ईडी की पूछताछ

● शबरिमला सोना चोरी मामले में एजेंसी कर रही जांच

कोच्चि, एजेंसी

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शबरिमला मंदिर में सोना चोरी होने की घटना से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में त्रावणकोर देवस्वओम बोर्ड (टीडीबी) के पूर्व अध्यक्ष एन. वासु से मंगलवार को पूछताछ की।

वासु को पिछले साल शबरिमला में सोने की चोरी के मामलों में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया था और हाल ही में उन्हें वैधानिक जमानत पर रिहा किया गया था। जांच के तौर पर ईडी ने अब तक शबरिमला के पूर्व प्रशासनिक अधिकारियों एस श्रीकुमार और मुरारी बाबू, पूर्व टीडीबी सचिव एस जयश्री और अभिनेता जयराम से पूछताछ की है। एजेंसी ने इस साल जनवरी में केरल पुलिस की दो प्राथमिकियों के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया था।

एजेंसी की ओर से दर्ज किए गए मामले में शबरिमला स्थित भगवान अयप्पा मंदिर के द्वारपालक (संरक्षक देवता) की मूर्तियों और श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजों से कथित तौर पर सोने की हेराफेरी का आरोप लगाया गया था।

केरल उच्च न्यायालय द्वारा गठित और उसकी देखरेख में गठित विशेष जांच समिति मंदिर से कथित तौर पर सोने के गबन की जांच कर रही है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। विद्यार्थियों के लिये दिन बहुत अच्छा है। विद्या को सीखने का प्रयास करेंगे।

वृष — आज कार्यक्षेत्र में उच्चाधिकारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। अपने खर्चों पर धीरे-धीरे नियन्त्रण कर लेंगे।

मिथुन — आज जीवनसाथी की भावनाओं का ध्यान रखें। प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत शुभ है। आपके स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

कर्क — आज कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। अपने मन की बातें प्रेमीजन से साझा कर सकते हैं।

सिंह — आज अधिकारी वर्ग की आज्ञा का उल्लन्घन न करें। शाम को तनाव से राहत मिलेगी। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है।

कन्या — आज प्रतिभा को विकसित करने में सफल रहेंगे। कड़ी मेहनत का उत्तम परिणाम मिलेगा। छोटी-छोटी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें।

तुला — आज परिवार एवं समाज में प्रतिष्ठा की चिंता रहेगी। अपने विरोधियों को हल्के में न लें। आपका मन उदास हो सकता है।

वृश्चिक — आज आपकी एकाग्रता में वृद्धि होगी। सभी दिशाओं से शुभ समाचार मिलेंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु — आज बच्चों के साथ पिकनिक की योजना बना सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी। विवाह योग्य लोगों को उत्तम प्रस्ताव मिलेंगे।

मकर — आज घर की बातें बाहर वालों से शेयर न करें। व्यवसाय में उत्तम धन लाभ होगा। मन की नकारात्मकता दूर होगी।

कुंभ — आज थकान की वजह से आप अपने कार्यों में अधिक ध्यान नहीं दे पायेंगे। धन से जुड़े मामलों में लापरवाही करना उचित नहीं है।

मीन — आज बुरी नीयत वाले लोग आपको धोखा देने की कोशिश करेंगे। दिन का शुरुआती भाग बहुत शुभ रहेगा।

अमेरिका-ईरान जंग | हमलों को लेकर अंतराष्ट्रीय कानून की प्रासंगिता पर उठ रहे सवाल

ईरान में बालिका विद्यालय पर हमले के बाद छिड़ी नई बहस

● मिनाब शहर में हुए हमले में हुई थी करीब डेढ़ सौ छात्राओं की मौत

जोंडालुप, एजेंसी

अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर संयुक्त सैन्य कार्रवाई शुरू किए जाने के बाद दक्षिणी शहर मिनाब में शजराह तैय्यबेह बालिका प्राथमिक विद्यालय पर हमले की खबरों ने अंतर्राष्ट्रीय कानून की प्रासंगिकता पर नई बहस छेड़ दी है। खबरों के अनुसार, हमले के समय विद्यालय में बड़ी संख्या में छात्राएं मौजूद थीं।

ईरानी अधिकारियों ने दावा किया है कि इस घटना में 150 से अधिक लोगों की मौत हुई, जिनमें बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 60 अन्य घायल हुए हैं। इन आंकड़ों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया द्वारा सत्यापित वीडियो में बचावकर्मियों को मलबे में तलाश करते, स्कूल बैग निकालते और दीवारों पर जलने के निशान देखे जा सकते हैं। अमेरिकी अखबार 'न्यूयॉर्क टाइम्स' का कहना है कि उसने ऐसे वीडियो सत्यापित किए हैं जिनमें विद्यालय के पास इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) का एक नौसैनिक अड्डा और उस अड्डे पर हमले के दृश्य दिखाई देते हैं।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के प्रतिनिधियों ने इसे नागरिक बुनियादी ढांचे को जानबूझकर निशाना बनाने का मामला बताते हुए युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध करार दिया है। अमेरिका और इज़राइल ने सार्वजनिक रूप से विद्यालय को निशाना बनाने की पुष्टि नहीं की है। अमेरिकी सैन्य कमान 'सेंटकॉम' ने कहा कि नागरिकों को हुए संभावित नुकसान की रिपोर्टों को गंभीरता से लिया जा रहा है और जांच की जा रही है। उसने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अनपेक्षित क्षति को न्यूनतम करने के लिए सभी एहतियाती कदम उठाए जाते हैं।

कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून लागू होता है, जो भेद, अनुपातिकता और सैन्य आवश्यकता जैसे सिद्धांतों पर आधारित है। इन सिद्धांतों के तहत केवल सैन्य ठिकानों और लड़ाकों को निशाना बनाया जा सकता है, जबकि स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक परिवहन जैसे नागरिक ढांचे संरक्षित माने जाते हैं। किसी लक्ष्य की प्रकृति को लेकर संदेह होने पर उसे असैन्य माना जाना चाहिए।

यूनेस्को ने सांस्कृतिक विरासत स्थलों के भविष्य पर जताई चिंता

पेरिस। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) ने अमेरिका-इजरायल हवाई हमले के बाद ईरान के गोलेस्तान पैलेस को हुए नुकसान पर चिंता व्यक्त की है। संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजेंसी ने ईरान में अमेरिका-इजरायल बमबारी के बाद मध्य पूर्व में कई विरासत स्थलों के भविष्य पर चिंता जताई है। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी के अनुसार, सोमवार को तेहरान में अर्ग स्क्वायर पर हुए हवाई हमले के कारण गोलेस्तान पैलेस चपेट में आ गया। कथित तौर पर महल की खिड़कियों, दरवाजों और शीशों को नुकसान पहुंचा है। गोलेस्तान पैलेस तेहरान के ऐतिहासिक केंद्र के बीचोबीच स्थित है। यह चारदीवारी वाला महल शहर के सबसे पुराने परिसरों में से एक है। यूनेस्को के अनुसार, 1779 में सत्ता में आने वाले कजार परिवार ने तेहरान को देश की राजधानी बनाया तथा यह पैलेस सत्ता का केंद्र बन गया। तालाबों और बगीचों से घिरे इस महल ने अपनी सजावट और प्रमुख विशिष्टताएं 19वीं शताब्दी में प्राप्त की थी।

बिल क्लिंटन ने एप्स्टीन से संबंधों को नकारा

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने सांसदों के समक्ष बंद कमरे में दी गवाही में यौन अपराधी जेफ्री एप्स्टीन से दूरी बनाने की कोशिश की। यह बयान उन्होंने प्रतिनिधि सभा की निगरानी समिति के समक्ष दी गयी गवाही में दिया, जिनके वीडियो सोमवार को जारी किए गए। क्लिंटन ने कहा कि 2008 में एप्स्टीन द्वारा एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति कराने के आरोप में दोष स्वीकार करने से कई वर्ष पहले ही उन्होंने उससे संबंध समाप्त कर लिए थे।, उनकी पत्नी हिलेरी क्लिंटन ने कहा कि उन्हें एप्स्टीन से मुलाकात की याद तक नहीं है। एप्स्टीन ने 2019 में न्यूयॉर्क में नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों में जेल में आत्महत्या कर ली थी।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

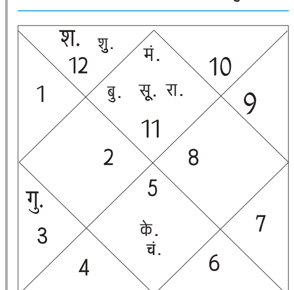

आज की ग्रह स्थिति : 4 मार्च, बुधवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा 04 .48 तक तत्पश्चात द्वितीया।

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुम्भ, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाफाल्गुनी 07 .39 तक तत्पश्चात उत्तरफाल्गुनी।

सुडोकू - 78 का हल

4	7	3	6	9	5	1	8	2
1	9	5	2	4	8	3	7	6
8	2	6	3	1	7	4	9	5
6	1	7	4	2	3	9	5	8
9	5	2	7	8	1	6	4	3
3	4	8	9	5	6	7	2	1
7	8	1	5	3	4	2	6	9
5	6	9	1	7	2	8	3	4
2	3	4	8	6	9	5	1	7

सुडोकू -79

		6	9		1			
1			2	4				
2		4			9	9		5
		7	5		4		4	
6		3	1					9
	8					6		
9		8				2		6
				2	8			7
			6		3	1		

"एक बात बहुत साफ है कि हम प्रेशर से भागें नहीं। हम इसे अपनाएं, हम इसका सामना करें, और अगर कभी हमें लगे कि हम प्रेशर में हैं, तो पक्का करें कि हम पॉजिटिव रास्ता अपनाएं। इस गेम का मजा लें, इस स्पोर्ट के लिए, आपने अपनी पूरी जिंदगी यही खेला है। -गौतम गंभीर"

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 4 मार्च 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सेमीफाइनल में आज

टीम	समय
न्यूजीलैंड-द. अफ्रीका	शाम 7 बजे

हाईलाइट

भारत-इंग्लैंड की टीमें एक-दूसरे को बखूबी जानती हैं : कुरेन

मुंबई। भारत के खिलाफ टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले इंग्लैंड के सैम कुरेन ने कहा कि दोनों टीमें एक दूसरे के खिलाफ इतना खेल चुकी हैं कि कुछ छिपाने के लिए नहीं है लेकिन उन्हें अपनी टीम से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद है। इंग्लैंड ने 2022 में भारत को सेमीफाइनल में दस विकेट से हराने के बाद खिताब जीता था जबकि भारत ने 2024 में इंग्लैंड को 78 रन से हराने के बाद खिताब जीता था। कुरेन ने वानखेड़े स्टेडियम पर इंग्लैंड के अभ्यास सत्र से पहले कहा इस मैदान पर हम काफी खेल चुके हैं लिहाजा कुछ छिपा नहीं है। उन्होंने कहा हमारे पास अभ्यास के लिये दो दिन का समय है जिससे हालात के अनुकूल ढलने में मदद मिलेगी। इन स्टेडियमों में हम इतना खेल चुके हैं कि अलग अलग हालात की आदत हो गई है।

चंद्र ग्रहण की वजह से अभ्यास में विलंब

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल से पहले चंद्र ग्रहण की वजह से मंगलवार शाम के ट्रेनिंग सत्र में एक घंटे से अधिक का विलंब किया। टी20 विश्व कप के सह मेजबान भारत को पहले यहां वानखेड़े स्टेडियम में शाम छह से नौ बजे तक ट्रेनिंग करनी थी लेकिन टीम आखिरकार शाम सात बजकर 20 मिनट के करीब मैदान पर उतरी। सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य खिलाड़ियों और कोच से पहले मैदान पर पहुंच गए थे लेकिन ट्रेनिंग कुछ देर बाद शुरू हुई। स्टेडियम की फ्लडलाइट भी शाम करीब छह बजकर 50 मिनट पर चालू कर दी गई थी।

प्रेशर से भागो मत सामना करो : गंभीर

नई दिल्ली। इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपने प्लेयर्स से नॉकआउट के प्रेशर को अपनाने की अपील की है, क्योंकि डिफेंडिंग चैंपियन टीम गुरुवार को मशहूर वानखेड़े स्टेडियम में टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में दो बार की विनर इंग्लैंड का सामना करने के लिए तैयार है। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई) द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में बोलते हुए, गंभीर ने साफ किया कि इंडिया इस मौके की अहमियत से पीछे नहीं हटेगा। भारत की 2007 और 2011 वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम के सदस्य गंभीर ने माना कि घर पर नॉकआउट खेलने का ज्यादा वजन होता है, लेकिन उन्होंने जोर दिया कि टीम को पॉजिटिव लेना चाहिए।

लक्ष्य ने शी युकी को हराकर किया उलटफेर

बर्मिंघम। भारत के लक्ष्य सेन ने मंगलवार को यहां अपनी मानसिक मजबूती और शारीरिक ताकत का शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप के पुरुष एकल के पहले दौर में चीन के शी युकी को तीन गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में हरा दिया। लक्ष्य ने इस मुकाबले में 23-21, 19-21, 21-17 से जीत हासिल की। उन्होंने दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी युकी को व्यक्तिगत मुकाबले में पहली बार हराया। लक्ष्य ने 2023 में एशियाई खेलों की टीम चैंपियनशिप में चीन के इस खिलाड़ी को हराया था।

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के कप्तानों की भूमिका होगी अहम

टी-20 विश्व कप : पहला सेमीफाइनल आज, आत्मविश्वास से भरी हैं दोनों टीमें

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम।

कोलकाता, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को यहां टी-20 विश्व कप के पहले सेमीफाइनल में रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है, जिसमें दोनों टीम के कप्तानों की भूमिका अहम होगी। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम और न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर इस समय शानदार फॉर्म में हैं। अमूमन ऐसा नहीं होता कि दोनों टीमों के कप्तान ही सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हों। ऐसे में मार्करम और सैंटनर के बीच मुकाबला दिलचस्प होगा, जो ईडन गार्डन्स में हजारों दर्शकों को रोमांच से भर देगा। न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच आईसीसी प्रतियोगिताओं में प्रतिद्वंद्विता 2015 में वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल के दौरान अपने चरम पर पहुंच गई थी। तब न्यूजीलैंड ने एक रोमांचक मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को हरा दिया था जिससे डेल स्टेन और एबी डी विलियर्स जैसे खिलाड़ियों को करारा झटका लगा था।

टीम

न्यूजीलैंड : मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, टिम सीफर्ट, रचिन रविंद्र, डेवोन कॉनवे, काइल जैमीसन, जैकब डफी, ग्लेन फिलिप्स, डैरिल मिचेल, लॉकी फर्ग्यूसन, मार्क चैपमैन, मैट हेनरी, इश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन, कोल मैककॉन्ची, जेम्स नीशम।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डीकॉक, रयान रिकलटन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, मार्को यानसन, कॉर्बिन बॉश, कैगिसो रबाडा, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, एनरिक नॉर्किया, जेसन स्मिथ।

दक्षिण अफ्रीका अब शुकरी कॉनराड के मार्गदर्शन में खतरनाक टीम बन गई है, जिसने पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर अपने दृढ़ संकल्प का परिचय दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने हालांकि अभी तक सीमित ओवरों की कोई ट्रॉफी नहीं जीती है लेकिन ''चोकर'' का विख्यात तमगा अब उनके क्रिकेट शब्दकोश का हिस्सा नहीं है। इस मुकाबले के केंद्र में दो ऐसे कप्तान हैं, जिनकी अक्सर उतनी प्रशंसा या चर्चा नहीं होती जितनी होनी चाहिए थी क्योंकि वह रणनीतिक और तकनीकी रूप से उन कप्तानों से कहीं बेहतर हैं जिनकी कहीं अधिक प्रशंसा की जाती है। मार्करम ने अभी तक इस टूर्नामेंट में 175 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 268 रन बनाए हैं। उन्होंने पावर प्ले में गेंदबाजों को अच्छी तरह से निशाना बनाया है। दूसरी तरफ सैंटनर ने 6.35 की इकॉनमी रेट के साथ बल्लेबाजों को बांधे रखा है। उन्होंने बल्लेबाजी में भी कमाल दिखाया है। मार्क्रम, क्विंटन डीकॉक, डेवाल्ड ब्रेविस, रयान रिकलटन, ट्रिस्टन स्टब्स, डेविड मिलर और मार्को यानसन जैसे दमदार बल्लेबाजों से सजी दक्षिण अफ्रीका की टीम किसी भी विरोधी टीम की नींद उड़ा सकती है। लेकिन सैंटनर के पास रचिन रविंद्र (सात से कम इकॉनमी रेट से नौ विकेट), ग्लेन फिलिप्स और कोल मैककॉन्ची जैसे स्पिनर होंगे जिन्होंने अभी तक मिलकर अच्छा प्रदर्शन किया है। अगर भारत को छोड़ दिया जाए तो दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली बार इतने अच्छे स्पिन आक्रमण का सामना करेगी। न्यूजीलैंड के पास दक्षिण अफ्रीका को चुनौती देने के लिए एक अच्छे लेग स्पिनर की कमी है क्योंकि ईश सोढ़ी ने अब तक खेले गए मैचों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया है।

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर।

अभ्यास सत्र के दौरान दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी।

अपने साथी के साथ न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी (बाएं)।

दक्षिण अफ्रीका के क्वेना मफाका।

बुमराह को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर मिलने चाहिए : गावस्कर

बेंगलुरु, एजेंसी

"जहां तक बुमराह का सवाल है तो उनको समझना आसान नहीं है। वह पहले वाइड गेंद फेंकते हैं तो अक्सर लगता है कि गेंद अंदर की तरफ आएगी। लेकिन वह गेंद को स्विंग करा सकते हैं। इसीलिए वह तीनों प्रारूप में इतने खतरनाक गेंदबाज हैं। -सुनील गावस्कर"

अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का मानना है कि हैरी ब्रूक और जसप्रीत बुमराह के बीच की जंग भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल मुकाबले का नतीजा तय करेगी तथा उन्होंने भारतीय टीम प्रबंधन से अपनी तेज गेंदबाजी के अगुआ को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर देने का आग्रह किया।

मौजूदा चैंपियन भारत गुरुवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगा। इससे पहले 2022 और 2024 में भी इन दोनों टीमों के बीच सेमाइफाइनल खेला गया था। इंग्लैंड ने 2022 में एडिलेड में भारत को 10 विकेट से हराया, जबकि रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने दो साल बाद वेस्टइंडीज के प्रोविडेंस में इसका बदला चुकता कर दिया था। गावस्कर ने चैम्पस फाउंडेशन के लिए आयोजित की जा रही डीपी वर्ल्ड सेलिब्रिटी गोल्फ प्रतियोगिता से पहले मीडिया से कहा मेरा मानना है कि बुमराह को पावरप्ले में कम से कम दो ओवर करने चाहिए, क्योंकि नई गेंद से अगर वह शुरू में विकेट ले लेते हैं, तो भारत का पलड़ा भारी हो जाएगा। वह जोस बटलर, फिल साल्ट और हैरी ब्रूक के विकेट लेकर इंग्लैंड की बल्लेबाजी को ध्वस्त कर सकते हैं। बुमराह पावरप्ले के दौरान एक ओवर ही गेंदबाजी करते रहे हैं, क्योंकि टीम डेथ ओवरों के लिए उनके कम से कम दो ओवर बचाकर रखती है। गावस्कर ने कहा कि बुमराह को चार ओवर के बाद गेंद सौंपने का कोई मतलब नहीं है।

उन्होंने कहा जब चार ओवर पहले ही फेंके जा चुके हैं और बल्लेबाजों को लगभग 20 गेंदें खेलने को मिल चुकी हैं, तो इसका मतलब होगा कि जब बुमराह गेंदबाजी करने के लिए आएंगे तो दोनों बल्लेबाजों को 8-10 गेंदें खेलने को मिल चुकी है और उन्होंने क्रीज पर अपने पांव जमा लिए होंगे। बुमराह और भारत दोनों के लिए यह बेहतर नहीं होगा कि बुमराह शुरू में गेंदबाजी करके विकेट हासिल करें। इस गुरु भारतीय कप्तान ने कहा कि दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है लेकिन भारतीय बल्लेबाजी में लचीलापन है।

मंधाना महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल में संपन्न तीन मैच की श्रृंखला में उम्दा प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को जारी आईसीसी महिला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 58 और 31 रन की पारियां खेलने वाली स्मृति के 790 अंक हैं और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोलवार्ट को पछाड़ा जिनके 782 अंक हैं। वोलवार्ट के पास मार्च और अप्रैल में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के दौरान फिर से शीर्ष स्थान हासिल करने का मौका होगा।

अपने अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में शतक जड़ने वाली एलिसा हीली ने 744 अंक के साथ रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहते हुए अलविदा कहा। बेथ मूनी तीसरे जबकि एशले गार्डनर (724) पांचवें स्थान पर रहीं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर नौवें स्थान के साथ शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रहीं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं।

विश्व कप विजेता महिला टीम लॉरेस पुरस्कार के लिए नामित

मैड्रिड, एजेंसी

भारत की महिला क्रिकेट टीम को पिछले साल पहली बार विश्व कप खिताब जीतने के लिए लॉरेस की साल की सर्वश्रेष्ठ टीम के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने मंगलवार को नामांकन की पुष्टि की। भारतीय टीम इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। यह विश्व कप में टीम के शानदार प्रदर्शन की पहचान है। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में जीत के दौरान महिलाओं के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य को हासिल किया था।

हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली टीम को इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम, यूरोपीय राइडर कप टीम, फ्रांस की फुटबॉल लीग की टीम पेरिस सेंट जर्मेन और मैकलारेन फॉर्मूला वन टीम जैसी बड़ी टीमों के साथ नामित किया गया है। लॉरेस स्पोर्ट ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास के सबसे बड़े लक्ष्य (339) को हासिल किया। इसके बाद टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला खिताब जीता और इस पुरस्कार के लिए नामित होने वाली पहली महिला क्रिकेट टीम है। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा कि भारतीय महिला टीम की जीत देश के क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र में एक अहम पल था।

सैकिया ने बयान में कहा विश्व कप 2025 की जीत ना केवल टीम के लिए बल्कि हमारे देश के पूरे क्रिकेट पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक अहम पल था। टीम ने युवा लड़कियों की एक नई पीढ़ी को क्रिकेट अपनाने के लिए प्रेरित किया है और हम उन नींव और सहयोग प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो आने वाले वर्षों तक इस कामयाबी को बनाए रखेंगे।

एएफसी एशियाई कप

मैच से पहले सामने आया शर्मनाक सच, अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के भीतर कुप्रबंधन उजागर

भारतीय महिला टीम के पास उचित खेल किट नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया में एएफसी महिला एशिया कप के मैच से ठीक एक दिन पहले टीम की खिलाड़ियों ने उचित किट नहीं होने का मामला उठाया है जिससे अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के भीतर कुप्रबंधन भी उजागर होता है। भारत बुधवार को पर्थ में वियतनाम के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगा। उससे पहले टीम की सभी 26 खिलाड़ियों ने एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायण को पत्र लिखकर उचित कपड़ों और खेल किट की कमी पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इससे उनके मनोबल पर असर पड़ा है और उनका ध्यान भंग हुआ है।

पत्र में कहा गया है, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए पेशेवर मानकों को पूरा करना जरूरी होता है। जिसमें खिलाड़ियों को फिट आने वाली उचित पोशाक भी शामिल है। इससे एआईएफएफ प्रबंधन में पेशेवरपन की कमी का पता चलता है। पत्र के अनुसार पिछले कुछ दिनों में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ को उचित पोशाक नहीं होने के कारण टूर्नामेंट से पहले ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस महत्वपूर्ण प्रतियोगिता के लिए गलत मैच किट के आने से मनोबल पर बुरा असर पड़ा है और इससे हमारे एकाग्रता भंग हुई है। इस पत्र पर कप्तान स्वीटी देवी नागमबम और देश की तरफ से सर्वाधिक मैच खेलने वाली ग्रेस डांगमेई समेत आठ खिलाड़ियों ने हस्ताक्षर किए हैं। पत्र में कहा गया है कि अन्य खिलाड़ी भी इस पत्र से सहमत हैं। पत्र में सभी 26 खिलाड़ियों के नाम दिए गए हैं। पत्र के अनुसार, सभी खिलाड़ियों ने दो मार्च को दोपहर दो बजे बैठक की और सर्वसम्मति से यह पत्र लिखने का फैसला किया। बैठक में स्वीटी देवी, मनीषा कल्याण, ग्रेस डांगमेई, संगीता बसफोरे, पंथोई चानू, संजू, प्यारी जाक्सा, श्रेया ने अहम भूमिका निभाई।

भारत का पहला मैच वियतनाम से, अंतर्राष्ट्रीय मैचों का कम अनुभव पड़ सकता है भारी

पर्थ। भारतीय टीम बुधवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली वियतनाम की टीम के खिलाफ एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने अभियान की शुरुआत करेगी जिसमें उसे अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का कम अनुभव भारी पड़ सकता है। भारत चार टीमों के ग्रुप में रैंकिंग के लिहाज से सबसे निचले पायदान पर है और उसने इस साल एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ग्रुप की अन्य तीन टीमें वियतनाम, जापान और चीनी ताइपे हैं। भारतीय टीम ने आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच अक्टूबर 2025 में ईरान व नेपाल के खिलाफ खेले थे।

होली धमाका
रंगों के पर्व होली पर पायें
अमृत विचार
का E-Paper Subscription
03 माह के लिए
फ्री
Subscribe करने के लिए Scan करें